रांची, गुरुवार
04.12.2025
वर्ष : 11, अंक : 04 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत, ट्रायल कोर्ट में सशरीर उपस्थिति से मिली छूट

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। उच्च न्यायालय ने ईडी के समन की अवहेलना से जुड़े मामले में सशरीर उपस्थिति से छूट दे दी है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस अनिल चौधरी की अदालत में बुधवार को इस मामले की सुनवाई हुई। उच्च न्यायालय के इस फैसले से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ी राहत मिली है और अब उन्हें ट्रायल कोर्ट में सुनवाई के दिन सशरीर उपस्थित नहीं होना पड़ेगा। मामले में मुख्यमंत्री की ओर से वरीय अधिवक्ता अरूण चौधरी और अधिवक्ता दीपांकर राय ने पक्ष रखा।

झारखंड का राजभवन अब लोक भवन के नाम से जाना जाएगा

रांची। झारखंड के राजभवन का नाम अब बदलकर अब लोक भवन कर दिया गया है। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव नितीन मदन कुलकर्णी ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। नई अधिसूचना के अनुसार अब रांची और दुमका स्थित राजभवन को आधिकारिक रूप से लोक भवन के नाम से जाना जाएगा। अधिसूचना में बताया गया है कि यह परिवर्तन भारत सरकार के गृह मंत्रालय और झारखंड के राज्यपाल की मंजूरी के बाद लागू किया गया है। नाम परिवर्तन के फैसले का उद्देश्य संस्थान को अधिक जनोन्मुख और लोकतांत्रिक पहचान देना बताया जा रहा है। इसके लागू होने के साथ ही विभिन्न सरकारी अभिलेखों, पत्राचार, बोर्डों और संकेतक पट्टों में भी जल्द इसका परिवर्तन किया जाएगा।

झारखंड में कड़ाके की ठंड, सात जिलों में शीतलहर का अलर्ट

रांची। झारखंड के सात जिलों में 5 और 6 दिसंबर को शीतलहर चलने की संभावना जताई गई है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट लातेहार, गढ़वा, पलामू, चतरा, सिमडेगा, लोहरदगा और गुमला जिलों के लिए जारी हुआ है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि जम्मूझकश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण ठंडी और नमीयुक्त हवाएं पूर्वी और मध्य भारत की ओर बढ़ रही हैं। इससे तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है और अगले दो दिनों में कई जिलों में शीतलहर की स्थिति बन सकती है। उन्होंने बताया कि सिर्फ पश्चिमी झारखंड ही नहीं, बल्कि आसपास के मध्य क्षेत्रों में भी तापमान में और गिरावट दर्ज होने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को ठंड से सावधान रहने, आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने और सुबह-शाम बाहर निकलने पर गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी है।

भारत के कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक खेती ला सकती है क्रांतिकारी बदलाव: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों से प्राकृतिक खेती अपनाने और इसे बढ़ावा देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह न केवल कृषि की लागत में कमी लाता है, बल्कि मिट्टी की सेहत, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने में भी सक्षम है। प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक लिंक्डइन पोस्ट में विस्तृत लेख साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल ही में कोयंबटूर में आयोजित साउथ इंडिया नेचुरल फार्मिंग समिट 2025 में शामिल होने के अनुभव और भारत में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं पर विचार प्रस्तुत किए।

प्रधानमंत्री ने लेख में बताया कि उन्होंने कुछ माह पहले तमिलनाडु के किसानों के एक समूह ने उनसे मुलाकात की और प्राकृतिक खेती के अपने नवाचारी तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को कोयंबटूर में होने वाले प्राकृतिक खेती सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री ने किसानों का यह आमंत्रण स्वीकार करते हुए 19 नवंबर को इस सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से एमएसएमई हब माने जाने वाले कोयंबटूर में प्राकृतिक खेती पर ऐसा बड़ा आयोजन होना, अपने आप में कृषि जगत की नई सोच, नए आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा को दर्शाता है।

अपने लेख में प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती भारत की प्राचीन कृषि-ज्ञान परंपरा और आधुनिक पारिस्थितिक सिद्धांतों का समन्वित रूप है। इसमें बिना रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के फसलों की खेती की जाती है। प्राकृतिक खेती में फसलों, पेड़ों और पशुधन को एक ही खेत में सहजीवी रूप से विकसित होने दिया जाता है, जिससे जैव विविधता और मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है। इसके साथ ही खेत के अवशेषों के पुनर्चक्रण, मल्चिंग और प्राकृतिक पोषक तत्वों के उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता दीर्घकालीन रूप से सुधरती है।

प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में मिले किसानों और कृषि-उद्यमियों की प्रेरक कहानियों का उल्लेख करते हुए लिखा कि विविध पृष्ठभूमियों से आए लोग- वैज्ञानिक, युवा स्नातक, एफपीओ प्रमुख, पारंपरिक किसान और यहां तक कि उच्च वेतन वाली कॉर्पोरेट नौकरियां छोड़कर खेती में लौटे लोग आज प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में नए मॉडल स्थापित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एक किसान 10 एकड़ में केले, नारियल, पपीता, काली मिर्च और हल्दी की मल्टी-लेयर फार्मिंग करते हैं, साथ ही 60 देशी गायें, 400 बकरियां और देसी मुर्गीपालन का भी संचालन करते हैं। एक अन्य किसान देशी धान किस्मों जैसे मपिल्ली सांबा और करुप्पु कवूनी को संरक्षित कर रहे हैं और उनसे मूल्यवर्धित उत्पाद- हेल्थ मिक्स, पफ्ड राइस, चॉकलेट और प्रोटीन बार बना रहे हैं।

एक प्रथम पीढ़ी के स्नातक किसान 15 एकड़ में प्राकृतिक खेती का संचालन करते हैं और 3,000 से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दे चुके हैं, जबकि उनका समूह हर महीने 30 टन सब्जियां आपूर्ति करता है। कुछ एफपीओ संचालकों ने कसावा (टैपिओका) किसानों की मदद करते हुए कसावा-आधारित उत्पादों को बायोएथेनॉल और कम्प्रेस्ड बायोगैस जैसी हरित ऊर्जा के स्रोत के रूप में बढ़ावा दिया है।

प्रधानमंत्री ने लिखा कि सम्मेलन में मिले कई कृषि नवप्रवर्तक इस बात का प्रमाण हैं कि विज्ञान और स्थिरता को एक साथ मिलाकर बड़े स्तर पर कृषि परिवर्तन संभव है। उदाहरण के तौर पर समुद्री शैवाल आधारित जैव उर्वरक बनाने वाले एक उद्यमी ने 600 मछुआरों को रोजगार दिया है। एक अन्य विशेषज्ञ ने पोषक तत्वों से भरपूर बायोचार विकसित किया है, जो मिट्टी की गुणवत्ता और जल धारण क्षमता में सुधार करता है।

प्रधानमंत्री ने अपने लेख में सरकार के उन प्रयासों का भी उल्लेख किया जो प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले वर्ष शुरू हुआ राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अब तक लाखों किसानों को इससे जोड़ चुका है। देशभर में हजारों हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान, कर्ज सुविधा का विस्तार, निर्यात को बढ़ावा और किसान क्रेडिट कार्ड को पशुपालन तथा मत्स्य पालन तक विस्तारित करने जैसे उपाय प्राकृतिक खेती की दिशा में गति प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्राकृतिक खेती श्री अन्न (मिलेट्स) को बढ़ावा देने की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता से भी गहराई से जुड़ी है और यह सुखद है कि बड़ी संख्या में महिला किसान इस आंदोलन की अगुवाई कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने चेताया कि पिछले कुछ दशकों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति, नमी और दीर्घकालिक स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। साथ ही खेती की लागत लगातार बढ़ी है। प्राकृतिक खेती इन सभी चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करती है। पंचगव्य, जीवामृत, बीजामृत और मल्चिंग जैसे पारंपरिक उपाय मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, जलवायु परिवर्तन और अनिश्चित मौसम के खिलाफ फसलों को अधिक सुदृढ़ बनाते हैं और लागत कम करते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे एक एकड़, एक सीजन के फार्मूले से शुरूआत करें। छोटे स्तर पर मिले सकारात्मक परिणाम बड़े पैमाने पर अपनाने का आत्मविश्वास देंगे। उन्होंने कहा कि जब पारंपरिक ज्ञान, वैज्ञानिक अनुसंधान और संस्थागत सहायता एक साथ आती हैं, तब प्राकृतिक खेती एक व्यवहार्य और रूपांतरकारी मॉडल बन जाती है।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा की सीबीआई जांच के लिए दायर याचिका खारिज, रिजल्ट जारी करने का निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। जेएसएससी- सीजीएल (कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा) में कथित पेपर लीक मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच कराने की मांग के लिए दायर याचिका पर उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुना दिया है। बुधवार को उच्च न्यायालय ने इस याचिका को खारिज करते हुए जेएसएससी को रिजल्ट जारी करने का निर्देश दिया है। मामले में उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की खंडपीठ में सुनवाई हुई।

वहीं पिछली सुनवाई के दौरान राज्य सरकार, जेएसएससी और वादियों एवं सफल अभ्यर्थियों की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। राज्य सरकार की ओर से गुरुवार को महाधिवक्ता राजीव रंजन, अधिवक्ता पीयूष चित्रेश और जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजॉय पिपरवाल ने इस मामले में सरकार का पक्ष रखा।

वहीं सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार सिन्हा और उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने भी बहस की। उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज करते हुए जेएसएससी को रिजल्ट जारी कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही उन 10 अभ्यर्थियों के रिजल्ट प्रकाशन पर उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी है, जिन्होंने नेपाल में रहकर परीक्षा की तैयारी की थी। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब राज्य में जेएसएससी- सीजीएल परीक्षा के माध्यम से होने वाली हजारों नियुक्तियों का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

उच्च न्यायालय के आदेश ने भाजपा को किया बेनकाब : विनोद पाण्डेय

रांची। सीजीएल-2023 परीक्षा परिणाम जारी करने की झारखंड उच्च न्यायालय की अनुमति के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कोर्ट के आदेश ने भाजपा के झूठ और अफवाहों को बेनकाब कर दिया है। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने साफ कर दिया है कि मामला सीबीआई जांच के योग्य नहीं है और जांच एसआईटी की निगरानी में जारी रहेगी। इससे सिद्ध होता है कि भाजपा राज्य सरकार के हर कार्य में खोट निकालने की आदत से ग्रसित है।

पांडेय ने आरोप लगाया कि भाजपा ने राजनीतिक लाभ के लिए हजारों युवाओं को गुमराह किया और पेपर लीक का बेबुनियाद मुद्दा खड़ा कर पूरे राज्य में अनिश्चितता का माहौल बनाया।

उन्होंने कहा कि अदालत में भाजपा के दावे साबित नहीं हो सके, जिससे शिक्षा माफिया और अफवाह फैलाने वालों की वास्तविकता उजागर हो गई।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पारदर्शी नीति और साफ नीयत का परिणाम है कि न्यायालय ने सरकार की प्रक्रियाओं पर भरोसा जताया है। झामुमो ने उन परीक्षार्थियों को बधाई दी जिनका परिणाम अब जारी होगा।

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर रांची में निषेधाज्ञा लागू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए रांची जिला प्रशासन ने विधानसभा (नया भवन) के 750 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की है। यह आदेश 5 दिसंबर सुबह 8:00 बजे से 11 दिसंबर रात 10:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस क्षेत्र में झारखंड उच्च न्यायालय को प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर रखा गया है।

क्या-क्या रहेगा प्रतिबंधित

रांची जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को जारी निषेधाज्ञा के तहत- पांच या उससे ज्यादा लोग एक जगह इकट्ठा नहीं हो सकेंगे (सरकारी काम और शवयात्रा को छोड़कर)। किसी तरह के हथियार जैसे–बंदूक, राइफल, रिवॉल्वर, बम, बारूद आदि लेकर चलना पूरी तरह प्रतिबंधित है (सरकारी कर्मियों को छोड़कर)। लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा, भाला जैसे हथियार लेकर चलने की मनाही (सरकारी कार्य में लगे लोगों को छोड़कर)। धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली या सभा का आयोजन भी नहीं किया जा सकेगा। लाउडस्पीकर या ध्वनि विस्तारक यंत्र के प्रयोग पर भी रोक रहेगी (सरकारी काम को छोड़कर)। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक चलना है। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने यह कदम उठाया है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर-दंतेवाड़ा सीमा पर मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर, तीन जवान शहीद

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर-दंतेवाड़ा अंतर जिला सीमा क्षेत्र के पश्चिम बस्तर डिवीजन इलाके में 12 नक्सली ढेर हो गए। इस दौरान तीन जवान शहीद हो गए तथा घायल दो जवान खतरे से बाहर हैं। मुठभेड़ स्थल से अब तक 12 नक्सली कैडरों के शव बरामद किए गए हैं। शव के साथ मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं। फिलहाल, मृतकों की पहचान की जा रही है।

बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि बुधवार सुबह 9 बजे डीआरजी दंतेवाड़ा-बीजापुर, एसटीएफ एवं सीआरपीएफ कोबरा की संयुक्त टीम इलाके में सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना हुई थी। अभियान के दौरान नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने आक्रामक कार्रवाई करते हुए 12 नक्सली कैडरों को ढेर कर दिया। इस मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के तीन जवान प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी एवं आरक्षक दुकारू गोंडे एवं रमेश सोड़ी शहीद हो गए। वहीं, दो जवान सोमदेव यादव और एक अन्य घायल हो गए। फिलहाल, दोनों घायल जवान खतरे से बाहर हैं। मुठभेड़ स्थल से अब तक 12 नक्सली कैडरों के शव बरामद किए गए हैं। शव के साथ मुठभेड़ स्थल से एसएलआर और .303 की राइफलों के साथ ही अन्य हथियार व गोला-बारूद भी बरामद किए हैं। माओवादियों के मृत शरीरों की पहचान अभी स्थापित की जानी शेष है। मुठभेड़ क्षेत्र में लगातार सर्च ऑपरेशन जारी है, अतिरिक्त रीइन्फोर्समेंट टीमें भेजी गई हैं। फोर्स की बल संख्या पर्याप्त है तथा क्षेत्र को कॉर्डन कर सर्चिंग जारी है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन पूर्ण होने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

खतरनाक स्तर के करीब दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता, एक्यूआई 342

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। राजधानी में बुधवार शाम हवा की गुणवत्ता सूचकांक 342 रही, जो बेहद खराब श्रेणी में आती है। तापमान में गिरावट और हवा की धीमी गति के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दक्षिण दिल्ली के नेहरू नगर में वायु गुणवत्ता सबसे खराब रही, जहां 436 का सूचकांक दर्ज किया गया। मुंडका में 391, बवाना में 401, जहांगीरपुरी में 405, वजीरपुर में 402, रोहिणी में 418 और डीटीयू में 383 दर्ज किया गया। आनंद विहार में 402 और पंजाबी बाग में 381 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में आते हैं।

जेजेएमपी के दो उग्रवादी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

लातेहारः पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर तीन दिसंबर को विशेष छापामारी अभियान चलाया गया. छापामारी के क्रम में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जेजेमपी के दो सक्रिय कुख्यात एरिया कमांडर उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया. इनमें दो लाख का इनामी एरिया कमांडर सुनील उराँव उर्फ सुनील उर्फ मन्टु, (35) पिता-रमेश उराँव उर्फ रामेश्वर उराँव उर्फ बटन उराँव, पता-तरवाडीह, नावागढ़, थाना लातेहार और एरिया कमाण्डर मुकेश लोहरा, (28), पिता स्व० लक्ष्मण मिस्त्री, ग्राम- पुरनी पल्हेया, थाना- मनिका, जिला-लातेहार का नाम शामिल है.पुलिस

मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि ये दोनों लातेहार जिला के विभिन्न थाना क्षेत्रो में सक्रिय रह कर कई अपराधिक घटनाओं को अंजाम देते थे.

दोनों कई थानों के वांछित अपराधकर्मी है. उन्हें लातेहार एवं मनिका थाना के संयुक्त छापामारी अभियान के क्रम मे गिरफ्तार किया गया है. एसपी ने बताया कि दोनो कई वर्षों से जेजेएमपी. संगठन के सक्रिय सदस्य रहे है एवं कई कांडो में वाछित है. पुलिस के साथ मुठभेड़ में इनकी संलिप्ता रही है.

इनके फरार रहने की स्थिति में सुनिल उरावं के विरुद्ध दो लाख का इनाम घोषित है. उन्होंने बताया कि उग्रवादी क्रियावादी सुनील उरांव और मुकेश लातेहार, बालूमाथ, चंदवा समेत अन्य थानों में कई अपराधिक मामले दर्ज है.

आईआरसीटीसी वेबसाइट ने अप्रैल–अक्टूबर में 99.98 प्रतिशत अपटाइम दर्ज किया : अश्विनी

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि अप्रैल से अक्टूबर 2025 के बीच आईआरसीटीसी वेबसाइट का अपटाइम 99.98 प्रतिशत रहा, जो 2024-25 के 99.86 प्रतिशत की तुलना में बेहतर है।

अपटाइम का अर्थ किसी वेबसाइट या ऑनलाइन सेवा का बिना रुके, बिना डाउन हुए लगातार चालू और उपलब्ध रहना है। यानी वेबसाइट 24 घंटे में जितने समय तक बिना रुकावट काम करती है, वह समय अपटाइम कहलाता है। 99.98 प्रतिशत अपटाइम का मतलब है कि वेबसाइट पूरे समय लगभग बिना किसी तकनीकी बाधा के चलती रही।

रेल मंत्री ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि भारतीय रेलवे टिकटिंग प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए प्रशासनिक और तकनीकी दोनों स्तरों पर निरंतर सुधार कर रहा है। प्रशासनिक सुधारों में संदिग्ध यूजर आईडी को निष्क्रिय करना, संदिग्ध पीएनआर को नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर रिपोर्ट करना और यूजर आईडी का पुनः सत्यापन शामिल है, जबकि तकनीकी सुधारों के तहत अत्याधुनिक एंटी-बॉट तकनीक, उन्नत वेरिफिकेशन सिस्टम और अग्रणी कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क (सीडीएन) का उपयोग किया जा रहा है।

मंत्री ने बताया कि आईआरसीटीसी की तकनीकी संरचना का नियमित थर्ड पार्टी ऑडिट भी किया जा रहा है ताकि वेबसाइट की विश्वसनीयता बढ़े और वास्तविक उपयोगकर्ताओं को तेज व सुगम

टिकट बुकिंग का अनुभव मिल सके। उन्होंने कहा कि टिकटिंग के स्वरूप में बड़ा बदलाव हुआ है और ई-टिकटिंग अब कुल आरक्षित टिकटों का 87 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। हालांकि असफल लेनदेन, विलंबित रिफंड और बुकिंग त्रुटियों से जुड़ी कुछ शिकायतें मिलती रहती हैं, लेकिन इनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

वैष्णव ने बताया कि आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल ऐप एपीआई-आधारित तकनीक पर चलते हैं, जिसमें न्यूनतम डेटा एक्सचेंज होता है और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी टिकट बुकिंग तेज व सुचारू रहती है। उन्नत सीडीएन तकनीक स्थिर सामग्री को तेज और सुरक्षित तरीके से उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे में क्षमता वृद्धि और तकनीकी उन्नयन संसाधनों की उपलब्धता और तकनीकीझआर्थिक व्यवहार्यता के आधार पर लगातार जारी है।

खाद्य सेवाओं के संबंध में उन्होंने बताया कि रेलवे हर साल लगभग 58 करोड़ भोजन परोसता है और इनमें से औसतन मात्र 0.0008 प्रतिशत शिकायतें मिलती हैं। पिछले चार वर्षों में शिकायतों की जांच के बाद सेवा प्रदाताओं पर 2.8 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। खाद्य गुणवत्ता में सुधार के लिए रेलवे द्वारा कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें निर्दिष्ट बेस किचनों से भोजन आपूर्ति, आधुनिक किचनों की स्थापना, तैयारी प्रक्रिया की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों का उपयोग, ब्रांडेड कच्चे माल का प्रयोग, बेस किचनों में फूड सेफ्टी सुपरवाइजर की नियुक्ति और ऑन-बोर्ड पर्यवेक्षकों की तैनाती शामिल है। इसके साथ ही खाद्य पैकेटों पर क्यूआर कोड, नियमित डीप क्लीनिंग, पेस्ट कंट्रोल, एफएसएसएआई प्रमाणन, थर्ड पार्टी ऑडिट तथा कैटरिंग स्टाफ का नियमित प्रशिक्षण भी किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि शिकायत निवारण प्रणाली को सरल बनाने के लिए रेलवे ने रेल मदद पोर्टल को एकल शिकायत निवारण मंच के रूप में सुदृढ़ किया है। खाद्य गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी शिकायत पर तुरंत और उचित कार्रवाई की जाती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भारतीय रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर गुणवत्ता वाला भोजन और सुगम टिकटिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

लोकसभा से केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित कर दिया। यह विधेयक तंबाकू उत्पाद पर मौजूदा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कंपनसेशन सेस की जगह बढ़ी हुई सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी लेगा। इसके साथ ही निचले सदन की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित हो गई।

इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा के पटल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को विचार और पारित करने के लिए रखा। सीतारमण ने सोमवार को निचले सदन में इस विधेयक को 1 दिसंबर को पेश किया था। वित्त मंत्री ने लोकसभा में केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक का मकसद जीएसटी मुआवजा सेस खत्म होने के बाद तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों पर उत्पाद शुल्क को बदलना है। उन्होंने कहा कि भारत में भी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से पहले तंबाकू के रेट हर साल बढ़ाए जाते थे। यह मुख्य रूप से सेहत से जुड़ी चिंताओं के कारण था, क्योंकि ज्यादा कीमतें या टैक्स लोगों को यह आदत न लगाने के लिए रोकने के लिए थे। सीतारमण ने कहा कि यहां कई मंत्रियों ने कहा कि यह एक सेस है। उत्पाद शुल्क कोई सेस नहीं है, उन्होंने कहा ये शुल्क जीएसटी से पहले भी थी। कम्पेनसेशन सेस वापस केंद्र के पास आ रहा है, जिसे उत्पाद शुल्क के तौर पर इकट्ठा किया जाएगा, जिसे राज्यों को दिए गए 41 फीसदी हिस्से पर बांटा जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री और पोटका विधायक संजीव सरदार ने संयुक्त रूप से 100 बेड वाले प्री फैबरीकेटेड अस्पताल का किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देते हुए सदर अस्पताल, खासमहल में 100 बेड वाले प्री-फैब्रिकेटेड हॉस्पिटल अत्याधुनिक सिकल सेल एनीमिया प्रयोगशाला का बुधवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और पोटका विधायक संजीव सरदार ने संयुक्त रूप से किया, मौके पर पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, सिविल सर्जन डॉक्टर साहिर पाल, टाटा स्टील के वीपी सीएस डी बी सुन्दरा रमन, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। पोटका विधानसभा के लोगों को अब बेहतर, तेज और सुलभ चिकित्सा सेवा उपलब्ध होगी। गंभीर रोगों और आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को तत्काल उपचार मिल सकेगा, वहीं सिकल सेल एनीमिया की जांच अब स्थानीय स्तर पर ही हो पाएगी, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिलंगी इस मौके पर संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा झारखंड सरकार पूरे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। 100 बेड वाले इस फील्ड हॉस्पिटल से इलाज की क्षमता कई गुना बढ़ेगी। हमारा लक्ष्य है कि झारखंड का कोई भी नागरिक इलाज के अभाव में परेशान न हो। आने वाले समय में और भी उन्नत सुविधाएँ राज्यभर में स्थापित की जाएंगी। हेमंत सरकार राज्य में विकास की गति बढ़ा रही है और खास कर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ, शिक्षा और रोजगार की दिशा में काम तेजी रहा है विधायक संजीव सरदार ने कहा मेरे पोटका विधानसभा के लोगों के लिए यह वास्तव में ऐतिहासिक क्षण है। सदर अस्पताल में इस अत्याधुनिक फील्ड हॉस्पिटल और सिकल सेल लैब की स्थापना से सबसे अधिक लाभ मेरे क्षेत्र के ही मरीजों को मिलेगा, क्योकि उनके ही क्षेत्र में यह खुला है और गाँव ग्रामीण से लोग इलाज के लिए अधिकतर यहीं आते हैं। यह सुविधा मिलने से समय और धन दोनों की बचत होगी। मैं राज्य सरकार और स्वास्थ्य मंत्री का हृदय से धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने पोटका को प्राथमिकता देते हुए इतनी बड़ी स्वास्थ्य सुविधा दी।

इस मौके पर पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, सिविल सर्जन डॉक्टर साहिर पाल, टाटा स्टील के वीपी सीएस डी बी सुन्दरा रमन, घाटशिला के विधायक सोमेश सोरेन, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, डीटीओ धनंजय, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सदर अस्पताल के ओपीडी में मरीजों का किया जांच

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सदर अस्पताल परिसर में 100 बेड वाले प्री फैबरीकेटेड अस्पताल का उद्घाटन किया. अस्पताल 3 वर्षों से निमार्णाधीन था। इस अस्पताल में सामान्य मरीज को रखा जाएगा. जबकि गंभीर मरीजों को पुराने भवन में रखा जाएगा. इस दौरान पोटका विधायक, सिविल सर्जन और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. इससे पहले जब जमशेदपुर झारखण्ड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी सदर अस्पताल पहुंचे, तो यहाँ ओपीडी में बैठकर मरीजों को भी देखा और डाक्टरों से भी मिलें. झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा,मैं खुद ओपीडी लेने के लिए आया हूं. मरीजों की जांच की. मरीज काफी संतुष्ट दिखे. बहुत सारी समस्याएं सुनीं। सदर हॉस्पिटल की बहुत अच्छी व्यवस्था है. आप लोग सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं. हर हॉस्पिटल को हाईटेक बनाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद की जयंती नारायण आईटीआई में श्रद्धापूर्वक मनाई गई

जमशेदपुर(बिभा): नारायण आईटीआई लुपुंगडीह, चांडिल में बुधवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती श्रद्धा, और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान परिसर में उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों, प्रशिक्षकों और विद्यार्थियों ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान को याद किया। इस मौके पर एडवोकेट निखिल कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी, सादगी के प्रतीक और राष्ट्र सेवा के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने कहा कि डॉ. प्रसाद का जीवन अनुशासन, त्याग और विनम्रता से परिपूर्ण था, जिसे आज की युवा पीढ़ी को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि देश के विकास में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। युवा वर्ग यदि ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति जैसे मूल्यों को अपनाए, तो एक सशक्त और समृद्ध भारत का निर्माण संभव है। इस मौके पर संस्था के संस्थापक डॉक्टर जटाशंकर पांडे ,शांति राम महतो, प्रकाश महतो, शुभम साहू, संजीत महतो, पवन महतो, गौरव महतो, कृष्णा पद महतो, शशि प्रकाश महतो सहित कई लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम अंत में राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी दौरा के क्रम में पहुँचे कर्रा और कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

खूँटी(बिभा) । बुधवार की शाम कार्यक्रम दौरा से लौटने के क्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी कर्रा पहुंचे और जनसंघी कार्यकर्ता विनोद प्रसाद सोनी से मुलाकात की। साथ ही, अपने कार्यकताओं साथ ठंढे के मौसम में शाम को चाय पीते हुए बीते हुए पलों की चर्चा व बातचीत की। इस दौरान कार्यकताओं का हालचाल जाना। साथ ही क्षेत्र के बारे चर्चा किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता रंजीता देवी के पति का देहांत पर श्रीमरांडी ने संवेदना प्रकट किए। और रंजीता देवी से मुलाकात कर उन्हें दुःख व्यक्त किया और प्रार्थना की । इस बीच में क्षेत्र की बढ़ती अपराध पर अंकुश लगाने वाली की बात कही। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराध बढ़ गया है। इस पर सरकार को अंकुश लगाना चाहिए । इस दौरान, भाजपा कार्यकर्ता विष्णु प्रसाद सोनी , दिलीप कुमार सिंह, रंजीता देवी, देवनारायण सिंह, निशिकांत कुजूर, देवग्नेश भांगड़ा , राजेंद्र प्रसाद, शिवकुमार लाल, जमुना प्रसाद, अमन कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। यह जानकारी विष्णु प्रसाद सोनी ने दी।

उपायुक्त ने की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना एवं प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक

खूँटी(बिभा) । समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त आर० रॉनिटा ने बुधवार को कल्याण विभाग अंतर्गत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के योग्य लाभुकों के चयन हेतु चयन समिति की बैठक एवं प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक की। बैठक में सर्वप्रथम मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने विभिन्न प्रखंडों से आए आवेदनों का बारीकी से परीक्षण किया। समिति द्वारा कुल 95 लाभुकों का चयन किया गया जिन्हें गंभीर बीमारी समेत अन्य बीमारियों के इलाज हेतु चिकित्सा अनुदान की राशि प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 330 लाभुकों को भी इस योजना का लाभ दिया जा चुका है। इसके पश्चात आयोजित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने से संबंधित प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला कल्याण पदाधिकारी श्री प्रमोद राम द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए कुल 14,517 नए आवेदन ई-कल्याण पोर्टल पर प्राप्त हुए हैं, जिन्हें संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों द्वारा भौतिक सत्यापन उपरांत अनुमोदित किया गया है। समिति द्वारा सभी आवेदनों को अनुमोदन प्रदान किया गया। पूर्व में समिति द्वारा 25,397 विद्यार्थियों के आवेदनों को भी अनुमोदित किया जा चुका है। इस प्रकार अब तक कुल 39,914 विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लाभ के लिए अनुमोदित किए जा चुके हैं। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी पात्र विद्यार्थियों के बैंक खातों में छात्रवृत्ति की राशि शीघ्र स्थानांतरित की जाए तथा इस प्रक्रिया को पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक कम आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिले के 21 विद्यालयों द्वारा अब तक आवेदन जेनरेट नहीं किए गए हैं। इस पर उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देशित किया कि ऐसे विद्यालयों को चिन्हित कर उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करें और अगले एक सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत आवेदन जेनरेट करना सुनिश्चित करें, ताकि जिले के सभी योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके।

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने 10 दिव्यांगजनों को दी ई-ट्राई साइकिलें, राष्ट्रीय खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः विश्व दिव्यांगता दिवस पर समाहरणालय में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम,डॉ. इरफान अंसारी, मंत्री, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, खाद्य आपूर्ति तथा आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड सरकार मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल, दिव्यांगजनों के बीच ई ट्राई साइकिल वितरण तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया ।

जमशेदपुर जिला प्रशासन, पूर्वी सिंहभूम एवं जिला सामाजिक सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा आज विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर समाहरणालय स्थित सभागार में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. इरफान अंसारी, मंत्री, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, खाद्य आपूर्ति तथा आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड सरकार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर जुगसलाई विधायक श्री मंगल कालिंदी, उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी, उप विकास आयुक्त श्री नागेन्द्र पासवान, सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल समेत अन्य उपस्थित थे । कार्यक्रम में इस वर्ष की थीम – रविकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ानाह्व – के अनुरूप कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित कर दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान एवं सामाजिक प्रगति में उनकी सक्रिय भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में अधिकारियों, दिव्यांगजन प्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं तथा स्वयंसेवी संगठनों ने भाग लेते हुए दिव्यांगजन-हितैषी नीतियों, अवसरों एवं सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर माननीय मंत्री द्वारा 10 दिव्यांगजनों के बीच ई ट्राई साइकिल का वितरण तथा विभिन्न खेल में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व के लिए दिव्यांगजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। माननीय मंत्री ने कहा कि समाज तभी प्रगतिशील माना जा सकता है जब दिव्यांगजनों के लिए समावेशी वातावरण, समान अवसर और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित हो। इसी दिशा में राज्य की सरकार माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड के नेतृत्व में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू कर रही है । उन्होने कहा कि सरकार सभी वर्गों के कल्याणार्थ कार्य कर रही है। इस दौरान जिला सामाजिक सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिव्यांगता के प्रकार की जानकारी, सहायता प्रावधानों तथा तकनीकी सहयोग से जुड़े विषयों पर भी जागरूक किया गया ।

कारो नदी से बालू का उठाव धड़ल्ले से जारी, नदी में बालू घटने से जल स्रोत घटा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में नदियों से बालू का अवैध खनन करके तस्करी धड़ल्ले से होता रहा है। जिसके कारण नदियों का बालू समाप्त होने को चला है। वहीं कर्रा प्रखंड अंतर्गत जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अन्तर्गत कारो नदी का जल श्रोत काफी कम हो गया है। जहाँ कभी पूरे नदी में पानी जीवन्त सालोंभर पानी बहता रहता था वहीं अब पानी नदी के किसी किसी भाग से ही बह पाता है। वहीं आशंका जतायी जा रही है कि आने वाले दिनों में कारो नदी का अस्तित्व मिटने वाला है। गोविंदपुर स्थित कारो नदी में गोविंदपुर , फतेहपुर के सारे मुहल्ले, रेहरगाड़ा आदि गाँवों के लोग स्नान करते हैं। वहीं बालू के इस कदर खनन से लोगों के बीच जल समस्या उत्पन्न होनेवाली है। लेकिन जरिया गढ़ थाना क्षेत्र पर बालू का धंधा अच्छी तरह प्रफुल्लित हो रहा है।

इधर, मुरहू थाना क्षेत्र अन्तर्गत बनई नदी से बालू का खनन और कालाबाजारी धड़ल्ले से चालू है। दिनदहाड़े लोग खुलेआम बालू की तस्करी करते हैं। खूँटी शहर में कुछ दिन पहले ही बालू की तस्करी करनेवाले लोग प्रशासन के विरुद्ध आवाज उठाई थी। लेकिन अब फिर बालू तस्करी जोरों पर है। आखिर बालू का खनन और परिवहन कानूनी तरीके से होता तो गैरकानूनी कार्य पर रोक लग पाता। लोग? बताते हैं कि अगर कानूनी तरीके से बालू खनन व कारोबार होता तो जरुरतमंद लोगों को कम दाम में बालू उपलब्ध हो पाता।

पार्टी को मजबूत करने के लिए झामुमो ने किया जिलास्तरीय बैठक

बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता योजनाओं की मॉनिटरिंग करे ताकि ठेकेदारों की मिलीभगत व अनियमितताओं पर अंकुश लगे : सुदीप

बिभा संवाददाता

खूँटी। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला के जिला कार्यालय में बुधवार को जिलास्तरीय बैठक किया गया। बैठक में विधायक सुदीप गुड़िया ने संगठनात्मक एकता और बूथ स्तर पर मजबूती की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं को धरातल तक पहुँचाने में कार्यकताओं की भागीदारी सबसे अहम है। किसी भी योजना की मॉनिटरिंग पंचायत और बूथ स्तर के कार्यकताओं की मौजूदगी में होनी चाहिए, ताकि ठेकेदारों की मिलीभगत से होने वाली अनियमितताओं पर अंकुश लगे। उन्होंने कार्यकताओं से बेझिझक संपर्क करने की अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पार्टी को कमजोर करने की कोशिशों को जमीनी संगठन ही नाकाम कर सकता है।

जिला अध्यक्ष जुबेर अहमद ने निर्देश देते हुए कहा कि अगले 15 दिनों के भीतर सभी बुथ समिति की सूची जिला कार्यालय में जमा की जाए। उन्होंने कार्यकताओं से गाँव-गाँव जाकर हेमंत सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुँचाने को कहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और राज्य में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं, जबकि पिछली सरकार ने झारखंड को पीछे ढकेलने का काम किया था।

इस बैठक में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद , सुशील पाहन (जिला सचिव), शंकर सिंह मुंडा (संगठन सचिव), मांगू होरो (किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष), कमलेश महतो (छात्र मोर्चा जिलाध्यक्ष), विमल पाहन गैब्रियल तोपनो, रूबेन तोपनो, अमृत हेमरोम, सुशांति कोनगाड़ी, तौकीर आलम, राहुल केशरी, फिरोज खान, लक्की खान, महादेव मुण्डा, देवनाथ मगहिया, प्रकाश नाग, समीर खलखो, राम होरो, ज़िदन सोय, सिरिल हस्सा आदि अनेक लोग शामिल थे।

बागबेड़ा में पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव के नेतृत्व में विधायक संजीव सरदार को सौंपा गया मांग पत्र

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड सरकार द्वारा टाटा स्टील का लीज नवीकरण किए जाने से पूर्व बागबेड़ा, कीताडीह एवं घाघीडीह क्षेत्र के 15 पंचायत क्षेत्रों में सीएसआर मद के तहत स्थायी रूप से नागरिक सुविधाएं बहाल करने की मांग को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बागबेड़ा के पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव ने किया। सौंपे गए मांग पत्र में उल्लेख किया गया कि जमशेदपुर में बागबेड़ा, कीताडीह एवं घाघीडीह क्षेत्र टाटा स्टील संयंत्र से मात्र तीन से पांच किलोमीटर की परिधि में स्थित हैं, जहां टाटा ग्रुप में कार्यरत स्थायी एवं अस्थायी कर्मचारी, ठेका मजदूर और उनके परिवार सहित लाखों लोग निवास करते हैं। इसके बावजूद इन इलाकों में पेयजल,साफ-सफाई, स्वच्छता और बिजली जैसी मूलभूत नागरिक सुविधाओं का स्थायी प्रबंध अब तक नहीं हो पाया है, जो स्थानीय जनता के लिए गंभीर समस्या बनी हुई

प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए विधायक संजीव सरदार ने आश्वासन दिया कि आगामी विधानसभा सत्र के दौरान वे इस जनहित के मुद्दे को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष प्रमुखता से उठाएंगे और सरकार स्तर पर आवश्यक पहल करने का आग्रह करेंगे।

वहीं, प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्वकर्ता किशोर यादव ने कहा कि विधायक सरदार के साथ जल्द ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर सीधे तौर पर मांग पत्र सौंपा जाएगा, ताकि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का स्थायी समाधान निकल सके। इस अवसर पर पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव, मुखिया मायावती टुडू, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, वार्ड सदस्य राजू ठाकुर, समाजसेवी विशाल सिंह,हर्ष सिंहसहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बेखौफ घूम रहा अपराधी पुलिस को चकमा देकर भागा

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः रामगढ़ थाना क्षेत्र के नई सराय चौक पर चेकिंग में पुलिस चकमा देने में एक अवेध हथियार धारी भागने में सफल रहा।

पुलिस विभाग द्वारा दि गई जानकारी के अनुसार 02/12/2025 को नई सराय स्थित ट्रॉफिक चेक पोस्ट के पास एन्टी क्राईम वाहन चेकिंग किया जा रहा था, जिसमें कई वाहनों का चेकिंग किया जा रहा था, इसी क्रम में दोपहर लगभग 13.30 एक ग्लैमर मोटर साईकिल सं0-जेएच11एस4198 पर सवार एक व्यक्ति को वाहन चेंकिग हेतू रोका गया। चेंकिग के दौरान उनसे रजि० पेपर एवं ड्राईविंग लाईसेंस की माँग की गयी तो उक्त युवक के द्वारा बोला गया कि अभी घर से लाकर देते हैं। इसी बात पर उक्त मोटर साईकिल चला रहे व्यक्ति का फोटो खीचकर उसे गाडी का पेपर लाने का समय दिया गया। काफी समय बीत जाने के बाद समय करीब 17.00 बजे तक वह व्यक्ति वापस नहीं आया संदेह होने पर उस वाहन के ईजन चेचिस नम्बर एवं रजि० नम्बर का उपलब्ध एप्प के माध्यम से चेक किया तो ईजन एवं चेचिस नम्बर तथा अंकित रजि० नम्बर सही पाया। वहाँ उपस्थित कई लोगो से गाडी के संबंध में पुछताछ किया परन्तु कोई व्यक्ति मोटरसाइकिल के दावेदार के रुप में उपस्थित नही हुए तत्पश्चात संदिग्ध प्रतीत होने पर मोटरसाईकिल का डिक्की को तोडकर जाँच किया जाँच के क्रम में ग्लैमर मोटर साईकिल सं0-जेएच11एस-4198, जिसके डिक्की से एक हरे रंग का बैग रखा पाया गया, जिसे खोलने पर उसके अन्दर से एक देशी रिवॉलवर एक जिंदा गोली एक पीस चाँदी जैसा पदार्थ का पायल बरामद हुआ जिसे विधिवत जप्त किया गया। इस संबंध में रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन पांडेय ने बताया कि जल्द ही उक्त व्यक्ति को पकड़ लिया जाएगा।

डीएवी पब्लिक स्कूल रजरप्पा में भारतीय डाक विभाग द्वारा ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः भारतीय डाक विभाग, झारखंड परिमंडल के डाक अधीक्षक आशुतोष कुमार सिन्हा के निदेर्शानुसार ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन सहायक डाक अधीक्षक रामगढ़ , नवीन कुमार अग्रवाल के संचालन में डीएवी पब्लिक स्कूल, रजरप्पा प्रोजेक्ट में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता, साहित्यिक कौशल एवं लेखन निपुणता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का संचालन सहायक डाक अधीक्षक रामगढ़ , नवीन कुमार अग्रवाल एवम डाक निरीक्षक रामगढ़ पूर्वी, आशीष कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में हुआ। उनके साथ मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव बृजनंदन कुमार, वहीं विधालय की शिक्षिका रीमा, शिक्षक उमापति कुमार, हरेन्द्र कुमार सिंह एवं खालिद सरफराज सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था एवं दिशा-निर्देशन सहायक क्षेत्रीय अधिकारीझ्रसहझ्रविद्यालय प्राचार्य डॉ. एस. के. शर्मा के नेतृत्व में किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में पत्र लेखन की नैतिक, भावनात्मक और भाषाई महत्ता पर प्रकाश डालते हुए भारतीय डाक विभाग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों में अभिव्यक्ति, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता को विकसित करती हैं।

प्राचार्य डॉ.सुजीत कुमार शर्मा ने कहा ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता विद्यार्थियों में भाषा कौशल, कल्पनाशीलता और संवेदनशील लेखन क्षमता को विकसित करने का एक प्रभावी माध्यम है। तकनीकी युग में भी पत्र लेखन भावनात्मक गहराई और अभिव्यक्ति की सहजता को बनाए रखता है। हम भारतीय डाक विभाग के इस प्रेरणादायक आयोजन के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

वहीं नवीं 'अ' की छात्रा आकांक्षा पोद्दार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि-भारतीय डाक विभाग देश की सबसे विश्वसनीय संस्थाओं में से एक है। इंडियन पोस्टल ऑर्डर ने संचार और सरकारी सेवाओं को लोगों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस प्रतियोगिता ने हमें पत्र लेखन की कला को आत्मसात करने का अवसर दिया। दूसरी ओर नवीं 'स' की छात्रा ज़िक्रा हबीब ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डिजिटल युग में भी डाक सेवाओं की उपयोगिता कम नहीं हुई है। ढाई आखर प्रतियोगिता ने यह समझाया कि पत्र भावनाओं को अभिव्यक्त करने का सबसे सुंदर और आत्मीय माध्यम है। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय में उत्साह, सृजनशीलता और साहित्यिक ऊर्जा का वातावरण बना रहा। विद्यार्थियों में पारंपरिक पत्र लेखन कला के प्रति नई जागरूकता, रुचि और उत्साह उत्पन्न हुआ। यह प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों के लिए एक सीखने योग्य अनुभव रही, बल्कि भाषा और साहित्य के प्रति उनमें नई प्रेरणा व सकारात्मक दृष्टि का संचार भी किया।

झारखंड विधानसभा अध्यक्ष ने शीतकालीन सत्र को लेकर की उच्चस्तरीय बैठक, दिया निर्देश

प्रश्नों के उत्तर समय से उपलब्ध कराएं, दीर्घा में उपस्थित रहें अधिकारीः स्पीकर

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष(स्पीकर) रबीन्द्रनाथ महतो बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में शीतकालीन सत्र को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की।
बैठक में उन्होंने आगामी सत्र के सुचारु संचालन के लिए विभागों पदाधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिया।
अध्यक्ष ने कहा कि सदस्यों के स्वीकृत अल्पसूचित एवं तारांकित प्रश्नों के उत्तर निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व शाम चार बजे तक संबंधित विभाग की ओर से निश्चित रूप से झारखंड विधानसभा सचिवालय को उपलब्ध कराया जाए।
उन्होंने कहा कि सत्रावधि के दौरान पदाधिकारी दीर्घा में वरीय पदाधिकारियों उपस्थित रहने का निर्देश दिया।
स्पीकर ने कहा कि अधिकारी सदस्यों के जरिये दिए गए शून्यकाल की सूचना पर लंबित शून्यकाल का उत्तर उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्होंने सदस्यों के स्वीकृत ध्यानाकर्षण सूचनाओं के उत्तर भी समय पर उपलब्ध कराने को कहा।
उन्होंने कहा कि जिन विधेयकों को सभा के विचार के लिए लाया जाना है, उसकी सूचना संबंधित मंत्री के पत्र और विधेयक की प्रति, सत्र में विधेयक के लिए निर्धारित तिथि से तीन दिन पूर्व झारखंड विधानसभा सचिवालय को उपलब्ध कराया जाए ताकि सदस्यों के बीच ससमय विधेयक की प्रतियों का परिचालन हो सके। यदि कोई संशोधन विधेयक लाना है, तो मूल अधिनियम (अद्यतन संशोधन सहित) की पांच प्रतियां अवश्य ही झारखंड विधानसभा सचिवालय के उपयोग के लिए उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित किया जाए।
अध्यक्ष ने कार्यपालक दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति सुरक्षा और वाहनों के आवागमन पर भी बैठक में दिशा निर्देश दिया।
बैठक में संसदीय कार्यमंत्री, मुख्य सचिव, संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी और जिला प्रशासन के अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

मनरेगा कर्मियों का मानदेय 30 फीसदी बढ़ाया जाएगाः पंचायती राज मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में झारखंड राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद की बैठक हुई। इसमें मनरेगा कर्मियों के हित, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्रामीण रोजगार सशक्तिकरण पर व्यापक चर्चा हुई। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मनरेगा कर्मियों का मानदेय तत्काल 30 फीसदी बढ़ाया जाए ताकि कार्मिकों की आर्थिक सुरक्षा और कार्य क्षमता को सुदृढ़ किया जा सके।
मंत्री ने मनरेगा कर्मियों के लिए ग्रुप इंश्योरेंस, एक्सीडेंट इंश्योरेंस के साथ-साथ लाइफ इंश्योरेंस उपलब्ध कराने के लिए एक अलग प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही कार्मिकों के ग्रेड पे को लेकर भी विभाग को प्रस्ताव शीघ्र लाने के लिए कहा।
ग्रामीण जनता को रोजगार का जो अधिकार दिया गया है, उसकी मजबूती और निरंतरता सुनिश्चित करना सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। इस बैठक में राज्यभर में मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई और आने वाले समय में इसके और सशक्त क्रियान्वयन पर रणनीति तय की गई। मंत्री ने बताया कि दीदी बाड़ी योजना के मजबूत होने से ग्रामीण महिलाओं को नई शक्ति मिली है और मनरेगा ने राज्य में रिकॉर्ड मैन-डेज निर्माण कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। केंद्र सरकार द्वारा बिना तैयारियों के लागू की गई तकनीकी प्रणाली के कारण मटेरियल पेमेंट में हो रही देरी पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने भरोसा जताया कि विभाग केंद्र सरकार के साथ सकारात्मक समन्वय में काम कर रहा है और समस्या का समाधान जल्द मिलेगा। मौके पर कई लोग मौजूद थे

संक्षिप्त खबरें

रांची के डीसी-एसएसपी ने परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का को दी श्रद्धांजलि

रांची(बिभा) : परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का की पुण्यतिथि पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री तथा वरीय पुलिस अधीक्षक, राकेश रंजन ने रांची की हृदयस्थली अल्बर्ट एक्का चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प गुच्छ अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने इस अवसर पर कहा कि परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का का सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और वीरता का परिचय देकर देश की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनका बलिदान युवाओं और देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। अल्बर्ट एक्का की वीर गाथा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए उनका योगदान अमिट है तथा देश उनकी बहादुरी को सदा सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्मरण करता रहेगा।

रांची विवि के रजिस्ट्रार को आदिवासी छात्र संघ का प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

रांची(बिभा) : राँची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार से आदिवासी छात्र संघ का एक प्रतिनिधि-मंडल मिला। प्रतिनिधिमंडल ने पी.जी. कुरुख विभाग के विभागाध्यक्ष बन्दे खलखो द्वारा विभागीय अधिकारों के दुरुपयोग, अनियमित पत्र निर्गमन तथा उच्च शिक्षा निदेशालय की आधिकारिक बैठक में अनधिकृत प्रवेश किए जाने के संबंध में गंभीर शिकायतें प्रस्तुत करते हुए लिखित ज्ञापन सौंपा।

दीपक कुमार सिंह झारखंड कुश्ती टीम में चयनित

रांची (बिभा): 11 दिसंबर से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित होने वाली सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दीपक कुमार सिंह गोड्डा-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस से रांची से रवाना हुए। रांची पहुंचने के बाद वे प्रतियोगिता पूर्व निर्धारित प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे। इसके उपरांत वे 9 दिसंबर को झारखंड टीम के साथ अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) की राष्ट्रीय बैठक में झारखंड अध्यक्ष शिव उरांव हुए शामिल

रांची(बिभा)। नई दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं देशभर के सभी प्रदेश अध्यक्षों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में झारखंड प्रदेश अध्यक्ष शिव उरांव भी शामिल हुए। बैठक में संगठन को मजबूत करने, पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुँचाने और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष शिव उरांव ने अवसर मिलने पर राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले से विस्तृत वार्ता की। उन्होंने झारखंड में संगठन विस्तार, सामाजिक न्याय के मुद्दों और गरीब एवं वंचित वर्गों तक पार्टी की पहुँच को लेकर कई सुझाव भी दिए। शिव उराँव ने बताया की राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने बैठक में घोषणा करते हुए कहा कि पार्टी 20 जनवरी 2026 को एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में वे स्वयं झारखंड पहुंचकर रैली को गति देंगे और प्रदेश के कार्यकताओं के साथ विशेष बैठक करेंगे।

अभाकाम ने राजेन्द्र बाबू को किया याद

रांची(बिभा)। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की जयंती के अवसर पर डोरंडा स्थित राजेन्द्र चौक पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (अभाकाम) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महासभा के अध्यक्ष डॉ सी बी सहाय ने डॉ प्रसाद की जीवनी व उपलब्धियों के बारे में बताया। साथ ही हमें भी उनके दिखाये रास्तों पर चलने की सलाह दी। इस दौरान डॉ प्रसाद की मूर्ति पर फूल - माला चढाई गई। साथ ही 151 दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, महासभा के महामंत्री सुशील कुमार लाल, ए के लाल, राजेश कुमार, सदन सिन्हा, उमा सिन्हा, प्रीति सिन्हा, सत्या सिन्हा, स्मिता, ज्योति, ऐश्वर्य, रोहित श्रीवास्तव समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नागालैंड और असम का स्थापना दिवस लोक भवन में संयुक्त रूप से मनाया गया

हमारा देश पूरे विश्व में 'अनेकता में एकता' का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैः राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची। भारत विविधता में एकता का अनोखा उदाहरण है, जहां अलग-अलग भाषा, संस्कृति, परंपरा और जीवनझशैली के बावजूद सभी एक भावना के साथ जुड़े हैं। यह बातें झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को लोक भवन में आयोजित नागालैंड और असम राज्य स्थापना दिवस समारोह में कही।
उन्होंने बताया कि नागालैंड का स्थापना दिवस 1 दिसंबर और असम का स्थापना दिवस 2 दिसंबर को था, किंतु उनके राज्य से बाहर रहने के कारण कार्यक्रम निर्धारित तिथि को आयोजित नहीं किया जा सका। इसलिए दोनों राज्यों का स्थापना दिवस संयुक्त रूप से लोक भवन में मनाया जा रहा है।
राज्यपाल ने झारखंड में रह रहे नागालैंड और असम के लोगों की सराहना की और कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि ये दोनों राज्य पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और कला का प्रतिबिंब हैं।
पूर्वोत्तर भारत के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां की जैव-विविधता, पारंपरिक ज्ञान, जनजातीय संस्कृति, संगीत, हस्तशिल्प और पर्यटन की अपार संभावनाएं देश की शान हैं।
असम की संस्कृति का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि लाल नदी और नीली पहाड़ियों की भूमि असम, अपनी लोककला, साहित्य, संगीत और इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। कामाख्या मंदिर, ब्रह्मपुत्र नदी, बिहू नृत्य और चाय बागान इसकी विशिष्ट पहचान हैं।
नागालैंड को त्योहारों की भूमि बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां का पारंपरिक संगीत, परिधान, हस्तशिल्प और प्रसिद्ध हॉर्नबिल महोत्सव राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और गौरव का प्रतीक है।
इस दौरान राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान की सराहना की और कहा कि इस पहल ने देश के अलग-अलग राज्यों के बीच सांस्कृतिक संवाद और समझ को मजबूत किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा सभी राजभवनों का नाम लोक भवन रखे जाने के निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया।
कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल ने कामना की कि नागालैंड और असम निरंतर प्रगति करें और उनकी सांस्कृतिक पहचान विश्व स्तर पर और मजबूत हो। साथ ही उन्होंने एकता, सद्भाव और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

खतियान व छात्रों के मांग को लेकर आंदोलन तय : देवेंद्र नाथ महतो

विधायक जयराम महतो पदयात्रा को हरी झंडी से करेंगे विदा।

06 दिवसीय पदयात्रा सह एक दिवसीय विधानसभा समक्ष धरना प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची : राज्य में शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रही है। 5 दिसंबर से शुरू होकर 11 दिसंबर का चलेगी। विभिन्न जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर बहस होगा। इस दौरान 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' ने सदन के बाहर राज्यव्यापी आंदोलन करने का एलान कर दिया है। खतियान एवं छात्रों के विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन करेंगे। इसके तहत 06 दिवसीय पदयात्रा एवं एक दिवसीय विधानसभा समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। 04 दिसंबर को विधायक जयराम कुमार महतो डुमरी में हरि झंडी के साथ पदयात्रा को राजधानी के लिए विदा करेंगे। यह पदयात्रा अपने निर्धारित रुट बोकारो, हजारीबाग,रामगढ़ होते हुए (09 दिसम्बर को) राजधानी रांची प्रवेश करेंगे। एवं (मंगलवार को) विधानसभा के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने आज (बुधवार) सामूहिक मीडिया कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा की झारखंड सरकार के मुख्य सचिव , पुलिस निदेशक, एवं निर्धारित पदयात्रा रुट के सभी उपायुक्त को आंदोलन की सूचनार्थ प्रदान कर दिया गया है। खतियान के मांग को लेकर हमारा संगठन कटिबद्ध है। सरकार के प्रति छात्रों में भारी नाराजगी है। सरकार छात्रों के मांगों को लेकर लगातार नजर अंदाज कर रही है।

दक्षिण छोटानागपुर के आयुक्त की अध्यक्षता में एयरपोर्ट एनवायरनमेंट मैनेजमेंट कमेटी की हुई बैठक

बिभा संवाददाता

रांची : बिरसा मुंडा एयरपोर्ट मंगलवार को एयरपोर्ट एनवायरनमेंट मैनेजमेंट कमेटी की बैठक दक्षिण छोटानागपुर के आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में एयरपोर्ट के आसपास पर्यावरण प्रबंधन, स्वच्छता, सुरक्षा तथा अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की गई। इसमें धुर्वा, डोरंडा, लटमा रोड और हटिया स्टेशन क्षेत्र में अवैध मांस/मछली बिक्री, आसपास रेस्तरां व फूड वैन द्वारा कचरे के अनुचित निपटान, धुर्वा सेक्टर-2 में स्लॉटर हाउस के पास खुले नाले को ढकने की आवश्यकता, तथा एयरपोर्ट के आसपास भटकते कुत्तों से सुरक्षा जोखिम जैसे विषय प्रमुख रहे। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि मोबाइल टावरों, ऊँची इमारतों और जल टावरों पर एविएशन ऑब्स्ट्रक्शन लाइट्स की स्थापना और मेंटेनेंस सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा संबंधित कंपनियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।
बैठक में बिरसा चौक के पास रनवे 13 एक्सेस सरफेस के अंतर्गत बिना आवश्यक एनओसी के हो रहे निर्माण कार्यों पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। ड्रोन संचालन के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से पूर्व अनुमति अनिवार्य करने, तथा मोबाइल टावर/इमारतों से संबंधित अनुमति एवं अनुपालनों को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। समिति ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया कि एयरपोर्ट क्षेत्र के सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण के लिए निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

सीसीएल में नए लेबर कोड्स पर दो दिवसीय जागरूकता सत्र आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची : नए लेबर कोड्स के व्यापक प्रसार और संगठन में उनके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा 21 नवंबर से लागू नए लेबर कोड्स पर दो दिवसीय जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 3 दिसंबर को एमटीसी, एचआरडी में प्रारंभ और 4 दिसंबर 2025 तक जारी रहेगा।
सत्र का शुभारंभ महाप्रबंधक एम.एफ. हक के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने मुख्य वक्ता डॉ. ओंकार शर्मा, हर्ष नाथ मिश्र तथा सभी प्रतिभागियों का अभिनंदन किया और कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए सफल आयोजन की शुभकामनाएँ दीं।
समारोह को संबोधित करते हुए एच.एन. मिश्र, निदेशक (एचआर) ने कहा कि नए लेबर कोड्स देश की श्रम व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और कर्मचारी-हितैषी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होंगे। उन्होंने डॉ. शर्मा के योगदान की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि श्रम संहिताओं की ड्राफ्ट समिति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिससे कर्मियों को प्रावधानों को प्रामाणिक स्रोत से समझने का अवसर मिलेगा ।
मुख्य सत्र में डॉ. ओंकार शर्मा ने चारों श्रम संहिताओं को सरल समाचार शैली में, व्यावहारिक उदाहरणों और आसान भाषा में समझाया, ताकि कर्मी उनके कानूनी और प्रक्रियागत पक्ष को सहजता से आत्मसात कर सकें। उनका व्याख्यान संवादात्मक, तथ्य-प्रधान और रोचक रहा, जिसमें प्रतिभागियों नें सराहा ।
कार्यक्रम में कुल 120 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही, जिनमें मुख्यालय के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष, सभी एसओ (एचआर), क्षेत्रों एवं मुख्यालय के मानव संसाधन अधिकारी शामिल रहे। प्रतिभागियों ने सत्र को ज्ञानवर्धक और कार्य-प्रणाली में तात्कालिक उपयोग के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रशिक्षण के बाद वे नए श्रम कानूनों की भावना और अनुपालन प्रक्रिया को बेहतर तरीके से लागू कर पाएंगे। कार्यक्रम के पहले दिन का समापन प्रश्नोत्तर और अनुभव साझा सत्र के साथ हुआ, जहां अधिकारियों ने वक्ता की सरल, तर्कसंगत और व्यावहारिक प्रस्तुति की मुक्त कंठ से सराहना की। सीसीएल द्वारा आगे भी इस प्रकार के जागरूकता एवं क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि सभी अधिकारी और कर्मचारी बदलते श्रम ढांचे के साथ तालमेल रखते हुए बेहतर कार्य संस्कृति सुनिश्चित कर सकें।

रांची में झारखंड आंदोलनकारियों का सम्मान, 3,000 से अधिक को मिला प्रमाण-पत्र

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के निर्देश पर बुधवार को राजधानी रांची स्थित मोरहाबादी के आर्यभट्ट सभागार में झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 3,000 से अधिक अधिसूचित झारखंड आंदोलनकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।
कार्यक्रम में रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने कुछ चयनित आंदोलनकारियों को सांकेतिक रूप से प्रमाण-पत्र सौंपे। अधिकारियों ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के दृढ़ संघर्ष और त्याग की बदौलत राज्य का अस्तित्व संभव हो सका है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार आंदोलनकारियों के सम्मान और सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है।
उपायुक्त भजंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आंदोलनकारियों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने उम्मीद जताई कि आंदोलनकारी आगे भी राज्य के विकास और सामाजिक जागरूकता में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे।
इस अवसर पर अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार और कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड शराब व्यापारी संघ ने राज्य के शराब व्यापारियों की बढ़ती समस्याओं को लेकर चिंता व्यक्त किया

बिभा संवाददाताा

रांची : झारखंड शराब व्यापारी संघ राज्य के शराब व्यापारियों की लगातार बढ़ती समस्याओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त किया है। संघ का कहना है कि प्रदेश में वर्तमान स्थिति अत्यंत कठिन होती जा रही है।
झारखंड शराब व्यापरी संघ के महासचिव सुबोध कुमार जायसवाल ने कहा कि पड़ोसी राज्यों में शराब के मूल्य झारखंड की तुलना में काफी कम हैं, जिसके कारण ग्राहक वैकल्पिक बाजारों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इस मूल्य-अंतर की वजह से झारखंड में शराब बिक्री प्रभावित हो रही है और व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। झारखंड में शराब के ऊँचे मूल्य और कोटा समय पर न बिक पाने के कारण व्यापारी प्रतिष्ठान भारी दबाव में काम कर रहे हैं। कई दुकानों की बिक्री लागत से भी कम स्तर पर पहुँच गई है, जिससे व्यापारियों के लिए दुकान चलाना अत्यंत कठिन हो गया है।
व्यापारियों को अपने घर से राजस्व जमा करने जैसी परिस्थिति बन चुकी है, जबकि विभाग की ओर से किसी भी तरह का सहयोग उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। यह स्थिति न केवल व्यापारियों के हितों को चोट पहुँचा रही है, बल्कि राज्य के राजस्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है।
संघ का कहना है कि यदि स्थितियाँ जल्द नहीं सुधरीं, तो आगामी वित्तीय वर्ष में लगभग 40% शराब दुकानों का नवीनीकरण संभव नहीं हो पाएगा। इससे बड़ी संख्या में रोजगार पर भी संकट पैदा होगा।
स्थितियों की गंभीरता को देखते हुए संघ जल्द ही राज्यस्तरीय बैठक रांची में बुलाने जा रहा है, जिसमें शराब व्यापारियों की समस्याओं, समाधान और आगे की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। झारखंड शराब व्यापारी संघ राज्य सरकार से आग्रह करता है कि मूल्य अंतर कम करने पर विचार किया जाए, विभागीय सहायता सुनिश्चित की जाए, और व्यापार को स्थिर बनाने के लिए त्वरित एवं व्यावहारिक कदम उठाए जाएँ।

पूर्व रेलवे
सं.: ओ/एसी/टी/116-118/25-26 (ओपन), दिनांक 03.12.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, केस सं.:** ओ-एसी-टी-116-25-26; **कार्य का नामः** मधुपुर-गिरिडीह अनुभाग में कृष्ण बल्लभ सहाय हॉल्ट स्टेशन एवं महेशमुंडा स्टेशन के बीच सिजुआ में नए हॉल्ट स्टेशन हेतु खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 1,83,12,841.65। **बयाना राशिः** रु. 2,41,600; **कार्य हेतु समापन अवधिः** 12 महीने। **क्रमांक 2, केस सं.:** ओ-एसी-टी-117-25-26; **कार्य का नामः** सीनि. डीईएन/1/आसनसोल के अधीन एईएन/एचक्यू/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में आसनसोल में ऑफिसर्स कॉलोनी के दखल में बदलाव के लिए मरम्मत तथा नवीनीकरण हेतु खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 69,86,491.78। **बयाना राशिः** रु. 1,39,700; **कार्य हेतु समापन अवधिः** 09 महीने। **क्रमांक 3, केस सं.:** ओ-एसी-टी-118-25-26; **कार्य का नामः** सीनि. डीईएन/1/आसनसोल के अधीन एईएन/एचक्यू/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में आसनसोल रेलवे कॉलोनी में पैदल मार्ग के प्रावधान के साथ ट्रैफिक कॉलोनी रोड में सुधार हेतु खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 80,83,485.56। **बयाना राशिः** रु. 1,61,700; **कार्य हेतु समापन अवधिः** 06 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय :** प्रत्येक के लिए 29.12.2025 को 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-264/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

बोकारो सेक्टर 4 सिटी सेंटर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दूसरे दिन भारी विरोध-प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर 4 सिटी सेंटर में मंगलवार से शुरू हुआ अतिक्रमण हटाओ अभियान बुधवार को दूसरे दिन विरोध के बीच चरम पर पहुँच गया। बीएसएल प्रबंधन की ओर से मंगलवार को लगभग 400 अवैध फुटपाथ दुकानों को बुलडोजर से तोड़े जाने के बाद बुधवार को उन स्थानों पर तार से फेंसिंग का कार्य शुरू किया गया, जिससे स्थानीय दुकानदार और व्यापारी सड़क पर उतर आए और धरना-प्रदर्शन कर सड़क जाम कर दिया।प्रदर्शनकारियों ने बीएसएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और फेंसिंग कार्य तुरंत रोकने की मांग की। उनका आरोप है कि बिना किसी वैकल्पिक

व्यवस्था या पूर्व सूचना के दुकानों को तोड़ा गया है, जिससे उनके परिवार का रोजगार खतरे में पड़ गया है। दुकानदारों का कहना है कि वे सालों से फुटपाथ पर अपनी दुकानें लगा कर जीवन-यापन कर रहे हैं और यह कार्रवाई उनके लिए अत्यंत कष्टकारी है।प्रदर्शन की सूचना मिलने पर प्रशासन और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान अगले दिनों भी जारी रहेगा ताकि

शहर को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाया जा सके। बीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये कार्रवाई बोकारो स्टील शहर की संपदा न्यायालय के आदेशों के तहत की जा रही है और यदि कोई असंतुष्ट है तो वह उच्च अधिकारियों या न्यायालय का रुख कर सकता है।हालांकि दुकानदारों ने हाईकोर्ट के आदेश की कॉपी प्रशासन को सौंप दी है और फिलहाल अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया को रोकने की मांग की है। उनका कहना है कि वे 35 वर्षों से इसी फुटपाथ पर अपनी दुकानें चला रहे हैं और इस कार्रवाई से उनके रोजगार पर बड़ा संकट उत्पन्न हो गया है।स्थिति फिलहाल तनावपूर्ण बनी हुई है, प्रशासन वार्ता के जरिए समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है, लेकिन दुकानदारों का रोष कम होने का नाम नहीं ले रहा। प्रशासन ने फिर से स्पष्ट किया है कि शहर के सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के लिए यह अभियान अनिवार्य है और इसे बिना किसी अपवाद के पूरा किया जाएगा।बोकारो स्टील क्षेत्र में यह अभियान आगामी दिनों में भी पूरे जोरों से चलता रहेगा और प्रशासन ने दुकानदारों से संयम बनाए रखने का आग्रह किया है।

बोकारो में अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, तीन अपराधी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो: पुलिस ने बुधवार को गांधी नगर ओपी क्षेत्र में एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह टोलियों में चोरी की बाइक का प्रयोग कर बैंक और ज्वेलरी दुकानों की रेकी कर रहा था।गिरफ्तार आरोपी ओडिशा और आंध्र प्रदेश के निवासी हैं। इनमें सुनील दास (33), जो जाजपुर से है, कोबड़ी गोपाल (22) और अउला आलोक राव (21) शामिल हैं। यह तीनों गुरुवार को जारंगडीह के पास चेकिंग के दौरान पकड़े गए। पुलिस ने उनके पास से चार मोबाइल, पांच फर्जी नंबर प्लेट, दो मोटरसाइकिल और नट खोलनेवाला पाना भी बरामद किया है।प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने चोरी की बाइक का इस्तेमाल कर रेलवे स्टेशन, बैंक और ज्वेलरी दुकानों की रेकी की थी। उन्होंने 26 नवंबर को जरीडीह बाजार में हुई ज्वेलर्स की छिनतई की घटना को भी स्वीकार किया है।अभी तक की जांच में पता चला है कि इन आरोपियों के खिलाफ कई जिलों में पहले से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।पुलिस टीम में एसआई धनंजय कुमार सिंह, थाना प्रभारी गॉधीनगर ओपी, एसआई बिल्फ्रेड लकड़ा, एसआई लक्ष्मण यादव और सशस्त्र बल शामिल रहे।यह गिरफ्तारी बोकारो में बढ़ रहे अपराधों पर लगाम लगाने की दिशा में एक सशक्त कदम माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के तेलीडीह मोड़ के पास कल भट्ट के नीचे संदिग्ध हालत में मिला शव

बोकारो (बिभा): थाना क्षेत्र के तेलीडीह मोड़ के नजदीक कल भट्ट के नीचे एक लापता व्यक्ति का शव स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने बरामद किया है। मृतक संटू नायक बताया गया है, जो पुपुनकी गांव का निवासी था।सूचना के अनुसार, संटू नायक कल दोपहर लगभग चार बजे से लापता था। परिजनों ने चास मुफस्सिल पुलिस थाना में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मृतक बीमार भी था, जिसके चलते लोगों में उसकी चिंता व्याप्त थी।पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। पुलिस अभी तक मृतक के मृत्यु के कारणों का खुलासा नहीं कर सकी है, लेकिन आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ जारी है।थाना प्रभारी ने बताया कि जल्द ही सभी पहलुओं की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण और परिजन मामले में सतर्क हैं और न्याय की उम्मीद लगाए हुए हैं।

बोकारो सेक्टर-12ए में बड़ी चोरी, 20 लाख के गहने चोरी होने से मोहल्ले में दहशत

बोकारो(बिभा)। सेक्टर-12ए स्थित आवास संख्या 1241 में मंगलवार रात को देर रात हुई चोरी ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। खुफिया जानकारी के अनुसार, चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर घुसते

ही करीब 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात व कीमती वस्तुएं चुराकर फरार हो गये।जानकारी के मुताबिक, घर के गृहस्वामी ज्ञान शंकर रजक, जो बीएसएल से प्रतिनियुक्ति से सेवानिवृत्त हैं, अपने परिवार के साथ रविवार को अपने बेटी के घर टाटानगर गए थे। घर की सुरक्षा की दृष्टि से पड़ोसी संजय कुमार और अंजली कुमारी को चाबी दी गई थी। पड़ोसी संजय कुमार का कहना है कि वे दो रातों से घर में मौजूद थे, लेकिन बुधवार सुबह घर के ताले टूटे पाए गये।अंजली कुमारी ने आरोप लगाया कि ताला टूटा हुआ था और घर का सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने तुरंत ही इसकी जानकारी घर के मालिक और पुलिस को दी। जांच के दौरान पता चला है कि अलमारी से कीमती गहने, जिनकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी जा रही है, चोरी हो चुकी है।पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। मोहल्लेवासी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिन्तित हैं और क्षेत्रीय पुलिस से रात्री गश्त एवं सुरक्षात्मक कदम तेज करने की मांग कर रहे हैं।यह घटना नगर में बढ़ते अपराधों की बढ़ती प्रवृत्ति को दशार्ती है, और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने की मांग तेज हो गई है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है, साथ ही संदिग्धों की तलाश में संभावित कार्रवाई की जा रही है।बोकारो के निवासियों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है, और सभी ने जिला प्रशासन से त्वरित कार्यवाही की आशा जताई है।

स्टेट बैंक में नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

बोकारो(बिभा) : भारतीय स्टेट बैंक द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में पहल करते हुए सेक्टर 4 शाखा में जांच शिविर का आयोजन किया गया। ऑरकिड हॉस्पिटल रांची के संयुक्त तत्वाधान में कर्मचारियों, पेंशनर एवं ग्राहकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ भारतीय स्टेट बैंक बोकारो रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अभिषेक कुमार सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों की टीम ने आगंतुकों की ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, बीएमआई, हीमोग्लोबिन आदि सामान्य स्वास्थ्य परीक्षणों की जांच की। साथ ही नेत्र परीक्षण शिविर भी आयोजित की गई। शिविर में बैंक के कर्मचारियों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र के नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। चिकित्सक टीम द्वारा सीपीआर डेमो प्रदर्शित कर लोगों को कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में आकस्मिक उपचार व जीवन रक्षण पद्धति का सविस्तार व्याख्यान किया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सिन्हा ने बताया कि बैंक समय-समय पर ऐसे सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। यह स्वास्थ्य जागरूकता के साथ लोगों को जीवन शैली में सुधार के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

बोकारो में 'बाल विवाह मुक्त भारत' की गूंज: गोमिया में कार्यशाला आयोजित, मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने दिया एकजुटता का संदेश

बाल विवाह कानूनन अपराध, हमें मिलकर इसे रोकने की जरूरत है: मंत्री

बिभा संवाददाता

गोमिया/बोकारो: बोकारो जिला प्रशासन द्वारा गोमिया प्रखंड मुख्यालय में ₹बाल विवाह मुक्त भारत₹ कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समाज में गहरे जड़ें जमा चुके बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने के लिए जन जागरूकता फैलाना और विभिन्न हितधारकों को एकजुट करना था।

इस महत्वपूर्ण पहल में झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने मुख्य रूप से भाग लिया। उनके साथ बोकारो उपविकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजुमदार, समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, गोमिया प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव महतो, गोमिया अंचल अधिकारी अफताब आलम, गोमिया मुखिया संघ अध्यक्ष तेजलाल महतो, खमरा पंचायत मुखिया वंटी उरांव, डाक्टर जितेन्द्र महतो, तथा सहयोगिनी और जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के प्रतिनिधि अनिल कुमार

हेंब्रम, विकाश गोस्वामी, प्रकाश कुमार महतो, और आवा के अमर कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए झारखंड सरकार के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बाल विवाह के गंभीर परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, बाल विवाह कानूनन अपराध है। हमें मिलकर इसे रोकने की जरूरत है। उन्होंने बोकारो जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन' और 'सहयोगिनी' द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के प्रति जन-जागरूकता का विस्तार करना तथा समाज में बाल विवाह के प्रति शून्य सहनशीलता की मानसिकता विकसित करना था। मंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी के सामूहिक प्रयास और ईमानदार पहल से गोमिया प्रखंड शत-प्रतिशत बाल विवाह मुक्त बनेगा। आज बेटियाँ वरदान बनकर परिवार के साथ-साथ समाज की भी सेवा कर रही हैं। समाज में बाल विवाह को बढ़ावा देने वाले प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष किसी भी रूप से जुड़े लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। बाल विवाह समाज के लिए अभिशाप है। हम सभी इसे खत्म करने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं लोगों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता फैलाकर इस अभियान को एक मजबूत जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करें, ताकि बेटियां सुरक्षित, शिक्षित और सक्षम भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने बाल विवाह उन्मूलन की शपथ ली। इस दौरान बाल विवाह रोकने की दिशा में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए।

बोकारो उपविकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजुमदार ने बाल विवाह को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ₹बाल विवाह का अंत सभी स्टेकहोल्डर (हितधारक) के प्रयास से ही संभव है।

यह कार्यशाला बाल विवाह के खिलाफ बोकारो जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। सभी पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकताओं ने एक सुर में बाल विवाह के खिलाफ लड़ने और जिले को जल्द से जल्द 'बाल विवाह मुक्त' बनाने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम स्थानीय प्रशासन, राजनीतिक नेतृत्व और सामाजिक संगठनों के बीच सकारात्मक समन्वय स्थापित करने के लिए आयोजित किया गया।

बीएसएल ने दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को दिए सहायक उपकरण

बिभा संवाददाता

बोकारो: बीएसएल के सीएसआर विभाग की पहल में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण वितरित किए गए। यह कार्यक्रम बुधवार को वृद्ध सेवा आश्रम, चास, बोकारो में आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय कृत्रिम अंग निगम (एलिम्को) के सहयोग से कुल 77 सहायक उपकरण वितरित किए गए।वृद्ध सेवा आश्रम के वरिष्ठ नागरिकों को 9 फोल्डिंग व्हीलचेयर, 9 कमोड वाली कुर्सी, 7 वॉकिंग स्टिक, 9 लिम्बो सेक्रल बेल्ट और 18 घुटने के ब्रेस जैसे उपकरण दिए गए। बीएसएल के सीएसआर विभाग के महाप्रबंधक श्री पी पी चक्रबर्ती, एलिम्को के श्री अविनाश कुमार और वृद्ध सेवा आश्रम के प्रभारी श्री रुपेश जी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।कार्यक्रम में अपने संबोधन में श्री पी पी चक्रबर्ती ने कहा कि यह प्रयास दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को सरल बनाने और उन्हें समाज के मुख्यधारा में जोड़ने की बीएसएल की प्रतिबद्धता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि बीएसएल हमेशा सामाजिक उत्थान और भारत के बाकी हिस्सों के लिए सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर रहेगा।यह वितरण कार्यक्रम बीएसएल के सामाजिक दायित्व और संवेदनशीलता का उदाहरण है, जो समाज के कमजोर वर्गों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

बोकारो वन प्रमंडल की बड़ी कार्रवाई: लुगू पहाड़ क्षेत्र से अवैध लकड़ी जब्त, पांच गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो। लुगू पहाड़ के तेनुघाट रेंज स्थित जंगलों में अवैध लकड़ी कटाई के आरोप में वन विभाग और गोमिया थाना पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर बड़ी सफलता हासिल की है। 2 दिसंबर की शाम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में लगभग 49 पीस अवैध लकड़ी जब्त की गई, जबकि इस गैरकानूनी काम में लिप्त पांच आरोपियों को पकड़ा गया है।जानकारी के अनुसार, बोकारो वन प्रमंडल की टीम ने गोमिया थाना पुलिस के साथ मिलकर किए गए अभियान में तीन मोटरसाइकिलें भी जब्त कीं, जिनका उपयोग अवैध लकड़ी ढुलाई में किया जा रहा था। इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों के नाम विकास कुमार प्रजापति

(तुलबुल), राहुल प्रजापति, अजय प्रजापति, छोटेलाल प्रजापति और बच्छन देव प्रजापति बताए गए हैं।इस छापेमारी दल में गोमिया थाना प्रभारी रवी कुमार, वन क्षेत्र प्रभारी वनपाल अजीत कुमार मुर्मू, वनरक्षी विकास कुमार महतो, दुर्गा हेंब्राम, नहरू प्रजापति और बब्रीनाथ प्रजापति सहित अन्य पुलिस एवं वनकर्मी शामिल थे।वन विभाग ने इस कार्रवाई को अवैध कटान और तस्करी के विरुद्ध ह्यजीरो टॉलरेंसह्ण नीति के तहत महत्वपूर्ण कदम बताया है। विभाग ने कहा है कि क्षेत्र में गश्ती को और सख्त किया जाएगा, ताकि ऐसे अवैध कार्यों पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके और वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित हो।यह कार्रवाई स्थानीय पर्यावरण संरक्षण और वन सुरक्षा के लिए एक सकारात्मक पहल के रूप में देखी जा रही है। वन विभाग ने आम जनता से भी सहयोग की अपील की है ताकि वन्य क्षेत्र सुरक्षित रह सके।

मजदूर आक्रोशित बड़े आन्दोलन के लिए है तैयार:बी के चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो : जान की हिफाजत और अधिकार के लिए जय झारखंड मजदूर समाज की योर से बोकारो स्टील मे चलाए जा रहे जनजागरण कार्यक्रम के तहत आज सातवें दिन कोक ओवेन एन्ड कोक केमिकल बिभाग के बैट्री नम्बर 3 और 4के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के उपस्थिति मे सेकडो इस्पातकर्मी और ठेकाकमीर्यो ने गगनभेदी प्रबंधन बिरोधी नारे के माध्यम से अपनी बेदना बताने का काम किया ।कार्यक्रम का अध्यक्षता युनियन के उपाध्यक्ष सी के एस मुण्डा ने किया जबकि संचालन संयुक्त महामंत्री अनिल कुमार ने करते हुए कहा कि अब मजदूर अपने हक अधिकार के प्रति सजग हो चूका है इसलिए अन्य बिभागों के तरह कोक ओवेन

के कर्मचारियों मे जय झारखंड मजदूर समाज पर अटूट विश्वास है इसलिए युनियन आन्दोलन जो भी रूप रेखा का घोषणा करेगी यहाँ का मजदूर भी बढ़चढ़ कर आन्दोलन मे भाग लेगा । युनियन के महामंत्री बि के चौधरी ने कहा कि मजदूरों के बढे हुए आक्रोश को देखते हुए उनके मांगो पर सकारात्मक पहल करनी चाहिए। बर्तमान प्रबंधन के नेतृत्व मे उत्पादन मे लग रहे उछाल और छलांग के बीच हमारी युनियन भी नही चाहती कि झारखंड स्थित प्लांट को बड़ा नुकसान हो लेकिन मरता क्या नही करता इस बात को प्रबंधन को भी सोचना पड़ेगा । बर्षों से लटके 39 महिने का एरियर, इन्सेंटिव रिवार्ड स्कीम मे बदलाव,उच्चतम गुणवत्तायुक्त सेफ्टी उपकरण, सेफ्टी बिभाग द्वारा प्रतिदिन हर बिभाग मे मजदूरों के बीच जाकर उनका हालचाल पुछना,यू एस डब्लू को मोटर साइकिल गेट पास ,एस डब्लू का जबतक ई एस आई से ईलाज शुरू नही हो जाता तबतक बी जी एच मे ईलाज, खून पसीने से कमाई गये बेतन मे से ठेकेदार को पैसा वापस नही करने,बहुत ज्यादा नही तो मिल रहे कुछ ठेकाकमीर्यो की तरह साइकिल भत्ता,केन्टीन भत्ता ,रात्री पाली भत्ता तो मिलना चाहिये ।

चास रोटरी क्लब ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए किया रक्तदान शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। रोटरी क्लब ऑफ चास ने इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, ब्लड सेंटर में बुधवार को रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। रक्तदान अभियान का नेतृत्व 'ब्लडमैन' के नाम से विख्यात रोटेरियन हरबंश सिंह सलूजा ने किया, जिन्होंने 56वीं बार रक्तदान कर इस इंसानी सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। कुल 30 रक्तदाताओं ने इस शिविर में हिस्सा लिया, जिसमें मुख्य रूप से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्त एकत्रित किया गया।रोटेरियन मुन्ना सिंह ने बताया कि चास रोटरी क्लब सदैव से रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहा है और भविष्य में भी यह सेवा तत्परता से जारी रहेगी। वहीं, क्लब की अध्यक्षा रोटेरियन डिंपल कौर ने कहा, ₹बचाव

ही सेवा है, और सेहत ही उम्मीद।₹ उनका कहना था कि दिसंबर महीना रोटरी का बीमारी से बचाव और इलाज का महीना है, जिसके तहत जिले के सभी रोटरी क्लब स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभियान, हेल्थ कैंप, ब्लड डोनेशन कैंप, स्क्रीनिंग प्रोग्राम तथा स्वच्छता जागरूकता सत्र जैसे कार्यक्रम करेंगे।शिविर की शुरूआत पास्ट प्रेसिडेंट श्री बिनोद चोपड़ा ने अपने दुर्लभ रक्त समूह ओ नेगेटिव का रक्तदान कर की। इसके बाद रोटेरियन हरबंश सिंह सलूजा ने अपना 56वां, रो. चनप्रीत सिंह ने 46वां, रो. तनवीर सिंह ने 37वां, प्रवीण कुमार ने 31वां, सौरव चौहान ने 30वां तथा निकेश सिंह ने 22वां रक्तदान कर सेवा का संदेश दिया। अन्य सभी रक्तदाताओं ने भी पूर्ण उत्साह के साथ रक्तदान किया।कार्यक्रम में रोटेरियन माधुरी सिंह, रविंदर कौर (सुम्मी), रोटेरियन रविंदर मंड, कुमार अमरदीप, सच्चिदानंद प्रसाद, मुन्ना, मोहित और अविनाश सहित कई सदस्य उपस्थित थे। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, ब्लड सेंटर बोकारो की चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मैथिली ठाकुर ने चास रोटरी क्लब की सराहना करते हुए रक्तदान के इस प्रयास को अत्यंत आवश्यक बताया और विशेष रूप से ब्लडमैन सलूजा को उनका 56वां रक्तदान पूर्ण करने पर बधाई दी।अंत में, हरबंश सिंह सलूजा ने सभी रक्तदाताओं का धन्यवाद करते हुए आगामी कल्याणकारी पहलों के लिए शुभकामनाएं दीं।इस रक्तदान शिविर ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए जीवनदायिनी रक्त की पूर्ति के अलावा समाज में सेवा और मानवता की मिसाल कायम की है। चास रोटरी क्लब ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का कार्य करता रहेगा।

तालगड़िया में नव नियुक्त थाना प्रभारी का स्वागत

बिभा संवाददाता

बोकारो : सियालजोरी थाना में नव पदस्थापित थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद यादव का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी यादव का पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया गया और उन्हें थाना क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया गया।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने थाना प्रभारी को क्षेत्र की समस्याओं, खासकर कानून-व्यवस्था से जुड़ी पहलुओं पर जानकारी दी। नव पदस्थापित प्रभारी रंजीत प्रसाद यादव ने आश्वस्त किया कि नियमों के अनुसार दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और कानून उल्लंघनों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।स्वागत समारोह में

बजरंग दल के जिला संयोजक राकेश मोदक, श्रीराम कृष्ण कमिटी अध्यक्ष गणेश बाउरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। उन्होंने थाना प्रभारी के कार्यों के प्रति पूर्ण सहयोग की बात कही तथा क्षेत्र में शांति व सुरक्षा बनाए रखने पर जोर दिया।इस कदम से स्थानीय जनता में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है और उम्मीद जताई जा रही है कि रंजीत प्रसाद यादव के नेतृत्व में सियालजोरी थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत होगी।

आईआईटी (आईएसएम) के शताब्दी स्थापना सप्ताह का भव्य शुभारंभ, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने कहा

यह संस्थान देश की प्रगति का मजबूत स्तंभ

बिभा संवाददाता

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में बुधवार को शताब्दी स्थापना सप्ताह का आगाज बेहद गरिमापूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने संस्थान के 100 वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम) पिछले एक सदी से राष्ट्र निर्माण, खनन प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन विकास में अहम योगदान देता आया है और आने वाले दशकों में भी इसकी भूमिका और बढ़ेगी।

कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। सत्र का संचालन प्रो. रजनी सिंह, डीन (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) ने किया, जिनकी एंकरिंग की मुख्य अतिथि ने विशेष सराहना की। समारोह में विभिन्न वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, राजनयिकों, उद्योग विशेषज्ञों, पूर्व छात्र-छात्राओं और मौजूदा विद्यार्थियों की बड़ी संख्या मौजूद रही।

आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने स्वागत भाषण में कहा कि शताब्दी केवल उत्सव नहीं, बल्कि संस्थान की जिम्मेदारियों का एक नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि संस्थान आने वाले समय में माइनिंग 4.0, डिजिटल टेक्नोलॉजी, क्लीन एनर्जी, सस्टेनेबिलिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्रिटिकल मिनरल रिसर्च जैसे क्षेत्रों में देश का नेतृत्व करेगा।

एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी , जिन्हें समारोह में सम्मानित किया गया, ने कहा कि आईआईटी (आईएसएम) का 100 वर्ष का सफर देश के तकनीकी इतिहास में एक प्रेरक अध्याय है। उन्होंने संस्थान की तेजी से बढ़ती रिसर्च क्षमता, नवाचार वातावरण और वैश्विक सहयोगों की प्रशंसा की।

ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर एंड्रयू एलेक्जेंडर फ्लेमिंग ने शताब्दी समारोह में शामिल होकर खुशी जताई और कहा कि यूके-इंडिया विजन 2035 के तहत आईआईटी (आईएसएम) और ब्रिटेन के बीच सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने TEXMiN और यूके-आधारित GEOTECH के साथ शुरू हुई नई डिजिटाइजेशन लैब साझेदारी की भी सराहना की।

मुख्य अतिथि डॉ. पी. के. मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत आज जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसमें टेक्नोलॉजी-आधारित गवर्नेंस, अंतरिक्ष और क्वांटम टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी उपलब्धियाँ देश की ताकत बन रही हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी (आईएसएम) को क्रिटिकल मिनरल्स, एआई, सतत विकास और समाज-हित वाली तकनीकों में रिसर्च को और आगे ले जाना चाहिए। उन्होंने महिला-नेतृत्व वाले विकास पर भी जोर दिया और कहा कि संस्थान का इनोवेशन इकोसिस्टम देखकर वे बेहद प्रभावित हैं।

मुख्य कार्यक्रम के बाद मुख्य अतिथि और अतिथियों ने कई नई सुविधाओं का उद्घाटन और अवलोकन किया, जिनमें वर्चुअल रियलिटी माइन सिम्युलेटर लैब, डिजिटल माइनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लैब (प्राइवेट 5जी), TEXMiN-GEOTEK ड्रिल कोर डिजिटाइजेशन लैब, बोर्ड एंड पिलर ट्रेनिंग गैलरी, लॉन्गवाल अंडरग्राउंड कोल माइन गैलरी, और स्टार्टअप्स के लिए सीड फंड सपोर्ट लेटर सौंपना शामिल था। इसके बाद ज्ञान-विज्ञान प्रांगण का शुभारंभ किया गया, जिसमें एआई-आधारित इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस, डिजिटल ट्विन, रोबोटिक्स, 3डी मेटावर्स-बेस्ड माइनिंग मॉडल, क्लीन एनर्जी इनोवेशन और भारतीय ज्ञान प्रणाली से जुड़े प्रदर्शन लगाए गए थे।

वहीं, कार्यक्रम में काफी बड़े आकार के ड्रोन का प्रदर्शनी लगाए आईआईटी (आइएसएम) के छात्र आशीष शिद्धार्थ ने बताया कि उनका यह ड्रोन न सिर्फ प्रदूषण रोकने, बल्कि आग को रोकने में भी अहम भूमिका निभाएगा। वहीं, रोबोटिक ड्रोन की प्रदर्शनी लगाए छात्र सौरभ कुमार ने बताया कि उनका यह रोबोट डिफेंस और देश द्रोहियों को ढूंढ निकालने में अहम भूमिका निभाएगी। इसके साथ ही एक रेसिंग कार की भी यहाँ प्रदर्शनी लगाई गई थी, इसके संबंध में इसे बनाने वाले छात्रों के हेड प्रो. रमेश प्रसाद ने बताया कि यह कार बैटरी से चलने वाली वो कार है जिसे महज देश के सात शिक्षण संस्थान ही बना सके हैं, जिसमे एक यह भी शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

मानवता शर्मसार : झाड़ी में मिला नवजात का शव

झरिया(बिभा)। सुदामडीह थाना अंतर्गत में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक कलयुगी मां अपने नवजात शिशु को रिभर साइड दो लाइन के समीप नाले के पास झाड़ी में फेंककर चली गई। इसके बाद उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुदामडीह पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. वहीं नवजात के शव मिलने को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा हो रही थी. लोग आशंका जता रहे थे कि कहीं कोई बिन ब्याही लड़की ने नवजात को जन्म दिया है और लोकलाज के भय से उसे फेंक दिया है या किसी मां ने बच्चे को जन्म दिया हो और नवजात की मौत हो जाने पर शव को फेंक दिया हो।

धनबाद विधायक के धरने का दिखा असर, एसीबी जांच से बाहर सड़को का हुआ शिलान्यास

धनबाद(बिभा)। धनबाद नगर निगम क्षेत्र के दर्जनों सडके बदहाल स्थिति में है जिसकी मरम्मति और निर्माण कार्य को लेकर लगातार धनबाद विधायक राज सिन्हा ने सवाल खडे किए यहां तक वो अनिश्चित कालीन धरना पर भी बैठ गये थे जिसके बाद नगर निगम के आश्वासन के बाद कल घरना समाप्त कर दिया। जिसके बाद आज निगम की पहल पर तीन प्रमुख सड़को का शिलान्यास विधायक के द्वारा करवाया गया ।जिसमे पांडरपाला, आरामोड, खडकाबाद मे सड़को के मरम्मति कार्य होगें । वही विधायक राज सिन्हा ने जनता की जीत बतलाते हुए कहा की धरना देना कुछ हद तक सफल साबित हुआ है। आगे भी जनता की हक की लडाई लडते रहेगें। आपको बता दे की नगर निगम क्षेत्र के कई सड़को का काम अउइ जांच की वजह से रुका हुआ है । जांच रिपोर्ट मे देरी की वजह से निगम अपने क्षेत्र मे काम नही कर पा रहा है ।

विश्व दिव्यांगता दिवस पर पहला कदम स्कूल ने आयोजित किया दिव्यांगता जागरूकता रैली

धनबाद(बिभा)। विश्व दिव्यांगता सप्ताह के अंतर्गत विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित पहला कदम स्कूल की ओर से एक दिव्यांगता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में सामाजिक संगठनों, संस्थानों तथा नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम में डालसा, लायंस क्लब कोल्ड फील्ड धनबाद, एनसीसी की 5 वीं एवं 36 वीं बटालियन, मारवाड़ी युवा मंच सहित कई समाजसेवी संगठन और आमजन शामिल हुए। रैली का उद्देश्य समाज में दिव्यांगता के प्रति जागरूकता फैलाना तथा दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का संदेश देना था। नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट की सचिव तथा धनबाद एवं बोकारो की एलएलसी अनीता अग्रवाल ने रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को दिव्यांगजनों के अधिकारों, उनकी आवश्यकताओं और उनके सशक्तिकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया। रैली के माध्यम से पहला कदम स्कूल और नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट ने यह संदेश दिया कि दिव्यांगजन किसी भी रूप में कमजोर नहीं, बल्कि समाज का अभिन्न और महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह समान अवसर, सम्मान और सहयोग प्रदान कर एक समावेशी एवं संवेदनशील वातावरण का निर्माण करे।

धान अधिप्राप्ति के लिए स्टेकहोल्डरों को ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित

हजारीबाग(बिभा): खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत धान अधिप्राप्ति कार्य को व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए आपूर्ति विभाग, हजारीबाग द्वारा नगर भवन, हजारीबाग में स्टेकहोल्डरों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी मुरली यादव एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी मनोज कुमार उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में विभिन्न प्रखंडों के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, सहायक गोदाम प्रबंधक, लैंपस/व्यापार मंडल/FPO के अध्यक्ष एवं सचिव, राइस मिलर, प्रतिनियुक्ति जनसेवक, कर्मी एवं दंडाधिकारी सहित गोदामों के सभी कंप्यूटर ऑपरेटरों ने हिस्सा लिया।ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान धान अधिप्राप्ति की संपूर्ण प्रक्रिया, तकनीकी प्रावधान, पोर्टल संचालन, पंजीकरण एवं सत्यापन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के बाद जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा पैक्स अध्यक्षों एवं राइस मिलरों द्वारा पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब दिए गए तथा उनके समाधान भी प्रस्तुत किए गए।उन्होंने बताया कि धान अधिप्राप्ति कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपादित करने हेतु ऐसे प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों को उनके उपज का उचित मूल्य समय पर मिले और समस्त प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए।

जहरीले गैस का रिसाव, दर्जनों लोग आए चपेट में, एक तोता की मौत, इलाके में दहशत

बिभा संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह थाना क्षेत्र के राजपूत बस्ती, मस्जिद मोहल्ला और 5 नंबर सहित कई इलाकों में तेज दुर्गंध फैलने के बाद जहरीले गैस रिसाव की सूचना से हड़कंप मच गया है। लगभग एक हजार की आबादी वाले इन इलाकों में दो दर्जन से अधिक लोग बीमार पड़ गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। साथ ही पीड़ित परिवार के एक घर का पालतू तोते की भी गैस की वजह से मौत हो गई है।

वहीं, सूचना मिलने पर जांच टीम ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया। टीम में बीसीसीएल के सेफ्टी ऑफिसर, केंदुआडीह थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी गैस डिटेक्टर मशीन के साथ मौके पर पहुंचे। प्राथमिक जांच में अनुमान लगाया गया कि थाना के समीप स्थित जीएम गेस्ट हाउस के समीप झाड़ियों के आसपास से गैस निकल रही है। हालांकि गैस का प्रकार और रिसाव का सटीक स्रोत स्पष्ट नहीं हो पाया है।

एरिया सेफ्टी ऑफिसर, कुसुंडा ने बताया कि क्षेत्र के आसपास की जगहों में गैस होने की आशंका है। गैस का प्रतिशत अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन गैस का दुर्गंध काफी ज्यादा है। अधिकारी इसे उच्च स्तर पर रिपोर्ट कर रहे हैं और रिसाव बंद करने की तैयारी की जा रही है।

बीसीसीएल एजेंट लखन लाल बरनवाल ने कहा कि गैस की लोकेशन की पहचान का प्रयास जारी है। जैसे ही स्रोत मिलेगा, उसे भरने का काम शुरू कर दिया जाएगा। डिटेक्टर मशीन से जांच चल रही है।

वहीं, स्थानीय लोग सिरदर्द, उल्टी और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्या की बात कह रहे हैं। जिससे कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। स्थानीय टिंकू अंसारी ने बताया कि इलाके में कई लोग अचानक बीमार हो गए हैं। वहीं, निवासी रामकिशन ने बताया कि गैस के प्रभाव से उनका पालतू तोता भी मर गया है।

स्थानीय महेश गोस्वामी ने बताया कि उनकी बच्ची सुबह घर से निकलते ही चक्कर खाकर गिर गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि उसे जहरीली गैस का असर हुआ है। उन्होंने दावा किया कि दर्जनों लोग प्रभावित हो चुके हैं, और वे परिवार सहित अस्थायी रूप से इलाके को छोड़ दिया हैं।

केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडे ने कहा कि स्थानीय लोगों और पार्षद की सूचना पर मामले को गंभीरता से लेते हुए बीसीसीएल को जानकारी दी गई। टीम मौके पर गैस रिसाव बंद करने के प्रयास में जुटी है।

ट्रेन के महिला कोच से 35 जीवित कछुए बरामद, कीमत करीब 3.50 लाख

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद मंडल में ऑपरेशन WILEP के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गाड़ी संख्या 13010 योगनगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस के महिला कोच से लावारिस हालत में Indian Flapshell (Lissemys punctata) प्रजाति के 35 जीवित कछुए बरामद किए। बरामद कछुओं की अनुमानित कीमत करीब 3.50 लाख रुपये बताई जा रही है।

घटना बुधवार को उस समय सामने आई जब वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट धनबाद की टास्क टीम प्लेटफॉर्म पर नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि ट्रेन के गार्ड ब्रेक से सटे महिला कोच में कछुओं की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर ट्रेन के रुकते ही कोच की जांच की, जहां सीट के नीचे तीन कपड़े के थैले लावारिस अवस्था में मिले। आसपास की महिला यात्रियों से पूछताछ करने पर किसी ने इन थैलों पर अपना दावा नहीं किया।

संदेह के बाद जब थैलों को खोला गया तो उनमें जूट के बोरे में रखे 35 जीवित कछुए मिले। आरपीएफ टीम ने सभी कछुओं को जब्त कर पोस्ट लाया और वन विभाग को सूचना दी। बाद में वन विभाग की टीम पोस्ट पहुंची और कछुओं को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए वन क्षेत्र पदाधिकारी, धनबाद को सौंप दिया।

हजारीबाग के बरही में डिवाइडर से टकराई कार, एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत, 6 घायल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिले के बरही थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह पंचमाधव गांगटाही पुल के पास फोरलेन सड़क पर एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पश्चिम बंगाल के आसनसोल (कुल्टी) से बिहार में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहा परिवार स्विफ्ट कार से यात्रा कर रहा था, तभी तेज गति के कारण कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आस-पास के लोग मौके पर जमा हो गए। दुर्घटना में पूनम देवी (55 वर्ष), जय भगवान यादव (40 वर्ष) और 10 वर्षीय अंशिका कुमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कार में कुल 10 लोग सवार थे, जिनमें छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में धर्मेंद्र यादव, शिवम कुमार, अभिराज कुमार, मृत्युंजय कुमार, कौशल्या देवी और ज्योति कुमारी शामिल हैं। सभी घायलों को

स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि दो घायलों की हालत बेहद चिंताजनक है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार अत्यधिक रफ्तार में थी और चालक संभवतः लंबी यात्रा के कारण थका हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि नींद या झपकी आने से वाहन अनियंत्रित हो गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। सड़क पर पड़े निशानों से भी तेज गति का अंदाजा लगाया जा सकता है।हादसे की सूचना मिलने पर बरही के एसडीपीओअजीत कुमार विमल और थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे और पूरे घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम हेतु भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। एसडीपीओ ने बताया कि घायलों के उपचार में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी और परिजनों को सूचना दे दी गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से गांगटाही पुल क्षेत्र में गति नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है, ताकि ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। दुर्घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है।

धनबाद वासियों के लिए राहत की खबर

15 से 20 दिनों में बरमसिया पुल पर छोटी गाड़ियों का आवागमन होगा शुरू, उपायुक्त ने किया मरम्मती कार्य का निरीक्षण

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद वासियों के लिए राहत की खबर है। हीरापुर से बरमसिया होकर बैंक मोड और बेलगाड़िया बलियापुर आने जाने वाली महत्वपूर्ण सड़क बरमसिया ओवरब्रिज पर फिर से अगले 15 से 20 दिनों में आवागमन शुरू हो सकता है। बुधवार को धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात कुमार ने पुल पर चल रहे मरम्मती कार्य का जायजा लिया। इस दौरान धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि पुल पर मरम्मती कार्य जारी है। निर्धारित

समय पर काम पूरा हो यही प्रयास है। लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पुल पर वाहनों के आवागमन बंद रहने से बैंक मोड ओवर ब्रिज के अलावे पॉलिटेक्निक रोड पर भी ट्रैफिक लोड बढ़ा है। ऐसे में ट्रैफिक लोड कम करने के दिशा में कार्य को युद्ध स्तर पर सम्पन्न करने की कोशिश हो रही है।

उन्होंने कहा कि अगले 15 से 20 दिनों में छोटी गाड़ियों का परिचालन पुल पर शुरू हो जायेगा। वहीं, ट्रक एवं अन्य बड़ी गाड़ियों का परिचालन नए साल से ही मुमकिन है।

आरोग्यम अस्पताल की ओर से निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन 5 दिसंबर को

हजारीबाग : जिले के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में से एक आरोग्यम अस्पताल द्वारा आगामी 5 दिसंबर, शुक्रवार को निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आरोग्यम अस्पताल परिसर में आयोजित होने वाले इस शिविर में हृदय संबंधी सभी महत्वपूर्ण जांचें ईसीजी,ब्लड शुगर,बीपी एवं एवं पल्स की जांच पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा शिविर में हृदय से संबंधित रोगों का इलाज निशुल्क किया जाएगा। शिविर का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक निर्धारित है। शिविर का संचालन अनुभवी हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अमन सिन्हा और डॉ. रवि रंजन के मार्गदर्शन में किया जाएगा, जिससे मरीजों को सटीक जांच और उचित परामर्श प्राप्त हो सके।

गोविंदपुर जैप-3 परिसर में आरओ प्लांट का उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

धनबाद। गोविंदपुर स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस-3 (जैप-3) परिसर में उपायुक्त आदित्य रंजन के पहल पर आधुनिक आरओ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया। प्लांट का उद्घाटन उपायुक्त आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर जैप-3 के कमांडेंट मनोज स्वर्गीयारी, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने इस पहल को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह सुविधा जवानों के स्वास्थ्य, सुविधा और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाएगी।

बैंक ऑफ इंडिया के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) फंड के तहत इसका निर्माण कराया गया है। नव स्थापित आरओ प्लांट की क्षमता प्रति घंटे लगभग 1000 लीटर पानी शुद्ध करने की है। इसके शुरू होने से अब जवानों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर गुणवत्ता का पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। लंबे समय से परिसर में शुद्ध पेयजल की मांग उठ रही थी, ऐसे में यह सुविधा सुरक्षा बलों के लिए बड़ी राहत साबित होगी।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की सामाजिक पहलें न सिर्फ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं, बल्कि सुरक्षा बलों के मनोबल और सम्मान को भी बढ़ाती हैं।

उद्घाटन के बाद उपायुक्त एवं एसएसपी ने जैप परिसर के बगल में चल रहे निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। तालाब के जीर्णोद्धार, पार्क निर्माण एवं जैप परिसर की सुरक्षा परिधि के कार्यों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया।

हजारीबाग में पहली बार बीसीसीआई का बड़ा मैच संजय सिंह स्टेडियम बना ऐतिहासिक मेजबान

8 से 11 दिसंबर तक हजारीबाग में झारखंड-केरल के बीच होगा मैच

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर पहली बार एक बड़े क्रिकेट आयोजन का हिस्सा बनने जा रहा है। संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम को बीसीसीआई द्वारा स्वीकृत झारखंड बनाम केरल मैच की मेजबानी मिली है, जिसका आयोजन 8 दिसंबर से 11 दिसंबर तक किया जाएगा। आयोजन को लेकर स्टेडियम परिसर में व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करते हुए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मैदान, पिच, दर्शक दीर्घा, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। सांसद सह एचडीसीए अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग में बीसीसीआई स्तर का मैच होना जिले के लिए गर्व की बात है। श्री जयसवाल दिल्ली में सदन की

कार्यवाही में व्यस्त रहने के बावजूद इस आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों की जानकारी लगातार ले रहे हैं और आयोजन को सफल बनाने के लिए टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। 6 दिसंबर को दोनों टीमों के खिलाड़ी रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां जेसीएसए के अधिकारी उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद खिलाड़ी हजारीबाग पहुंचकर होटल में ठहरेंगे। 6 और 7 दिसंबर को अभ्यास सत्र निर्धारित किए गए हैं, ताकि खिलाड़ी स्टेडियम की परिस्थिति से खुद को परिचित कर सकें। एचडीसीए के सचिव बंटी तिवारी ने बताया कि खिलाड़ियों की आवास व्यवस्था शहर के नामी होटलों में की गई है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे। चिकित्सा सुविधा के लिए एम्बुलेंस, मेडिकल टीम और प्राथमिक उपचार केंद्र की व्यवस्था भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मैच के लिए पास अथवा टिकट की कोई व्यवस्था नहीं होगी। सभी दर्शक बिना किसी शुल्क के मैच देख सकेंगे। आयोजन को लेकर हजारीबाग में उत्साह का माहौल है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए जाएंगे, जिससे शहर का वातावरण पूरी तरह खेलमय दिखाई देगा। श्री तिवारी ने कहा कि स्टेडियम की सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और इस सफल आयोजन के बाद हजारीबाग में भविष्य में भी बड़े टूनामेंट आयोजित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। हजारीबाग वासियों के लिए यह आयोजन एक विशेष अवसर है और सभी दर्शकों को भव्य मैच देखने के लिए सादर आमंत्रित किया गया है।

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मयार्दा'

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम 'असामान्य' है और 'स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर' है।

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि 'दुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता'। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन– 'समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता', को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी 'कूटनीतिक संवेदनशीलता' के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को 'नोट' किया है।

देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल 'असामान्य' ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मयार्दाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता–विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे।

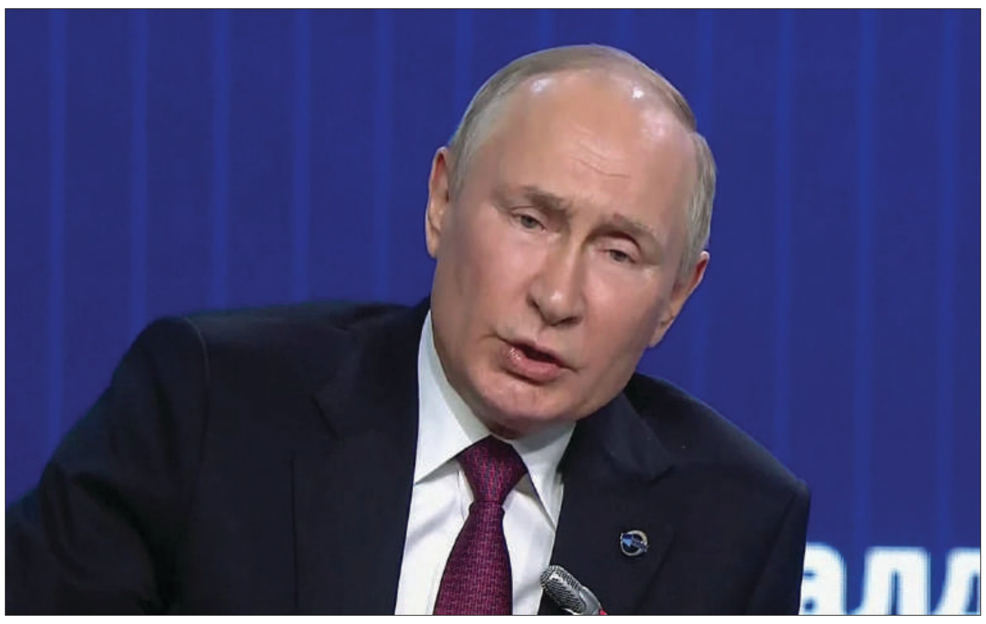

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत-रूस निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारत-रूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएँ कर चुके हैं। मगर वहाँ तैनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उत्तर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केंद्रीय भूमिका से जुड़ा है। यूरोपीय देश भली-भाँति जानते हैं कि भारत आज ग्लोबल साउथ की सबसे प्रभावशाली आवाज है और ऊर्जा व सुरक्षा संतुलन में उसकी स्थिति निर्णायक है। इसलिए भारतझ्ररूस संबंधों की निरंतरता पश्चिम की दीर्घकालिक रणनीतियों को प्रभावित करती है। इसी संवेदनशीलता के चलते यूरोपीय दूतों ने यहाँ एक असामान्य सार्वजनिक हस्तक्षेप को चुना, जो यह दशार्ता है कि भारत की रूस-नीति को लेकर पश्चिम में विशेष चिंता है, भले ही वे इसे औपचारिक रूप से स्वीकार न करें।

बहरहाल, तीनों यूरोपीय राजदूतों द्वारा की गई इस कूटनीतिक अशिष्टता पर भारत को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। एक ओर, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी किसी बाहरी बयानबाजी से प्रभावित न हो; दूसरी ओर, मेजबान देश होने के नाते भारत को यह सुदृढ़ संदेश भी देना आवश्यक है कि कूटनीतिक मयार्दाओं का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक डिमार्श या कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण माँगना ऐसा कदम हो सकता है जो नियमों को रेखांकित करे बिना विवाद को बढ़ाए। इससे न केवल रूस को यह आश्वासन मिलेगा कि भारत अपने साझेदारों के प्रति सम्मानजनक और स्थिर रुख रखता है, बल्कि भारत में तैनात सभी देशों के राजनयिक समुदाय को भी यह स्पष्ट संकेत मिलेगा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी संवेदनशील द्विपक्षीय घटना पर टिप्पणी करते समय वियना संधि की भावना और मेजबान देश की कूटनीतिक परंपराओं का पालन अनिवार्य है। इस संतुलित प्रतिक्रिया से भारत अपने हितों की रक्षा भी करेगा और कूटनीतिक अनुशासन की गरिमा भी बनाए रखेगा।

संपादकीय

एसआईआर एक घातक ड्रामा

क्या संसद में भी ह्यड्रामाह्न होता है? बेशक हमने संसद के भीतर हंगामे, हुल्लड़बाजी, आसन की ओर किताब फेंकना या सभापति का माइक तोड़? की कोशिश करना, मेज पर चढ़ कर नृत्य करना आदि अराजकताएं और अनुशासनहीनता तो देखी हैं। वे शाश्वत हैं, क्योंकि विपक्ष ऐसा ही व्यवहार करता रहा है। यही उसकी संवैधानिकता मान ली गई है। भाजपा बिल्कुल भी अछूती नहीं है। संसद में हंगामा और कई-कई दिनों तक कार्यवाही को बाधित करने के उसके भी कीर्तिमान दर्ज हैं। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को निशाना बनाते हुए, उस पर तंज करते हुए, कहा है कि संसद ड्रामा की जगह नहीं है। ड्रामे के लिए पूरा देश खाली पड़ा है। संसद में तो 'डिलीवरी' होनी चाहिए। हम भी मानते हैं कि संसद में राष्ट्र-निर्माण के निर्णय लिए जाने चाहिए, लेकिन 12 मिनट में 4 विधेयक पेश कर दिए जाएं और एक पारित भी कर लिया जाए, तो यह कौन-सा ड्रामा है? याद करें, संसद के मानसून सत्र के दौरान करीब 15 मिनट में 12 बिल पारित कर लिए गए थे। ऐसा कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी होता रहा है, जब मिनटों में ही बिल पारित कर लिए गए। इस 'हम्माम' में सभी मौजूद हैं। कमोबेश यह संसदीय प्रणाली नहीं, संसद के नाम पर 'ड्रामा' है। संसद पक्ष-विपक्ष की आपसी विरोधी चचाओं, आरोपों-प्रत्यारोपों का सबसे बड़ा, गणतांत्रिक मंच है, क्योंकि सभी निर्वाचित सांसद होते हैं। प्रधानमंत्री भी पूरे देश के, विपक्ष के भी, प्रधानमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें निर्वाचित सांसदों के लिए गरिमामय, शालीन, सौम्य, संसदीय भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। 'ड्रामा' ऐसा शब्द नहीं है। चुनावी पराजय की हताशा, झुंझलाहट, कुंठा आदि की बात भी राजनीतिक या चुनावी मंचों तक ही सीमित रखनी चाहिए। संसद के मायने ही अलग हैं। दरअसल 'ड्रामा' तो 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) और चुनाव आयोग के नाम पर खेला जा रहा है। बीते कल एक वीडियो टीवी चैनलों पर प्रसारित होता रहा। उप्र के एक बीएलओ ने आत्महत्या से पहले यह वीडियो बनाया था। वीडियो में बीएलओ अपनी मां से बार-बार माफी मांग रहा है और चार छोटी-छोटी बेटियों का ख्याल रखने की गुहार कर रहा है। वह व्यक्ति लगातार रो रहा है। कमोबेश इससे ज्यादा मार्मिक और पीड़ित दृश्य नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी आत्महत्याओं के बाद भी चुनाव आयोग दावे करता रहा है कि सब कुछ 99 फीसदी हो रहा है। लानत है ऐसी संवैधानिक व्यवस्था पर! संसद में ड्रामा यह किया गया है कि 14 दिसंबर, 1988 की तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ (प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे) की रूलिंग का हवाला देते हुए सरकार ने संसद में एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका पर, किसी भी नियम के तहत, चर्चा कराने से इंकार कर दिया है। क्या स्पीकर की रूलिंग और चुनाव आयोग सरीखी संवैधानिक, स्वायत्त संस्था संसद के लिए कोई संवैधानिक विवशता है कि उन्हें लांघा नहीं जा सकता? संसद सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले को तो पलट सकती है, लेकिन स्पीकर की रूलिंग लक्ष्मण-रेखा है। दरअसल कोई संवैधानिक बाध्यता अथवा लकीर नहीं है। चुनाव आयोग का बजट संसद पारित करती है। कानून मंत्रालय इसे पेश करता है। आयोग के तीनों सर्वोच्च आयुक्त प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कमेटी नियुक्त करती है। चूंकि अब सूत्र बता रहे हैं कि 'चुनाव सुधार' के बैनर तले, एसआईआर का नाम लिए बिना ही, संसद में इस मुद्दे पर बहस हो सकती है। विपक्ष का एक धड़ा इसके लिए सहमत है। एसआईआर के कारण अभी तक 40 मौतें (आत्महत्या समेत) हो चुकी हैं। क्या यह आंकड़ा चुनाव आयोग के आयुक्तों को नहीं झकझोरता? क्या इससे भी अधिक घातक कोई व्यवहार और उसका ड्रामा हो सकता है?

चिंतन-मनन

अनुभव का लाभ

एक विदेशी राजा ने भारत पर आप्रमण करना चाहा। उसने सोचा कि आप्रमण से पूर्व यह जान लेना चाहिए कि उस राजा के पास कोई बुद्धिमान व्यक्ति है या नहीं? उस राजा ने सुरमे की एक डिबिया देकर एक दूत भेजा। उस डिबिया में दो आंखों में ही लगाने लायक सुरमा था। वह सुरमा अंधे को आंख देने में समर्थ था। दूत आया। दूत ने कहा, दो आंखों में ही आ जाए, इस डिबिया में इतना-सा सुरमा है। हमें इसकी अधिक आवश्यकता है। आपके पास हो तो हमें दें। या इस सुरमे के आधार पर कोई व्यक्ति ऐसा ही सुरमा बना सके तो हम उस आदमी को अपने साथ ले जाना चाहेंगे।

राजा ने मंत्रियों से सलाह ली। किन्तु ऐसा सुरमा कौन बना सके? किसी को समाधान नहीं आया। राजा ने सोचा, एक बूढ़ा मंत्री था, जो अभी सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पूछा जाए। राजा ने उसे बुला भेजा। वह अंधा हो गया था। वह आया। मंत्री ने डिबिया ली। एक आंख में सुरमा लगाया। कुछ ही क्षणों बाद उसे दिखने लगा। जो शेष सुरमा बचा था, उसे अपनी जीभ पर रख लिया। स्वाद से उसने सुरमे के सारे द्रव्यों का विश्लेषण कर लिया। घर जाकर वैसा ही सुरमा बनाया। परीक्षण के लिए अपनी दूसरी आंख में उसे लगाया। आंख खुल गई। उसने शेष सुरमा डिबिया में भरकर दूत से कहा, जाओ, अपने सम्राट से कहना कि ऐसा सुरमा जितना चाहे यहां से मंगा लें। दूत गया। सम्राट को वृत्तान्त सुनाया। सम्राट ने सोचा, जिस देश में ऐसे अनुभवी और वृद्ध रहते हैं, इतने बुद्धिमान मंत्री हैं, उस देश पर आप्रमण करना भयंकर भूल होगी।

हर लहर पर तिरंगा : नौसेना का अदम्य जोश और जज्बा

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय नौसेना का इतिहास 1612 में शुरू हुआ था, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने हितों की रक्षा के लिए समुद्री बल का गठन किया था। समय के साथ यह बल भारतीय नौसेना के रूप में विकसित हुआ। 1950 में रॉयल इंडियन नौसेना का नाम बदलकर भारतीय नौसेना रखा गया। भारतीय नौ सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में गिनी जाती है, हर साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाते हुए भारत का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। यह दिन कैलेंडर पर सिर्फ.एक तारीख नहीं है, यह हमारे नौसैनिक योद्धाओं की अटूट भावना और बेमिसाल साहस का प्रतीक है ' भारतीय नौसेना दिवस, नौसेना की बहादुरी, और समर्पण का सम्मान करता है। यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता की स्मृति में मनाया जाता है, जब 4 दिसम्बर 1971 भारत-पाक युद्ध के दौरान नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसेना मुख्यालय को सफलतापूर्वक निशाना बनाया था, इस अभियान का नेतृत्व कमोडोर के.पी. गोपाल राव ने किया था, जिसमें आईएनएस वीर, आईएनएस निपट और आईएनएस निर्घट जैसे मिसाइल बोट्स का उपयोग कर तीन पाकिस्तानी जहाजों को डुबो दिया गया और भारी नुकसान पहुंचाया गया था ' इस हमले में पाकिस्तान के लगभग 300 सैनिक मारे गए और 700 घायल हुए थे ' इस ऑपरेशन को ऑपरेशन ट्राइडेंट के नाम से जाना जाता है ' इस हमले में पाकिस्तान को बहुत भारी नुकसान हुआ था, कराची बंदरगाह के ईंधन भंडार को काफी नुकसान हुआ था ' कहा जाता है कि इस हमले का आदेश बंद लिफाफे में नौसेना के पास पहुंचा था ' भारत ने अपने तीन युद्धपोतों आईएनएस निपत, आईएनएस निरघट और आईएनएस वीर की सहायता से कराची बंदरगाह पर हमला किया, भारत से युद्धपोत गुजरात के ओखा पोर्ट से पाकिस्तान के लिए दोपहर 2 बजे रवाना हुए थे ' भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के पीएनएस खैबर, पीएनएस शाहजहां और पीएनएस मुहाफिज की जलसमाधि बना दी थी ' चूंकि पूर्व और पश्चिम पाकिस्तान के बीच एकमात्र लिंक समुद्र के रास्ते था, इसलिए भारत ने पाकिस्तान की समुद्री क्षमता पर प्रहार करने का फैसला किया ' पाकिस्तान के पास रात के लड़ाकू विमान नहीं थे, इसलिए सूर्यास्त के बाद ऑपरेशन को अंजाम दिया गया ' इस हमले ने पाकिस्तान के प्रमुख ईंधन भंडार और गोला-बारूद के भंडार को नष्ट कर दिया ' हमलावर जहाजों के समूह को किलर स्क्वाड्रन के रूप में जाना जाता है ' युद्ध 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाकिस्तान की मुक्ति के साथ समाप्त हुआ, जिसे अब बांग्लादेश के रूप में जाना जाता है ' इस ऑपरेशन की सफलता बड़ी इसलिए भी मानी जाती है क्योंकि कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया था, साल 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में पहली बार पाकिस्तानी जहाज पर एंटी-शिप मिसाइल से हमला किया गया था ' ऑपरेशन ट्राइडेंट के ठीक तीन दिन बाद ऑपरेशन पायथन किया गया ' हमले में फिर से कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया, जबकि ऑपरेशन पाकिस्तानी बेड़े के टैंकर पीएनएस ढाका को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहा ' भारतीय नौसेना का प्राथमिक उद्देश्य समुद्री सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ आवश्यकता के समय सद्भावना यात्राओं और मानवीय मिशनों को पूरा करके देश के द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने में सहायता करना है ' हर साल, नौसेना दिवस भारत के नौसैनिक बल की वीरता, उपलब्धि और भूमिका की कहानी कहते हैं '

यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की शानदार सफलता को याद करने का दिन है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध में समुद्री युद्ध को फिर से परिभाषित करने वाला एक साहसी मिशन था। इस अद्वितीय बहादुरी के कार्य ने न केवल युद्ध को भारत के पक्ष में झुका दिया, बल्कि समुद्री इतिहास के पन्नों में भारतीय नौसेना का नाम भी दर्ज कर दिया। नौसेना दिवस सिर्फ. अतीत के गौरव का स्मरणोत्सव नहीं है। यह वर्तमान संकल्प और भविष्य की आकांक्षाओं के धागों से बुना गया एक जीवंत चित्रपट है। यह हमारी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, हमारे व्यापार मार्गों की सुरक्षा और हमारे द्वीप क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता को स्वीकार करने का दिन है। यह हमारे महासागरों को सुशोभित करने वाले तकनीकी चमत्कारों पर आश्चर्यचकित होने का दिन है - चुपके से चलने वाली पनडुब्बियां, भव्य विमान वाहक, फुतीर्ले विध्वंसक और गहरे सागर के मूक रक्षक - ये सभी भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति के प्रमाण हैं। नौसेना दिवस उन पुरुषों और महिलाओं के बारे में भी है जो इन मशीनों के पीछे मजबूती से खड़े हैं। यह उनके अटूट समर्पण, उनके अथक प्रयासों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में उनके अदम्य साहस के बारे में है। यह उन परिवारों के बारे में है जो उनके साथ खड़े हैं, ताकत और अटूट समर्थन का एक मूक स्तंभ हैं। इस दिन को मनाते हुए, आइए हम उन लड़ी गई लड़ाइयों और विजय को याद करें। आइए हम शहीद हुए वीरों का सम्मान करें और उन लोगों की अदम्य भावना को सलाम करें जो हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा करना जारी रखते हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आत्महत्या करते विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन'

निर्मल रानी

मतदाता सूची के संशोधन के लिए देश के कई राज्यों में चलाया जा रहा विवादित विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) इन दिनों काफी चर्चा में है। एसआईआर को लेकर कथित तौर पर बरती जा रही अनियमिततायें तो चर्चा में हैं ही साथ ही इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के मामले भी सुर्खियों में हैं। अलग अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर-दिसंबर 2025 में कम से कम 12 से 20 बीएलओ ने आत्महत्या की है, जबकि आत्महत्या सहित हार्ट अटैक व स्ट्रोक आदि से 30 से अधिक बीएलओ की मृत्यु होने का समाचार है। आत्महत्या करने वाले कई बी एल ओ ने भले ही अपने सुसाईड नोट या आत्महत्या से पूर्व जारी अपने वी डी ओ सन्देश में स्पष्ट रूप से काम के भारी दबाव व तनाव की बात क्यों न की हो परन्तु चुनाव आयोग इन मौतों को एसआईआर से जोड़ने से इंकार करता है और इन्हें 'अन्य प्रकार के मामले' बताता है। आयोग ने इन मौतों को लेकर कुछ विपक्षी दलों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को 'राजनीतिक' करार देते हुये कहा है कि ये मौतें एसआईआर प्रक्रिया से सीधे जुड़ी नहीं हैं, और अधिकांश मामलों की जांच चल रही है।

बहरहाल एसआईआर प्रक्रिया व इसी दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के सन्दर्भ में एक सबसे अहम बात यह है कि आत्महत्या करने वाले इन बूथ स्तरीय अधिकारियों में अधिकांशतः शिक्षक ही शामिल हैं? बीएलओ आमतौर पर सरकारी स्कूल शिक्षक ही होते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों को ही इस भूमिका के लिए नियुक्त करता है। तो क्या राष्ट्र निर्माण की धुरी समझे जाने वाले शिक्षक समाज की नौबत अब यहाँ तक आ पहुंची है कि उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ रहा है? वह भी किसी गैर शिक्षण संबंधी कार्य का निर्वहन करते हुये? इन घटनाओं ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या देश के 'गुरुजनों' को ऐसी सरकारी ड्यूटी पर लगाना चाहिये जहाँ न केवल उन्हें तनावग्रस्त होना पड़े बल्कि उनकी ड्यूटी के दौरान बाधित होने वाले शिक्षण कार्यों से भी देश के छात्रों का भविष्य प्रभावित हो?

भारत सरकार या चुनाव आयोग की नजरों में शिक्षक की अहमियत क्या है यह तो सरकार व चुनाव आयोग की उदासीनता से बखूबी समझा जा सकता है। परन्तु भारत रत्न ए पी जे अब्दुल कलाम की नजरों में शिक्षक का महत्व क्या है यह विभिन्न अवसरों पर उन्होंने बयान किया है। अब्दुल कलाम शिक्षकों को समाज का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ मानते थे। वे अक्सर कहते रहते थे कि 'शिक्षक राष्ट्र-निमार्ता होते हैं' कलाम साहब कहते थे कि 'शिक्षक वो नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्य ठूँसे, बल्कि एक अच्छा शिक्षक वो है जो छात्र के दिमाग में रचनात्मकता की लौ जलाए। शिक्षक का काम सिर्फ. पढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों के अंदर सपने जगाना और उन्हें पंख देना है।' कलाम साहब का मानना था कि 'अगर कोई देश भ्रष्टाचार-मुक्त और सुन्दर मन वाला समाज चाहता है, तो मुझे पूरा यकीन है कि समाज के तीन सदस्य इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं झ माँ, पिता और गुरु।' यहाँ तक कि शिलांग में अपने जीवन के अंतिम क्षणों में दिये गये अपने अंतिम भाषण में भी उन्होंने अपनी एक स्मृति का उल्लेख इन शब्दों में किया था - 'मुझे याद है मेरे शिक्षक ने कहा था - अगर तुम अच्छे शिक्षक बनो, तो तुम्हारा छात्र तुम्हें पार कर जाएगा। मैंने यही किया और आज मेरा छात्र (वे IIM शिलांग के छात्रों की ओर इशारा कर रहे थे) मुझे पार कर जाएगा। यह शिक्षक का सबसे बड़ा इनाम है। ह्व कलाम साहब के लिए शिक्षक कोई नौकर नहीं, बल्कि वह राष्ट्र की आत्मा को गढ़ने वाले माली के समान है। वे मानते थे कि एक अच्छा शिक्षक पूरे देश के भविष्य को बदल सकता है। शायद यही वजह थी कि वे स्वयं को भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति या मिसाईल मैन कहलवाना नहीं बल्कि प्रोफेसर कहलाना ज्यादा पसंद करते थे।

इस सन्दर्भ में हरियाणा सरकार के हाल ही में लिये गये उस फैसले की प्रशंसा करना जरूरी है जिसमें राज्य सरकार ने शिक्षकों को केवल शिक्षण कार्य और शिक्षण से जुड़ी गतिविधियों तक ही सीमित रखने का आदेश जारी किया है। यह फैसला शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 की धारा 27 के तहत लिया गया है जिसमें चुनाव ड्यूटी, सर्वे, डेटा एंट्री जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त कर केवल स्कूलों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। खबर तो यह है कि यह आदेश वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। परन्तु यदि हरियाणा सहित देश के सभी राज्य इस प्रकार के स्थाई आदेश जारी करें तो सम्भवतः चुनाव, एसआईआर या जनगणना जैसे अन्य विभागों के काम के बोझ से दबकर आत्म हत्या किये जाने जैसी खबरों पर जरूर विराम लग सकेगा। परन्तु बड़े आश्चर्य की बात है कि 'गुरु ' को लेकर तरह तरह के उपदेश देने व उनके सम्मान का दिखावा करने वाली सरकारों ने आज गुरु को उस अंजाम तक पहुंचा दिया है जहां उन्हें आत्म हत्या करनी पड़ रही है? आज क्यों नहीं याद आती सरकार को संत कबीर दास की वह वाणी जिसमें उन्होंने कहा था कि -'गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय। । अर्थात गुरू और गोबिंद (भगवान) एक साथ खड़े हों तो किसे प्रणाम करना चाहिए - गुरू को अथवा गोबिन्द को? ऐसी स्थिति में गुरू के श्री चरणों में शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। या फिर संत कबीर के ही यह वचन कि -गुरू बिन ज्ञान न उपजै, गुरू बिन मिलै न मोष। गुरू बिन लखै न सत्य को गुरू बिन मिटै न दोष। । अर्थात - हे सांसरिक प्राणियों। बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है।

तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों मे जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरू ही हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता। उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ। गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे। परन्तु कितना दुःखद है कि गुरु पूर्णिमा व शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु सम्मान का दिखावा करने वाली आज की सरकारों के दौर में विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन ' स्वयं आत्महत्या करते दिखाई दे रहे हैं?

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशूहर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

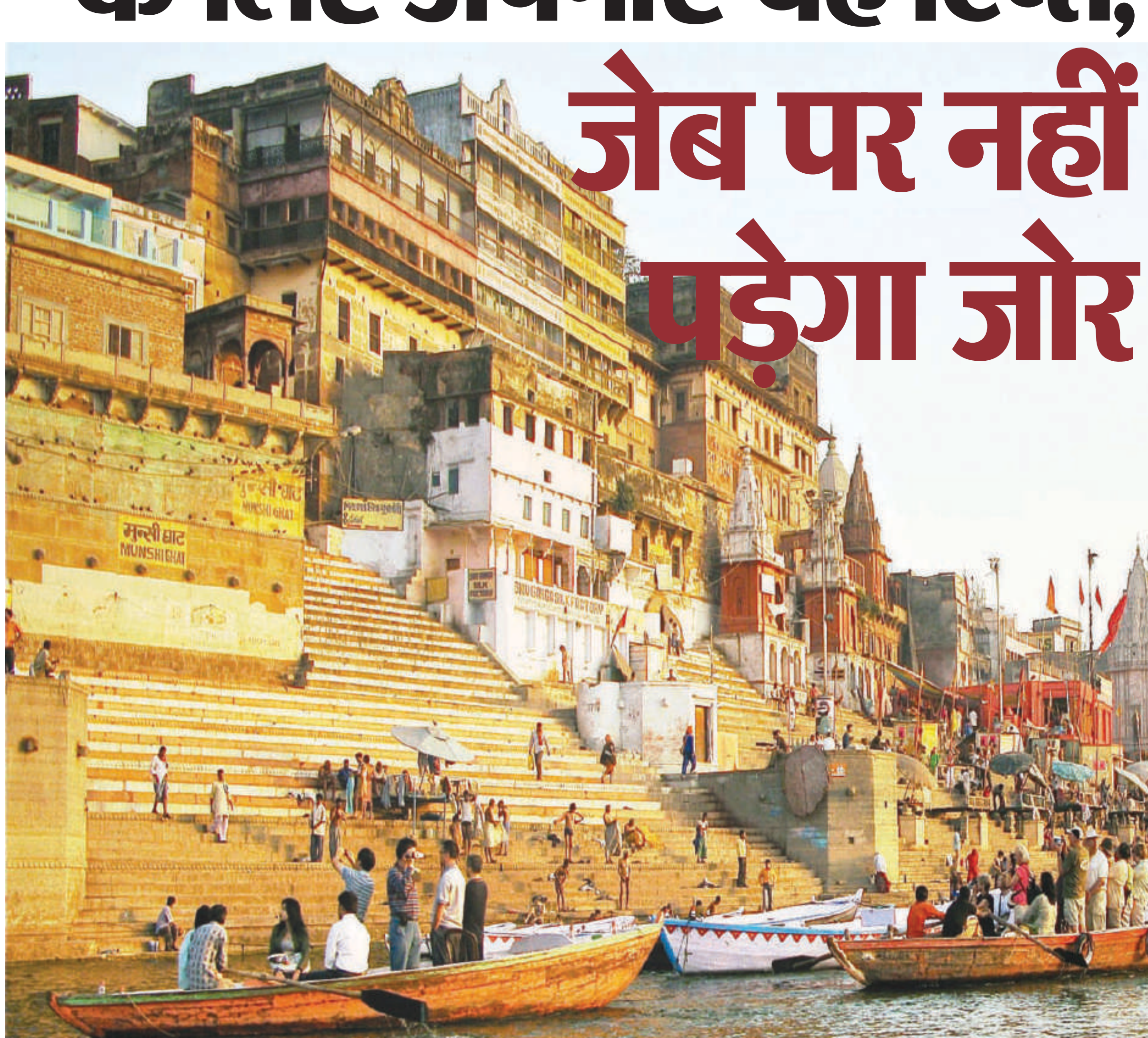

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेंटिक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

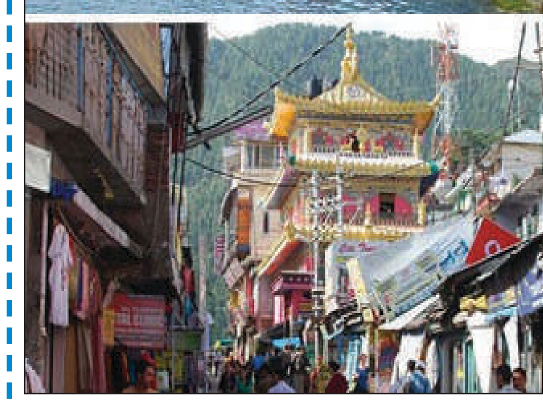

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

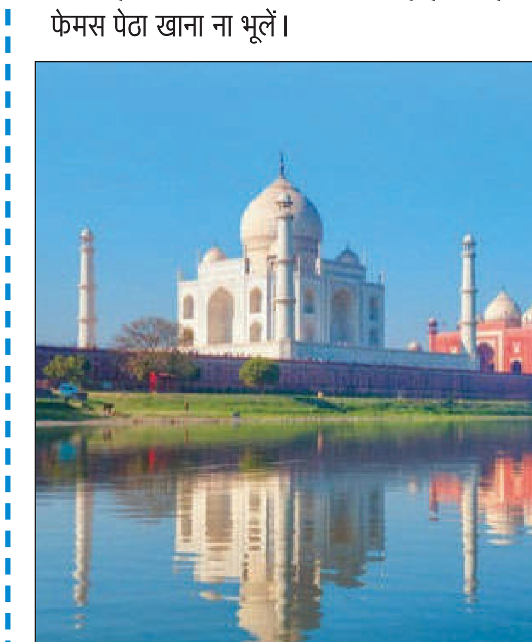

एसआईआर : उन्नाव में एक घर से थे 45 मतदाता, सत्यापन के बाद बचे मात्र 3 वोटर

उन्नाव (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले में यह मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। कमलेश कुमार, आशीष और माधुरी देवी, जो अपने दो नाबालिग बच्चियों के साथ रहते हैं। इन तीनों ने अपना एसआईआर फॉर्म भरकर जमा कर दिया था। बाकी 42 लोगों का नाम, जो उसी पते पर दर्ज हैं, कौन हैं और कहां रहते हैं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है। सदर तहसील के पूरन नगर मोहल्ला के 57 नंबर घर के पते पर वोटर लिस्ट में 45 लोगों के नाम दर्ज थे। जब क्षेत्र के बीएलओ राजीव त्रिपाठी निर्वाचन निर्वाचक नामावली 2025 की वोटर लिस्ट लेकर एसआईआर वोटर सत्यापन के लिए गए, तो उन्होंने पाया कि इस घर में केवल तीन लोग मौजूद हैं। एडीएम सुशील कुमार गौड़ ने कहा कि यह मामला निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और वोटर लिस्ट की सटीकता पर सवाल खड़ा करता है। प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और पूरी तरह जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करेगा। मामले के सामने आने के बाद एडीएम ने बताया कि मामले की टीम बनाकर जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि एआरओ (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर) को टीम बनाकर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्नाव जिले में कई फैक्ट्रियां भी हैं, संभव है कि किसी की जानकारी गलती से इस पते पर दर्ज हो गई हो। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यात्री की तबीयत बिगड़ी... तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान को मंगलुरु में उतारा गया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। यात्री के अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण तिरुवनंतपुरम जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारना पड़ा। सोमवार देर रात तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान में एक लगभग 35 वर्षीय यात्री को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हुई। विमान के चालक दल ने तुरंत मंगलुरु हवाई अड्डे के संचालन नियंत्रण केंद्र को सूचित किया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए और चिकित्सा दल, सीआईएसएफ, आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग के साथ समन्वय किया। विमान के उतरते ही हवाई अड्डे के चिकित्सा कर्मियों ने यात्री की स्थिति का आकलन किया और उन्हें तत्काल शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यात्री के रिश्तेदार भी उनके साथ विमान से उतरे। चालक दल की समय पर मदद से यात्री को स्थिर करने में मदद मिली। स्थिति नियंत्रण में आने के बाद, विमान देर रात दो बजकर पांच मिनट पर तिरुवनंतपुरम के लिए रवाना हुआ। एयरलाइन एक प्रवक्ता ने इस समन्वित प्रतिक्रिया को हवाई अड्डे की तत्परता और यात्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। यह घटना दर्शाती है कि विमानन और हवाई अड्डा अधिकारी किस तरह चिकित्सा संबंधी आकस्मिकताओं से प्रभावी ढंग से निपटते हैं।

दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस और बम स्क्वॉड ने ली तलाशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली यूनिवर्सिटी के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के बाद कैंपस में तलाशी शुरु की गई। बता दें इन दो कॉलेजों में रामजस कॉलेज और देश बंधु कॉलेज का नाम सामने आया है। कॉलेजों को यह धमकी मेल के जरिए दी भेजी गई थी। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दोनों कॉलेजों के कैंपस में सघन सर्च ऑपरेशन शुरु हुआ। पुलिस और बम स्क्वॉड टीमों ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली, लेकिन किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। अधिकारी फिलहाल स्थिति पर नजर रख रहे हैं। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि यह धमकी महज एक अफवाह थी या इसके पीछे कोई वास्तविक मंशा। यह पहली बार नहीं है जब राजधानी के शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी धमकियां मिली हैं। पिछले महीने 18 नवंबर को भी दिल्ली के द्वारका और प्रशांत विहार स्थित दो स्कूलों को ईमेल के ज़रिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके अलावा साकेत कोर्ट, रोहिणी कोर्ट और पटियाला कोर्ट समेत तीन अदालत परिसरों को भी धमकी भरे संदेश मिले थे। उन सभी मामलों में भी गहन जांच के बाद कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी और धमकियां फर्जी निकलीं। इन घटनाओं के कारण सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और वर्तमान मामले को भी पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है।

इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में तकनीकी खराबी से हड़कंप... रात भर से परेशान हो रहे यात्री

हैदराबाद(एजेंसी)। हैदराबाद के शमशाबाद एयरपोर्ट पर बीती रात से इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में तकनीकी खराबी ने हड़कंप मचाया हुआ है। तकनीकी समस्या के कारण मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली के लिए उड़ानें प्रभावित हो गई हैं। इसके चलते करीब 1000 यात्री एयरपोर्ट पर लंबी प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनकी यात्रा योजनाएं बाधित हो गई हैं। विशेष रूप से बेंगलुरु जाने वाली उड़ानें ज्यादा प्रभावित हुईं। मंगलवार-रात 2 बजे निर्धारित एक उड़ान को रनवे पर ही दो घंटे तक रोका गया। बढ़ती चिंता और तनाव के बीच यात्रियों को विमान से उतारकर एयरपोर्ट टर्मिनल में इंतजार करने के लिए कहा गया। सबसे बड़ी परेशानी उन यात्रियों को हो रही है जिन्हें विदेश जाने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़नी थी या वीजा इंटरव्यू के लिए विभिन्न शहरों का सफर तय करना था। एयरपोर्ट पर मौजूद इंडिगो कर्मचारी तकनीकी गड़बड़ी पर संतोषजनक जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। एक यात्री ने बताया, 'हमें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही। खाने-पीने की कोई व्यवस्था भी नहीं हुई।' इंडिगो एयरलाइंस प्रवक्ता ने कहा कि तकनीकी खराबी की समस्या सामने आई है और जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने यात्रियों से धैर्य रखने की अपील की और उन्हें हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना देश के सबसे बड़े विमानन संचालकों में से एक के लिए चिंता का विषय है। इंडिगो को हाल के महीनों में तकनीकी विश्वसनीयता को लेकर कई बार आलोचना का सामना करना पड़ा है।

मुस्लिम महिला को तलाक दिया है तो निकाह में मिला सामान और उपहार भी लौटाना पड़ेगा: कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों से जुड़े एक अहम मामले में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को निकाह के समय अपने मायके से लाया गया पूरा सामान, सोना-चांदी, नकदी तथा रिश्तेदारों-दोस्तों से मिले सभी उपहार वापस लेने का पूर्ण कानूनी अधिकार है। न्यायमूर्ति संजिव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने यह भी कहा कि इन वस्तुओं को महिला की निजी संपत्ति माना जाएगा और तलाक के बाद इन्हें वापस करना बाध्यकारी होगा। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की नई एवं व्यापक व्याख्या की। कोर्ट ने कहा कि इस धारा को केवल सिविल विवाद के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त लैंगिक समानता, गरिमा और आर्थिक स्वायत्तता के सिद्धांतों के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

पीठ ने 2001 के डैनियल लतीफी बनाम भारत संघ मामले का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून का मूल उद्देश्य तलाक के बाद मुस्लिम महिला को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

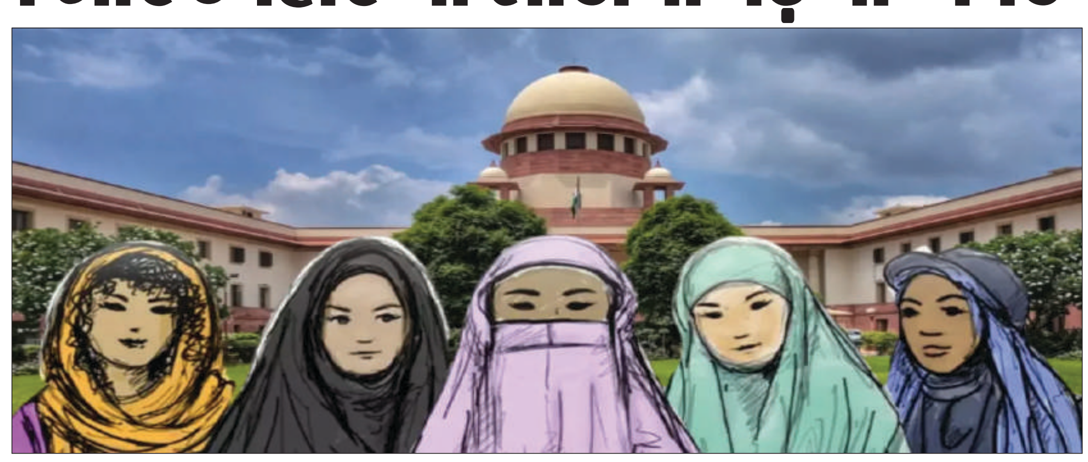

मामला कोलकाता की एक तलाकशुदा महिला का था, जिसने अपने पूर्व पति के खिलाफ 1986 के कानून के तहत याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने महिला के दावे को पूरी तरह न्यायोचित मानते हुए पूर्व पति को 17,67,980 रुपये छह हफ्तों के अंदर महिला के बैंक खाते में जमा करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में कलकत्ता हाई कोर्ट के उस फैसले को पूरी तरह पलट दिया, जिसमें महिला के दावे को खारिज कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि हाई कोर्ट ने मामले को महज सिविल वाद की तरह देखा और निकाहनामे में दर्ज प्रविष्टियों के आधार पर सबूतों की गलत व्याख्या की। कोर्ट ने टिप्पणी की कि हाई कोर्ट ने कानून के सामाजिक न्याय के उद्देश्य को नजरअंदाज कर दिया और संवैधानिक मूल्यों से विमुख निर्णय दिया। यह फैसला देश भर में लाखों तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के लिए राहत की खबर है। अब वे न सिर्फ मेहर व गुजारा भत्ता, बल्कि शादी में अपने मायके से लाया सामान और मिले सभी उपहार कानूनी रूप से वापस प्राप्त कर सकेंगी। कानूनी विशेषज्ञों ने इसे लैंगिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किए जा रहे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ गुरुवार को, बाल विवाह को समाप्त करने के राष्ट्रीय मिशन के एक साल पूरे होने के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में होगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर इसका शुभारंभ करेंगी। मूल अभियान की शुरुआत 27 नवंबर 2024 को की गई। 100 दिन के अभियान की रणनीति तीन चरणों में होगी। पहला चरण (31 दिसंबर 2025 तक) स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां (डिबेट, निबंध, शपथ ग्रहण)। दूसरा चरण (31 जनवरी 2026 तक) धार्मिक नेताओं, सामुदायिक प्रभावकारों और विवाह सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर बच्चों के अधिकारों का संदेश फैलाना। तीसरा/अंतिम चरण (1 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक) ग्राम पंचायतों और नगर निकायों के सहयोग से स्थानीय स्तर पर बाल विवाह मुक्त क्षेत्र घोषित करने के प्रस्ताव पारित करना। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंचायती राज, ग्रामीण विकास और शिक्षा मंत्रालय। यह अभियान नागरिकों, संस्थाओं और सामुदायिक नेताओं से सहयोग की अपील करता है ताकि बाल विवाह को समाप्त करने के भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके।

यदि वक्फ की संपत्तियां छीनी गईं, तो मुसलमान चुप नहीं बैठेंगे: चौधरी

-कबीर के बयान पर कहा मस्जिद पवित्र स्थान है, राजनीति का माध्यम नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। राज्य सरकार द्वारा केंद्र के नए वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को लागू करने की स्वीकृति देने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। टीएमसी सरकार में मंत्री और जामिया उलेमा-ए-हिंद पश्चिम बंगाल शाखा के अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि वक्फ की संपत्तियां छीनी गईं, तो मुसलमान चुप नहीं बैठेंगे। चौधरी ने केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि एसी कमरे में बैठकर बहुत बातें की जा सकती हैं, लेकिन क्या कोई गांव में जाकर लोगों से कह सकता है कि वक्फ संपत्ति अब उनकी नहीं रही? यह फैसला मुसलमानों पर जबरदस्ती थोपा गया है। हम इसे नेक नीयत से उठाया गया कदम नहीं मानते। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने महीनों तक इस कानून को लागू करने से इनकार किया था, लेकिन पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्र के निर्देश मानते हुए राज्य की 82,000 वक्फ संपत्तियों का विवरण 5 दिसंबर तक केंद्र के पोर्टल पर अपलोड करने का आदेश दिया है।

चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार पहले कुछ और सोच रही थी। अब सीएम ममता बनर्जी कुछ और सोच रही होंगी। वक्फ संपत्तियां बेहद अहम हैं। आगे क्या होगा, हम नहीं जानते, लेकिन लड़ाई लंबी और कठिन होगी। हमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद निर्माण वाले बयान पर चौधरी ने कहा कि यह कदम बेहद संवेदनशील है और इससे अवांछित तनाव पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक नेता ने ऐसी बातें कही हैं, जिससे लोगों के मन में कई सवाल उठे हैं। हम कोई भी काम बिना सोचे-समझे नहीं करते। मस्जिद एक पवित्र स्थान है, राजनीति का माध्यम नहीं।

दो दिन बाद मौसम लेगा करवट: पड़ेगी हाड़ कंपाने वाली ठंड, कई इलाकों में भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दो दिनों में मौसम करवट लेने जा रहा है। जिसके चलते दिल्ली-एनसीआर में हाड़ कंपाने वाली ठंड की आहट सुनाई दे रही है। भारत मौसम विज्ञान ने चेतावनी जारी की है कि आने वाले दिनों में हाड़ गलाने वाली ठंड के साथ कोहरा भी कहर बरपाएगा। वहीं दक्षिण भारत में तमिलनाडु समेत कई राज्यों में भारी बारिश की भी चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों में पारा तेजी से नीचे आएगा और शीत लहर का प्रकोप और बढ़ेगा। दिल्ली में न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 7.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और कोहरे की चादर ने दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अपनी आगोश में ले लिया है। आईएमडी ने 5 दिसंबर को शीत लहर की चेतावनी दी है जिसके साथ न्यूनतम पारा गिरकर 6 डिग्री तक जा सकता है। दिसंबर का पहला दिन 5.7 डिग्री के साथ अभी तक का सबसे सर्द दिन रहा था। मौसम विभाग का कहना है कि 5 दिसंबर से मौसम फिर बदलेगा और गलाने वाली ठंड का अहसास राजधानी के लोगों को हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की मार कम नहीं हुई है। आनंद विहार और चांदनी चौक जैसे इलाकों में एक्यूआई लगातार 400 के पार बना हुआ है। चूंकि दिल्ली-एनसीआर में अभी बारिश के कोई आसार नहीं हैं इसलिए वायु प्रदूषण से फिलहाल राहत मिलने के संकेत नहीं हैं। 6 दिसंबर से कोहरा और घना होने की चेतावनी जारी की गई है। मेटियोरोलॉजी एंड क्लाइमेट चेंज के हेड महेश पलावत का कहना है कि अगले 1-2 दिनों में तापमान में तेज गिरावट आएगी। दिसंबर के दूसरे हफ्ते से शीत लहर का दौर शुरू होगा जिससे ठिठुरन का अहसास बढ़ेगा। कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के नए दौर के साथ दिल्ली-एनसीआर में शीत लहर का असर बढ़ेगा। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हिमालय के ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी के आसार हैं।

तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तमिलनाडु के आसपास विक्षोभ बन रहा है। चक्रवात दित्वाह भी कमजोर होते हुए दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु तथा पुडुचेरी से होते हुए आगे बढ़ रहा है। नेल्लोर, कडलोर से लेकर चेन्नई जैसे तटीय इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर नहीं जाएंगी मायावती

-बसपा सुप्रीमो ने कहा- उनकी सुरक्षा के चलते लोगों को होती है परेशानी

कोलकाता (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर न जाकर अपने निवास स्थान पर या पार्टी कार्यालय में ही श्रद्धा सुमन अर्पित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर की छह दिसम्बर को पुण्यतिथि है। इसके पहले बुधवार को उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर जाने पर उनकी (यानी मायावती) की सुरक्षा के व्यवस्था के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी वजह से उन्होंने यह तय किया है कि अब उन स्थलों पर नहीं जाएंगी। निवास स्थान या कार्यालय पर ही श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर उनके कारवां को आगे बढाने का संकल्प लेंगे ताकि बसपा के नेतृत्व में उनके आत्म सम्मान और स्वाभिमान का मूवमेंट सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करके मंजिल की ओर आगे बढ़ा जा सके।

मायावती ने पोस्ट में लिखा-'जैसा कि सर्वविदित है कि यूपी में मेरे नेतृत्व में चार बार बनी बसपा सरकार के दौरान 'बहुजन समाज' में समय-समय पर जन्मे उन महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों में भी ख़ासकर महात्मा ज्योतिबा फुले, राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज, श्री नारायणा गुरु, परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं मान्यवर कांशीराम आदि को कई रूपों में भरपूर आदर-सम्मान दिया गया है, जिनकी जातिवादी पार्टियों की रही सरकारों में यहां हमेशा उपेक्षा की गई व उनका तिरस्कार भी किया जाता रहा है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि इस क्रम में परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर पश्चिमी यूपी को छोड़कर, यूपी में पार्टी के लोग व उनके अनुयायी मेरे निर्देशानुसार आगामी 6 दिसम्बर को लखनऊ के विशाल एवं भव्य डा. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में और पश्चिमी यूपी, दिल्ली व उत्तराखण्ड स्टेट के लोग नोएडा में स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में अपने परिवार सहित भारी संख्या में पहुंचकर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे और उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर उनके कारवां को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लेंगे ताकि बसपा के नेतृत्व में उनके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मूवमेन्ट सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके मंज़िल की ओर आगे बढ़ सके। धन्यवाद।

राज्यसभा में हलाल सर्टिफिकेशन पर हुई गर्मा-गरम बहस

-मांस के अलावा दूध, चीनी, तेल और सीमेंट पर भी सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। शीतकालीन सत्र के दौरान बुधवार को राज्यसभा में हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर गर्मा-गरम बहस हुई। महाराष्ट्र से भाजपा सांसद डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने कहा, हलाल केवल मांस से संबंधित एक धार्मिक और आस्था-संकेतित प्रक्रिया है, लेकिन इसके दायरे को कई अन्य पदार्थों तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि मांस के अलावा दूध, चीनी, तेल और यहां तक कि सीमेंट, प्लास्टर और अन्य निर्माण सामग्री को भी हलाल सर्टिफिकेट दिया जा रहा है, जो अतार्किक और आशंकाओं को पैदा करने वाला है।

भाजपा सांसद डॉ. कुलकर्णी ने कहा, कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और यहां विभिन्न आस्थाओं के लोग रहते हैं। हलाल सर्टिफिकेशन केवल मुस्लिम आस्था से जुड़ा विषय है, लेकिन इसे अन्य लोगों पर थोपने से उनके धार्मिक विश्वासों का उल्लंघन होता है। उन्होंने कहा, हिंदू और सिख समुदाय के लोग हलाल मांस नहीं खाते, ऐसे में उनके लिए हलाल प्रमाणित मांस अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सही नहीं है।

सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि हलाल सर्टिफिकेशन देने वाली संस्थाओं द्वारा चार्जेस लगाए जाने से बाजार में कीमतें बढ़ती हैं और उपभोक्ताओं को अप्रत्यक्ष रूप से इसका भुगतान करना पड़ता है। उन्होंने इसे उपभोक्ता स्वतंत्रता और बाजार पारदर्शिता के लिए हानिकारक बताया। डॉ. मेधा ने मेडिकल अध्ययनों का हवाला देते हुए यह भी दावा किया कि हलाल प्रक्रिया से मांस में कुछ ऐसे रासायनिक तत्व उत्पन्न होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मांस पर हलाल सर्टिफिकेशन केवल सरकारी निकाय द्वारा दिया जाए, न कि किसी धार्मिक संस्था द्वारा। उनका यह भी कहना था कि गैर-मांस खाद्य पदार्थों और गैर-खाद्य वस्तुओं पर हलाल सर्टिफिकेशन देने का कोई आधार नहीं है और इससे धर्मनिरपेक्षता और संविधान के सिद्धांतों का उल्लंघन होता है। सांसद ने कहा कि इस तरह के कदम से उपभोक्ताओं की स्वतंत्रता बाधित होती है और सामाजिक रूप से मतभेद बढ़ सकते हैं।

अवैध घुसपैठिए भारत में किसी कानूनी अधिकार के हकदार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध रूप से देश में घुसे प्रवासी और घुसपैठिए भारत के किसी भी कानूनी अधिकार के हकदार नहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने यह टिप्पणी पांच रोहिंग्या अवैध प्रवासियों की गुमशुदगी से जुड़ी हैबियस कॉर्पस याचिका की सुनवाई के दौरान की। ये रोहिंग्या हिरासत में लिए जाने के बाद से लापता बताए जा रहे हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने रोहिंग्याओं को शरणार्थी कहकर संबोधित किया, जिस पर सीजेआई ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अदालत मानवीय आधार पर ही इनके मामले को देख रही है, लेकिन इससे उनका कानूनी दर्जा ÷शरणार्थी÷ नहीं हो जाता। सीजेआई ने तल्ख लहजे में पूछा, पहले आप अवैध तरीके से सीमा पार करते हैं - सुरंग खोदकर या बाड़ कूदकर भारत में घुसते हैं। फिर कहते हैं कि अब मैं आ गया हूं, तो मुझे भोजन, आश्रय, बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। क्या हम कानून को इतना खींचकर तोड़ना चाहते हैं?

प्रधान न्यायाधीश ने आगे कहा कि एक बार अवैध प्रवासी भारत में दाखिल हो जाते हैं, तो वे तुरंत संसाधनों पर दावा ठोकने लगते हैं। लेकिन भारत के अपने लाखों गरीब नागरिक हैं, जिनका इन सीमित संसाधनों पर पहला हक है, न कि अवैध घुसपैठियों का। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि हिरासत में किसी भी अवैध प्रवासी को यातना नहीं दी जा सकती। मानवीयता का तकाजा है कि उनके साथ अमानवीय व्यवहार न हो। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि देश का हर नागरिक, खासकर पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों में रहने वाले लोग, अवैध घुसपैठ की गंभीरता को समझते हैं। पीठ ने 2005 के ऐतिहासिक सरबानंद सोनोवाल मामले का जिक्र करते हुए याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने तब असम में बांग्लादेशी घुसपैठ को बाहरी आक्रमण की श्रेणी में रखा था और केंद्र को अनुच्छेद 355 के तहत राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता हैबियस कॉर्पस की आड़ में सरकार से डिपोर्टेशन प्रक्रिया, विदेशी सरकारों से बातचीत और गोपनीय सरकारी फाइलों की जानकारी मांग रहे हैं, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर निर्धारित करते हुए सभी संबंधित रोहिंग्या मामलों को एक साथ जोड़ने का फैसला किया।

इससे पहले मई 2024 में जस्टिस सुर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एन कोटिस्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली में रह रहे रोहिंग्या प्रवासियों के संभावित निर्वासन पर अंतरिम रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंसाल्विस और प्रशांत भूषण ने दलील दी थी कि म्यांमार लौटने पर रोहिंग्याओं का नरसंहार हो सकता है, इसलिए उन्हें भारत में रहने का अधिकार मिलना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने साफ कहा कि भारत में कहीं भी रहने का मौलिक अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है। विदेशी नागरिकों का नियमन विदेशी अधिनियम के तहत ही होगा।

रोहिंग्या मुद्दा लंबे समय से विवादास्पद रहा है। म्यांमार की सेना इन्हें बांग्लादेशी घुसपैठिया मानती है और नागरिकता देने से इनकार करती है। 2017 के बाद बड़े पैमाने पर उत्पीड़न से बचकर लाखों रोहिंग्या पहले बांग्लादेश और फिर वहां से भारत के विभिन्न हिस्सों, खासकर जम्मू, दिल्ली, हैदराबाद, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में पहुंचे। भारत इन्हें शरणार्थी का दर्जा देने से लगातार इनकार करता रहा है।

बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट में मारुति ई-विटारा ने किया धमाका..........5-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल की

मुंबई।

भारत में गाड़ियों के लिए अब माइलेज के साथ सुरक्षा भी बड़ा मानदंड बन चुका है, और इसी बीच मारुति सुजुकी ने बड़ा कारनामा किया है। कंपनी की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी 2025 मारुति ई-विटारा ने भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में धमाकेदार 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग पाई है। यह मारुति की चौथी कार है, जिसने बीएनसीएपी में इतनी शानदार रेटिंग हासिल की है। इसके पहले डिज़ायर, विक्टोरिस और इनविक्टो भी फुल 5-स्टार रेटिंग ले चुकी हैं।

हालांकि दिलचस्प बात यह है कि यूरो एनसीएपी टेस्ट में यही ई-विटारा 4-स्टार स्कोर पर रुकी थी, लेकिन भारत में हुए क्रैश टेस्ट में ई-विटारा ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (एओपी) में एसयूवी ने 32 में से 31.49 और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (सीओपी) में 49 में से 43 अंक हासिल किए।

64 किमी/घंटा की स्पीड पर किए गए फ्रंटल ऑफसेट टेस्ट में ई-विटारा को 16 में से 15.49, जबकि 50 किमी/घंटा पर साइड इम्पैक्ट टेस्ट में 16/16 स्कोर किया। डायनामिक टेस्ट में बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कोर 24/24 रहा, जिससे यह साबित होता है कि एसयूवी बच्चों और बड़ों दोनों को बेहतर सुरक्षा देती है।

सुरक्षा फीचर्स के हिसाब से ई-विटारा में 7 एयरबैग, लेवल-2 एडीएएस, 360-डिग्री कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, ईएससी, आईएसओएफआईएक्स माउंट्स और पार्किंग

सेंसर जैसे फीचर्स से लैस हैं। अगस्त 2025 से इसका प्रोडक्शन गुजरात प्लांट में शुरू हो गया है और कीमत करीब 17 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रहने की उम्मीद है। लांच पर यह महिंद्रा बीई.6, हुंडई क्रेटा ईवी, एमजी जेएस ईवी और टाटा कर्व ईवी को कड़ी चुनौती देगी।

आम आदमी को आरबीआई दे सकती है राहत, बैठक में रेपो रेट पर होगा फैसला

5 दिसंबर को आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा फैसला सुनाएंगे

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक बुधवार से शुरू हो गई है और ये बैठक 5 दिसंबर चलेगी। छह सदस्यों वाली इस समिति की अध्यक्षता नए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा कर रहे हैं। इस बैठक में रेपो रेट, बाजार में पैसे की स्थिति आने वाले समय में महंगाई का अनुमान और देश की आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य पर फैसला लेंगे और इसके बारे में 5 दिसंबर को आरबीआई गवर्नर फैसला सुनाएंगे। अगर इस बार रेपो रेट कम होता है तो इससे आम आदमी की जेब पर बोझ घट जाएगा। अक्टूबर वाली एमपीसी बैठक में आरबीआई की समिति ने रेपो रेट को 5.5फीसदी पर ही रखने का फैसला किया था यानी कोई बदलाव नहीं हुआ था। गवर्नर ने कहा कि महंगाई काफी कम हो गई है, इसलिए समिति को भरोसा है कि रेट अभी ऐसे ही रखना सही रहेगा। मतलब अक्टूबर में लोन की ईएमआई और कर्ज की किस्तों में फिलहाल कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। पिछली बैठक में आरबीआई ने इस वित्त वर्ष के लिए महंगाई का लक्ष्य अनुमान घटाकर सिर्फ 2.6फीसदी कर दिया था, जो पहले 3.1फीसदी था यानी महंगाई पहले के हिसाब से काफी कम रहने वाली है। अगस्त की बैठक में भी अनुमान 3.7 फीसदी से घटाकर 3.1फीसदी किया गया था। मतलब लगातार महंगाई के आंकड़े नीचे आ रहे हैं, जिससे आम आदमी को चीजों के दाम बढ़ने की कम चिंता होगी और ब्याज दरें भी जल्दी कम होने की उम्मीद है। एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर की आरबीआई मौद्रिक नीति बैठक पर सबसे बड़ा असर महंगाई के बहुत तेज़ी से नीचे आने का है। घरेलू हालात अभी भी मजबूत हैं, लेकिन अमेरिका ने भारत के सामान पर 50फीसदी तक टैरिफ लगा रखा है और ट्रेड डील पर अभी भी बात चल रही है, ये बड़ी चिंता की बात है यानी अंदर से सब ठीक दिख रहा है, लेकिन बाहर का दबाव रेपो रेट घटाने के फैसले को प्रभावित कर सकता है।

ट्रंप के टैरिफ अटैक के कारण टूट रहा रुपया........90 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से नीचे

नई दिल्ली।

भारतीय रुपया बुधवार को 90 रुपये प्रति डॉलर के अहम मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे पहुंच गया। व्यापार और निवेश के लिए डॉलर का निकलना और कंपनियों द्वारा आगे की कमजोरी से बचाव (हेजिंग) की होड़ ने मुद्रा पर दबाव बनाया है और इस तरह आठ महीने से जारी गिरावट को बढ़ा दिया है। रुपया इस साल अब तक डॉलर के मुकाबले 5 प्रतिशत गिरकर एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं बन गया है। भारत के सबसे बड़े बाजार अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक के उच्च शुल्क (टैरिफ) के कारण निर्यात प्रभावित हुआ है, इससे विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय शेयरों का आकर्षण कम हुआ है।

वैश्विक स्तर पर पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह (पैसे की निकासी) से सबसे ज्यादा प्रभावित बाजारों में भारत शामिल है।

इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में करीब 17 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की है। पोर्टफोलियो निवेश में कमजोरी के साथ ही प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में भी मंदी आई है, जिससे दबाव और बढ़ा है।

हाई अमेरिकी टैरिफ और सोने के आयात में तेज उछाल ने अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा (मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट) रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाया है। साथ ही, घरेलू कंपनियों के विदेशी कर्ज और बैंकों में गैर-निवासी भारतीयों (एनआरआई) के जमा खातों से होने वाली डॉलर आपूर्ति भी कम हुई है।

बैंकरों और व्यापारियों का कहना है कि रुपये में गिरावट के हर चरण ने, विशेष रूप से आयातकों की तरफ से, ताजा डॉलर मांग पैदा की है, जबकि निर्यातक डॉलर बेचने से अभी भी हिचकिचा रहे हैं। सार्थक पूंजी प्रवाह के अभाव में यह असंतुलन रुपये को असुरक्षित छोड़ रहा है।

हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपये में गिरावट की रफ्तार धीमी करने के लिए बीच-बीच में हस्तक्षेप किया है, लेकिन बैंकरों का मानना है कि डॉलर की मांग का पैमाना और उसकी निरंतरता मुद्रा पर दबाव बनाए हुए है। आरबीआई के रुपये को सहारा देने के प्रयास विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और फॉरवर्ड बाजार में शॉर्ट डॉलर पोजीशन के 5 महीने के उच्च स्तर (63.4 अरब डॉलर) पर पहुंचने में परिलक्षित होते हैं।

अडाणी एयरपोर्ट कारोबार को शेयर बाजार में लिस्ट करने की तैयारी में

कंपनी करीब 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा निवेश करेगी

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप अगले पांच साल में अपने सभी एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। कंपनी करीब 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा निवेश करेगी। इस निवेश के बाद अडाणी समूह के एयरपोर्ट हर साल 200 मिलियन यानी 20 करोड़ यात्रियों को संभाल सकेंगे। यह कदम इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि भारत में हवाई यात्रा बहुत तेजी से बढ़ रही है और कंपनी अपने एयरपोर्ट कारोबार को शेयर बाजार में लिस्ट करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी ग्रुप नवी मुंबई एयरपोर्ट में बड़े पैमाने पर काम कर रहा है। यह एयरपोर्ट 25 दिसंबर को शुरू हो सकता है। यहां नए यात्री टर्मिनल बनाए जा रहे हैं, टैक्सीवे को बढ़ाया जाएगा और एक नई रनवे भी बनाई जाएगी ताकि ज्यादा उड़ानों को सुरक्षित तरीके से संचालित किया जा सके। इसके साथ ही कंपनी अहमदाबाद, जयपुर, तिरुवनंतपुरम, लखनऊ और गुवाहाटी एयरपोर्ट की क्षमता भी बढ़ाएगी। इन एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए और बेहतर सुविधाएं, ज्यादा स्पेस और सुचारू संचालन के लिए जरूरी ढांचे में सुधार किए जाएंगे। इस पूरे विस्तार प्रोजेक्ट के लिए जो 15 बिलियन डॉलर की राशि चाहिए, उसमें से करीब 70 फीसदी पैसा कर्ज के रूप में जुटाया जाएगा। कंपनी यह कर्ज अगले पांच साल के दौरान लेगी। बाकी का पैसा कंपनी अपनी ओर से लगाएगी जिसे इक्विटी कहा जाता है। इस तरह बड़े पैमाने पर स्ट्रक्चर सुधार का खर्च पूरा किया जाएगा। भारत में अगले वर्षों में हवाई यात्रा काफी तेजी से बढ़ने वाली है। उम्मीद है कि 2030 तक देश में हर साल 300 मिलियन यानी तीस करोड़ लोग उड़ान भरेंगे। अडाणी ग्रुप अपनी क्षमता को 200 मिलियन तक बढ़ाकर इस पूरे विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। इससे कंपनी की पकड़ भारतीय विमानन बाजार पर मजबूत होगी और उसकी एयरपोर्ट यूनिट का आईपीओ और भी आकर्षक बन जाएगा। इस बड़े प्लान में नवी मुंबई एयरपोर्ट की 20 मिलियन यात्रियों की क्षमता और गुवाहाटी एयरपोर्ट की 11 मिलियन क्षमता शामिल नहीं है। मतलब ये दोनों एयरपोर्ट पहले से अलग गिने गए हैं, और जो नया विस्तार हो रहा है वह इस अलग हट कर है।

एपिस इंडिया के शेयरधारकों की बल्ले-बल्ले......... हर 1 शेयर पर 24 फ्री शेयर देगी

एपिस इंडिया ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025 तय

मुंबई ।

मल्टीबैगर कंपनी एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा देने वाली है। एफएमसीजी कंपनी एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को 24ः1 के रेशियो में बोनस शेयर बांटने वाली है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 24 फ्री शेयर बांटेगी। एपिस इंडिया ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025 तय की है। कंपनी अपने निवेशकों को दूसरी बार बोनस शेयर का तोहफा दे रही है। एपिस इंडिया के शेयरों में पिछले कुछ साल में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर 5500 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं। मल्टीबैगर कंपनी एपिस इंडिया के शेयर 5593 प्रतिशत उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 13 अक्टूबर 2022 को 20.25 रुपये पर थे।

एपिस इंडिया के शेयर 1 दिसंबर 2025 को बीएसई में 1152.75 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 4376 प्रतिशत की जोरदार तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले दो साल में एपिस इंडिया के शेयर 1303 प्रतिशत उछल गए हैं। इस साल 11 अप्रैल के बाद से कंपनी के शेयरों में 311 प्रतिशत की तेजी आई है। एपिस इंडिया के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1152.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 280.40 रुपये है। एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को पहले भी बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है।

कंपनी ने दिसंबर 2010 में अपने निवेशकों को 323ः100 के अनुपात में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 100 शेयर पर 323 बोनस शेयर बांटे थे। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 74.72 प्रतिशत है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 25.28 पर्सेंट है। एपिस इंडिया का मार्केट कैप 635 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली । भारतीय रुपया बुधवार को 25 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 90.19 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज पहली बार 90 रुपये के स्तर के ऊपर पहुंच गया। आज शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे नीचे आकर 90.05 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर फिसल गया। इससे वह और कमजोर हुआ है। अमेरिका के साथ व्यापार और पोर्टफोलियो में आई कमजोरी के साथ ही कारोबारी करार नहीं होने से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इससे पहले मंगलवार को रुपया इंट्रा-डे कारोबार में 89.94 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा और नियमित स्पॉट ट्रेडिंग के बाद इंटरबैंक ऑर्डर-मैचिंग प्लेटफॉर्म पर 90 प्रति डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया। भारतीय रिजर्व बैंक पांचवें कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया नीचे आया है।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड को आईपीओ के लिए सेबी से मिली मंजूरी

रांचीः मुंबई स्थित आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड को पूँजी बाजार नियामक सेबी (सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) से इसके इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए अंतिम मंजूरी मिल गई है।

कंपनी ने 8 जुलाई, 2025 को सेबी के पास अपने आईपीओ दस्तावेज जमा किए थे।

यह आईपीओ प्रमोटर- प्रुडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स द्वारा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के रूप में होगा।

डीआरएचपी जमा करने की तारीख तक कंपनी का सब्सक्राइब्ड और पेड-अप शेयर कैपिटल 17,652,090 इक्विटी शेयर था। इसकी फेस वैल्यू 1 रुपए है। प्रस्तावित बोनस इश्यू पूरा होने के बाद कंपनी की जारी, सब्सक्राइब्ड और पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 176,520,900 इक्विटी शेयरों से बढ़कर 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 494,258,520 इक्विटी शेयर हो जाएगी।

प्रस्तावित बोनस इश्यू होने के बाद (यदि होता है), तो प्रुडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स द्वारा ऑफर किए जाने वाले शेयरों की संख्या अधिकतम 49,425,852 इक्विटी शेयर होगी। हर शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपए ही रहेगी।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एएमसी, आईसीआईसीआई बैंक और प्रुडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स लिमिटेड का जॉइंट वेंचर है, जो 1998 से चल रहा है। यह कंपनी म्यूचुअल फंड के सक्रिय क्वार्टरली एवरेज एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (क्यूएएयूएम) के आधार पर भारत की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 31 मार्च, 2025 तक 13.3% है (सोर्सः क्रिसिल रिपोर्ट)। 31 मार्च, 2025 तक कंपनी का कुल म्यूचुअल फंड क्यूएएयूएम 8,79,410 करोड़ रुपए था।

31 मार्च, 2025 तक, कंपनी के पास भारत में एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स के क्यूएएयूएम का सबसे अधिक मार्केट शेयर 13.4% था (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)। इसके इक्विटी-ओरिएंटेड हाइब्रिड स्कीम्स का भी 31 मार्च, 2025, 2024 और 2023 तक भारत में सबसे बड़ा मार्केट शेयर था (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)।

31 मार्च 2025 तक, कंपनी के पास इक्विटी-ओरिएंटेड हाइब्रिड स्कीम्स के क्यूएएयूएम का म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे अधिक मार्केट शेयर 25.3% था (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)। 31 मार्च, 2025 तक, कंपनी का म्यूचुअल फंड मंथली एवरेज एसेट अंडर मैनेजमेंट (एमएएयूएम), जो व्यक्तिगत निवेशकों (रिटेल निवेशक और हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स सहित) से संबंधित था, 5,65,820 करोड़ रुपए था।

यह भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे अधिक व्यक्तिगत निवेशक एमएएयूएम था, जिसका मार्केट शेयर 13.8% था (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)। म्यूचुअल फंड बिजनेस के अलावा, कंपनी का अल्टरनेट्स बिजनेस भी तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस), अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ) का मैनेजमेंट और ऑफशोर क्लाइंट्स को एडवाइजरी सर्विसेज (पीएमएस, एआईएफ और एडवाइजरी को सामूहिक रूप से अल्टरनेट्स कहा जाता है) शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी का ऑपरेशंस से मिला रेवेन्यू 4,977.3 करोड़ रुपए था, जबकि वित्तीय वर्ष 2023 में यह 2,837.4 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2,650.6 करोड़ रुपए था, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 1,515.8 करोड़ रुपए था।

एसबीआई बैंक के शेयरों में 2025 की शुरुआत से अब तक 25 फीसदी की बढ़त

ब्रोकरेज का अनुमान एसबीआई शेयर में तेजी आगे भी जारी रह सकती है

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों ने 2025 में निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक ने 2025 की शुरुआत से अब तक करीब 25 फीसदी की बढ़त दर्ज की है और इसने निफ्टी 50 इंडेक्स में शामिल प्राइवेट सेक्टर के सभी बैंकों को पीछे छोड़ दिया है। एसबीआई शेयर में तेजी पिछले कुछ सालों से जारी है। साल 2023 में इस शेयर में 5फीसदी का उछाल आया था तो 2024 इसने 23फीसदी रिटर्न दिया था। एसबीआई शेयर में तेजी आगे भी जारी रह सकती है, ऐसा ब्रोकरेज का अनुमान है। यही वजह है कि ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए, एचएसबीसी, एक्सिस सिक्योरिटीज और नोमूरा ने एसबीआई शेयर को 'बाय' रेटिंग दी है। एसबीआई शेयर में आई तेजी की वजह बैंकिंग सेक्टर में मौलिक सुधार, आर्थिक स्थिरता और बेहतर क्रेडिट साइकल है। घरेलू और वैश्विक स्तर पर संस्थागत निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी भी एसबीआई की वैल्यूएशन को सपोर्ट कर रही है। बाजार जानकारों का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत बने रहने, हाल में हुए जीएसटी स्लैब कटौती से उपभोक्ता खर्च में उछाल की संभावना और भारतीय रिजर्व बैंक का 2026 में जीडीपी ग्रोथ 6.8फीसदी और 2027 में 6.6 फीसदी रहने का अनुमान बैंकिंग सेक्टर के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार कर रहा है और इसका सबसे ज्यादा फायदा एसबीआई को होगा। फोर्ट कैपिटल के पराग ठक्कर का कहना है कि एसबीआई बैंक की 43 लाख करोड़ की लोन बुक भारत की कुल लोन बुक का करीब 23-24 फीसदी है, जबकि एसबीआई अभी भी 12-14फीसदी की गति से बढ़ रहा है और क्रेडिट कॉस्ट मात्र 50 बेसिस पॉइंट है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 31.46 अंक टूटकर 85,106.81 अंकों पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.20 अंक फिसलकर 25,986.00 अंकों पर बंद हुआ। आज ज्यादातर कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। वहीं गत दिवस भी बाजार नीचे आया था।

बुधवार को सेंसेक्स की 30 में से केवल 10 कंपनियों के शेयरों में ही बढ़त रही। वहीं शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर नीचे आये। इसी तरह निफ्टी की 50 में से केवल 13 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि बची हुई सभी 37 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 1.41 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि बीईएल के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.13 फीसदी नीचे आये।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज आईसीआईसीआई बैंक , एचडीएफसी बैंक , इंफोसिस, एक्सिस बैंक , टेक महिंद्रा , पावरग्रिड , एचसीएल टेक के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि आज महिंद्रा एंड महिंद्रा , टाइटन , एनटीपीसी, एसबीआई , अडाणी पोर्ट्स 1.13 , टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स , बजाज फिनसर्व आदि के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुलने के बाद नीचे आये। सेंसेक्स हल्की तेजी के साथ ही 85,150 अंक पर खुला। खुलने के कुछ ही देर में इसमें गिरावट आने लगी। सुबह ये 197.27 अंक करीब 0.23 फीसदी फिसलकर 84,941 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी सपाट रुख के साथ तकरीबन 26,004

अंक पर खुला। यह 26 हजार के स्तर से नीचे आया है। सुबह यह 57.85 अंक करीब 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ ही 25,974 पर कारोबार कर रहा था। ज्यादातर एशियाई बाजार बुधवार को हरे निशान पर थे। वॉल स्ट्रीट में टेक्नोलॉजी शेयरों में उछाल और क्रिप्टोकरेंसी में तेजी से एशियाई बाजारों पर भी दिखा। जापान का निक्केई 225 0.76 फीसदी बढ़ा। हालांकि व्यापक टॉपिक्स 0.31 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया में कोस्पी 1.06 फीसदी ऊपर आया जबकि ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स में 200 0.32 फिसदी मजबूती आई।अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स एशिया के शुरुआती कारोबार में स्थिर रहे। प्रमुख अमेरिकी बेंचमार्क आज उछाल के बाद टिके रहे। डॉव 0.39 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 में 0.25 फीसदी की बढ़त हुई और नैस्डैक 0.59 फिसदी उछला।

अमेरिका में की 18 ट्रिलियन डॉलर निवेश की घोषणा, महंगाई में आएगी कमी

-ट्रंप का दावा- उनके कार्यकाल में अर्थव्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा सुधार हुआ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा सुधार हुआ है। अमेरिका में अभी तक करीब 18 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के निवेश की नई घोषणाएं की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि महंगाई में कमी आ रही है और टैक्स को लेकर बड़े बदलाव हुए हैं। यह सब अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के पेशेवरों, कारोबारियों और टेक्नॉलॉजी क्षेत्र के लोगों के लिए खास महत्व रखता है। एक लम्बी कैबिनेट बैठक में ट्रंप ने पिछली सरकार की आर्थिक स्थिति की तुलना अपने कामकाज से की और कहा कि यह साल कई रिकॉर्ड तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 10 महीने में 18 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के निवेश कमिटमेंट हासिल हुए हैं, जो इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। ट्रेजरी सेक्रेटरी ने कहा कि देश में कंपनियों और निवेशकों का पैसा तेजी से आ रहा है, जिससे कंपनियों का पूंजी खर्च करीब 15 फीसदी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सरकार के बड़े टैक्स सुधार जिसे ट्रंप ने ÷वन बिग, ब्यूटिफुल बिल÷ कहा है। उसके कारण कंपनियों को 100 फीसदी खर्च घटाने की सुविधा मिली है और टिप, ओवरटाइम और सोशल सिक्योरिटी पर टैक्स हटा दिया गया है। ट्रेजरी सेक्रेटरी के मुताबिक इससे आम अमेरिकियों की जेब में ज्यादा पैसा जाएगा और महंगाई से राहत मिलेगी। भारतीय-अमरीकी कारोबारी, इंजीनियर, आईटी विशेषज्ञ, छोटे मैन्युफैक्चरर और डॉक्टर अमेरिका के उच्च-कौशल क्षेत्रों में बड़ी संख्या में हैं। वे इन टैक्स सुधारों, नियमों में ढील और बड़े निवेश पर नजर रखे हुए हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी ने उन बदलावों के बारे में बताया जो ऑटो, टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर और फार्मास्यूटिकल्स सहित उन इंडस्ट्रीज़ पर सीधे असर डाल सकते हैं जिनमें इंडियन अमेरिकन की अहम हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने वैश्विक व्यापार का नक्शा बदल दिया है और सेमीकंडक्टर उद्योग में 300 बिलियन डॉलर का निवेश घोषित हो चुका है, जो अगले 60 दिनों में 750 बिलियन डॉलर पहुंच सकता है।

भारत के उत्पादन सेक्टर को मजबूत करने के लिए नवाचार और दक्षता है जरूरी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के इंडियाएज 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवाचार, गुणवत्ता, डिजाइन, स्थिरता और दक्षता के महत्व पर जोर दिया, जो भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धा के प्रमुख चालक हैं।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में उन क्षेत्र की पहचान करने की जरूरत पर जोर दिया, जहां घरेलू क्षमता और आपूर्ति श्रृंखला पर ज्यादा नियंत्रण जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि विनिर्माण उत्पादन बढ़ाने के लिए उद्योग का साथ मिलना बहुत जरूरी है कहा कि विनिर्माण में विकास से सेवाओं में विकास और तेज होगी। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश की आर्थिक तरक्की में मदद करने के लिए एक साफ विजन के साथ काम कर रही है।

उन्होंने खेती, सर्विस और उत्पादन में हाल के विकास के रुझान का जिक्र किया। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि देश का विनिर्माण आउटपुट इलेक्ट्रॉनिक्स, व्हाइट गुड्स, केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स जैसे नए एरिया में विविधता हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कारोबार बढ़ाने के लिए उत्पादन में तेजी लाने पर सेशन को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, जिससे हम कई उत्पाद श्रेणी में आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि ज्यादा मजबूती बनाने के लिए हमें सप्लाई चेन को अपने नियंत्रण में लेना होगा। गोयल ने कहा कि हमने कृषि, सेवाएं और विनिर्माण में तेज ग्रोथ देखी है, हम लगभग हर क्षेत्र में आगे बढ़े हैं।

द. पू. रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या : एसईआर-ओएचई-केजीपी-एडीआरए-पीआरआर-2x25 केवी। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य विद्युत अभियंता (परियोजना), दक्षिण पूर्व रेलवे, कोलकाता-700015 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम और उसका स्थान:** 3000 मीट्रिक टन लोडिंग को पूरा करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल के खड़गपुर (सहित)-आद्रा (सहित)-पुरुलिया (छोड़कर) खंड के लिए 1x25 केवी से 2x25 केवी ट्रैक्शन प्रणाली में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन हेतु डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, जांच और शुरुआत। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 185,02,30,454.77। **बोली प्रतिभूति :** रु. 94,01,200। **निविदा दस्तावेजों की लागत:** शून्य। **कार्य पूरा करने की अवधि :** 24 महीना। **प्रस्ताव की वैधता :** निविदा खुलने की तारीख से 120 दिन। **जिज्ञासाएं प्राप्त करने की आखिरी तारीख:** 19.12.2025। **पूर्व बोली बैठक :** 23.12.2025 को सुबह 11.30 बजे। **भौतिक रूप से सभी दस्तावेज जमा करना :** 19.01.2026। **निविदा बंद होने की तारीख :** 20.01.2026 (दोपहर 2.00 बजे भारतीय मानक समय)। वेबसाइट का विवरण जहां निविदा का सम्पूर्ण विवरण देखा जा सकता है : **www.ireps.gov.in** (PR-905)

रायपुर में 'किंग कोहली' का जलवा, 53वें शतक से रचा इतिहास, गायकवाड़ ने भी दिखाया दम

रांची (एजेंसी)। विराट कोहली ने बुधवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे वनडे के दौरान अपना 53वां वनडे शतक लगाया। यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में लगातार दूसरा शतक भी था। पहले वनडे में, कोहली ने रांची में भारत की 17 रनों की जीत में 120 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्कों की मदद से 135 रन बनाए थे।

37 वर्षीय दिग्गज बल्लेबाज ने 90 गेंदों में अपना 53वां वनडे शतक पूरा किया। कुल मिलाकर, यह भारतीय महान का 84वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। वह सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में महान सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक हैं। उन्होंने रुतुराज गायकवाड़ के साथ चौथे विकेट के लिए 195 रनों की शानदार साझेदारी की। रुतुराज गायकवाड़ ने भी अपना पहला वनडे शतक जड़ा। रायपुर में इस स्टार बल्लेबाज़ ने 77 गेंदों में शतक पूरा किया।

उन्होंने 83 गेंदों पर 105 रन बनाकर अपना पहला वनडे शतक जड़ा। कोहली की तरह, गायकवाड़ ने भी स्ट्राइक रेट से समझौता नहीं किया और बीच में कुछ बेहतरीन शॉट खेले। मैच के 36वें ओवर में मार्को जेनसन ने उन्हें आउट कर दिया। गौरतलब है कि दोनों ने 195 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत दूसरे वनडे में बढ़त बना पाया। वे बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे और इसी के लिए केएल राहुल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया है।

कोहली ने 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाए। इससे पहले, यशस्वी जायसवाल (22) और रोहित शर्मा (14) सस्ते में आउट हो गए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बावुमा और महाराज को पहले मैच में आराम दिया गया था, लेकिन इस मैच में दोनों की वापसी हुई है।

हार्दिक टी20 में 300 छक्के लगाने वाले धोनी के बाद दूसरे खिलाड़ी बने

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी ऑलराउंडर पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया। हार्दिक ने पंजाब के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में अपनी 42 रनों की पारी में चार छक्के लगाने के साथ ही टी20 क्रिकेट में अपनी 300 छक्के पूरे कर लिए। इसी के साथ ही हार्दिक भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरी खिलाड़ी बन गये हैं। यह उपलब्धि हार्दिक की पावर-हिटिंग क्षमता और लगातार सुधारते प्रदर्शन को दर्शाती है।

हार्दिक बड़ौदा की ओ से इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में पहला छक्का लगाते ही उनके 300 छक्के पूरे हो गये। हार्दिक का यह प्रदर्शन दिखाता है कि अब वह फिट हो गये हैं। हार्दिक अब भारत के दूसरे खिलाड़ी हैं जिन्होंने टी20 क्रिकेट में बिना एक भी शतक लगाए 300 या उससे अधिक छक्के लगाए हैं। उनका टी20 करियर का सर्वोच्च स्कोर 91 रन है, और अब तक वे 268 पारियों और 309 मैचों में कुल 303 छक्के उनके नाम हैं। यह उपलब्धि बताती है कि हार्दिक सिर्फ एक ऑलराउंडर नहीं, बल्कि एक दमदार फिनिशर और पावर-हिटर भी हैं। वही धोनी ने 355 टी20 पारियों में बिना शतक लगाए 350 छक्के लगाए थे।

आईपीएल 2026 नीलामी : इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पर होगी पैसों की बारिश, बन सकते हैं सबसे महंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 के मिनी ऑक्शन से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे चर्चित नामों में शामिल हो गए हैं। माना जा रहा है कि इस बार वह ऑक्शन के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। टीम इंडिया के सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी भविष्यवाणी की है कि ग्रीन इस सीजन में बड़ी बोली हासिल कर सकते हैं।

अश्विन ने बताया ग्रीन को 'जैकपॉट खिलाड़ी'

अश्विन के अनुसार, इस साल आंद्रे रस्सेल और ग्लेन मैक्सवेल जैसे विस्फोटक विदेशी ऑलराउंडर उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजियां तेज गेंदबाजी करने वाले और मिडिल ऑर्डर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी की तलाश में सीधे कैमरन ग्रीन पर नजरें टिकाएंगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'कैमरन ग्रीन को कह दो कि सिडनी हार्बर के पास 4-5 एकड़ जमीन बुक कर लें। इस बार ऑक्शन में न रस्सेल हैं, न मैक्सवेल। ऐसे में ग्रीन और लियाम लिविंगस्टोन दोनों के लिए बड़ा जैकपॉट तैयार है।'

क्यों है ग्रीन की वैल्यू इतनी ज्यादा?

कैमरन ग्रीन इस समय दुनिया के सबसे 'कम्प्लीट' टी20 खिलाड़ियों में गिने जाते हैं- धाकड़ मिडिल-ऑर्डर हिटर, 140+ किमी/घं. की रफ्तार से गेंदबाजी, शानदार फील्डिंग, युवा और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट। 2025 में उनके लगातार उत्कृष्ट टी20 प्रदर्शन ने उनके मूल्य को और बढ़ा दिया है। ग्रीन ने 40+ की औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो टी20 में बेहद दुर्लभ है।

आईपीएल में अब तक का प्रदर्शन

सिर्फ दो सीजन में ही कैमरन ग्रीन ने अपना दम दिखा दिया है: 29 मैच, 707 रन, 1 शतक, 16 विकेट। ग्रीन ने प्रेशर सिचुएशन में भी मैच जिताने वाली पारियां खेली हैं और जरूरत के हिसाब से आक्रामक या एंकर दोनों भूमिकाएं निभाई हैं। यही वजह है कि कई टीमें उन्हें अपने 'ड्रीम साइनिंग' के रूप में देख रही हैं।

हार्दिक पांड्या की वापसी, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी: दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति ने 9 दिसंबर से कटक में शुरू हो रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे, टीम में वापसी कर चुके हैं। पांड्या सितंबर में एशिया कप 2025 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के सुपर फोर मुकाबले के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी20आई खेलेंगे। पांड्या चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के फाइनल और ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से चूक गए थे।

हाल ही में, भारतीय ऑलराउंडर पांड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित की। रिंकू सिंह, जो ऑस्ट्रेलिया के टी20आई के लिए टीम का हिस्सा थे, को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने वाले शुभमन गिल को चोट के कारण दूसरे टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया गया है।

हालांकि, गिल को घरेलू मैदान पर प्रोटियाज के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज़ में भाग लेने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से अपनी फिटनेस मंजूरी लेनी होगी। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज़ का पहला टी20आई 9 दिसंबर को कटक में प्रोटियाज के खिलाफ खेलेगी। मुलनपुर 11 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20आई की मेजबानी करेगा। तीसरा टी20आई 14 दिसंबर को धर्मशाला में और चौथा 17 दिसंबर को लखनऊ में खेला जाएगा। अहमदाबाद 19 दिसंबर को सीरीज़ के पांचवें और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ में टीम इंडिया का 2-0 से सफाया कर दिया था। भारत तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में 1-0 से आगे चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज़ के लिए भारतीय टीम:

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान)*, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

भारतीय टीम ने 20 वीं बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया

रायपुर । भारतीय क्रिकेट टीम ने 20 वीं बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम के टॉस हारते ही ये नया रिकार्ड बना। भारतीय टीम के टॉस हारने का यह सिलसिला 2023 वर्ल्ड कप फाइनल से शुरू हुआ था और दो साल बाद भी नहीं टूटा है जबकि इस बीच कप्तान भी बदल गये हैं। कप्तान चाहे रोहित शर्मा हों, शुभमन गिल हों या केएल राहुल, टॉस लगातार हारते गये है। हैरानी की बात है कि टॉस 20 बार लगातार हारने की संभावना सिर्फ 0.00000095, यानी 10 लाख में एक मानी जा रही है। टॉस हारने के बाद मैच में कप्तानी कर रहे के एल राहुल ने मजाकिया लहजे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो सबसे ज्यादा दबाव टॉस का ही है। हम काफी समय से टॉस नहीं जीते। मैं अभ्यास रहा हूं, लेकिन साफ है कि यह काम नहीं कर रही।

केकेआर को खलेगी रसेल की कमी, बेहद प्रभावशाली रहे हैं आंकड़े

जैमैका । वेस्टइंडीज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब आईपीएल में खेलते नजर नहीं आयेंगे। रसेल आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते थे और उनके आंकड़े काफी प्रभावी रहे हैं। ऐसे में उनके नहीं होने की कमी टीम को खेलेगी। इसी कारण टीम के मालिक शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर लंबा और भावुक संदेश लिखकर उनकी सेवाओं को सलाम किया है। रसेल ने आईपीएल के 140 मुकाबलों की 115 पारियों में कुल 2651 रन बनाये हैं। इनका स्ट्राइक रेट 174.17 रहा है। उन्होंने 186 चौके, 223 छक्के लगाये हैं और गेंदबाजी के दौरान 123 विकेट लिए हैं। रसेल साल 2014 से ही केकेआर में शामिल रहे और अपनी आक्रामक बल्लेबाज़ी व कसी हुई गेंदबाज़ी से मैच विजेता साबित हुए। 174.17 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट की बदलौत वह टी 20 के सबसे खतरनाक फिनिशर बने। उन्होंने अपने करियर में 12 अर्धशतक, 186 चौके और 223 छक्के लगाये। केवल बल्लेबाज़ी ही नहीं, गेंदबाज़ी में भी रसेल ने अपनी ताकत दिखायी। उन्होंने आईपीएल में कुल 123 विकेट हासिल किए और कई अवसरों पर टीम को परेशानी से निकाला। उनके इसी ऑलराउंड प्रदर्शन के कारण ही केकेआर की टीम में वह गेम-चेंजर के तौर पर भी जाने जाते हैं। रसेल अब केकेआर में पावर कोच के तौर पर दिखेंगे। इसी को देखते हुए शाहरुख ने कहा कि तुम हमेशा हमारे योद्धा रहोगे। अब पावर कोच के रूप में टीम के खिलाड़ियों को अपनी ताकत, अनुभव और सफलता के राज़ सिखाओ।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दिन-रात का दूसरा एशेज टेस्ट आज से

गाबा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से यहां के गाबा मैदान में गुलाबी गेंद से शुरु होने वाले एशेज के दिन-रात के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में इंग्लैंड का लक्ष्य जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में सलामी बल्लेबाज अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा के फिट नहीं होने के कारण उनकी जगह पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस को शामिल कर सकती है। इंग्लिस अच्छे बल्लेबाज हैं औरा टीम के मध्य क्रम को मजबूती देंगे। वहीं ट्रैविस हेड और नये बल्लेबाज जेक वेदराल्ड पारी शुरु करेंगे। इस मैच में भी टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ के पास ही रहेगी। स्मिथ ने माना है कि ख्वाजा का नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका है पर उनका मानना है कि ख्वाजा जल्द वापसी के लिए मेहनत कर रहे हैं। स्मिथ ने यह भी जोड़ा कि गाबा टेस्ट के बाद ख्वाजा के भविष्य को लेकर चयनकर्ता फैसला लेंगे। हालांकि स्मिथ ने विश्वास जताया कि ख्वाजा अभी भी टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम नई रणनीति और नए खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरेगी।

दूसरी ओर, इंग्लैंड की राह भी आसान नहीं है। तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने की चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ऑलराउंडर विल जैक्स को शामिल किया गया है, जिससे इंग्लैंड पिंक बॉल की परिस्थितियों में गेंदबाजी में विविधता लाने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड का लक्ष्य सीरीज को बराबरी पर लाना होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया अपनी बढ़त को बनाये चाहेगी। गाबा की उछालभरी पिच पर इस मैच में एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर।

इंग्लैंड टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

जूनियर विश्व कप हॉकी 2025 के क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय टीम, शुक्रवार को बेल्जियम से खेलेगी

चेन्नई । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां भारतीय हॉकी टीम का सामना बेल्जियम से होगा इससे पहले भारतीय टीम ने राउंड रॉबिन लीग स्तर में स्विट्जरलैंड पर 5-0 से जीत दर्ज करने के साथ ही अपने अब तक के सभी मुकाबले जीत लिए। अब भारतीय टीम का सामना 5 दिसंबर को बेल्जियम से होगा। वहीं इससे पहले हुए मुकाबलों में भारतीय टीम ने चिली को 7-0 से जबकि ओमान को 17-0 से हराया। स्विट्जरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने शुरुआत में ही गोल दाग दिया। मनमीत सिंह ने दूसरे ही मिनट में एक गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। उन्होंने 11वें मिनट में एक और शानदार मैदानी गोल कर इस बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद शारदा नंद तिवारी ने 13वें मिनट में एक गोल कर टीम को 3-0 की बढ़त दिला दी। वहीं 28वें मिनट अर्शदीप सिंह ने गोल दागते हुए भारत को 4-0 से आगे कर दिया। अर्शदीप ने इससे पहले ओमान के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। स्विट्जरलैंड की टीम ने भी हमले किये जिसे भारतीय रक्षापंक्ति और गोलकीपर ने विफल कर दिया। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे क्वार्टर में भी अपनी लय बरकरार रखी। शारदा नंद ने मुकाबले के 54वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए अपना दूसरा गोल किया। इसी के साथ भारतीय टीम ने 5-0 से बढ़त हासिल कर ली। वहीं एक अन्य मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने कोरिया को 3-1 से हराया, जबकि इंग्लैंड ने मलेशिया को भी इसी अंतर से पराजित किया।

बेहतर ऑलराउंडर बनकर उभरे हैं यानसन

रांची । ऑलराउंड मार्को यानसन अपने प्रदर्शन से अब दक्षिण अफ्रीका के एक प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। कुछ समय पहले वह एक गेंदबाज के तौर पर टीम में आये थे पर अब वह टीम के लिए जरुरत के अनुसार रन भी बना रहे हैं। यानसन अपनी तेज उछाल वाली गेंदों से विरोधी बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर देते हैं। फुल लेंथ गेंद और बेहतर नियंत्रण से उनकी गेंदों की धार और बढ़ती है। यानसन अब केवल निचले क्रम के बल्लेबाज नहीं रहे। अब वह बेहतर बल्लेबाजी करके टीम को कठिन हालात से बाहर निकालने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। यानसन ने कहा, 'जब शीर्ष पांच बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में हों तब मैदान पर उतरना अच्छा लगता है। मेरी नजर केवल गेंद पर होती है और मैं उसी के अनुसार बल्लेबाजी करता हूं। अभी मेरी यह रणनीति कारगर साबित हो रही है। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। उसमें उन्होंनेनौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 91 गेंदों में 93 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को संकट से बाहर निकाला था। यानसन ने इस तरह की आक्रामक पारी पहले भी खेली हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में 59 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को संभाला था। ऐसे समय में जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में छोटी-छोटी पारियों का महत्व बढ़ता जा रहा है तब उन्होंने दिखाया कि वह दक्षिण अफ्रीका के लिए कितने उपयोगी हैं।

गुलाबी गेंद वाले प्रारुप के नाकाम होने के कारण सामने आये, ऑस्ट्रेलिया तक ही सीमित रह गये हैं ये मुकाबले

ब्रिस्बेन । यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को गुलाबी गेंद से दिन रात का टेस्ट मैच शुरु होगा। ये गुलाबी गेंद से 24 वां मैच होगा। गुलाबी गेंद से मैच की शुरुआत साल 2015 से हुई थी और तब लग रहा था कि खेल में एक नयापन आयेगा पर ऐसा नहीं हो पाया। एक दशक के बाद भी अब तक काफी कम मैच हुए है। जो हुए हैं उनमें से अधिकतर ऑस्ट्रेलिया में हुए हैं। अन्य देशों में से सफल नहीं रहे हैं। इसके पीछे कई कारण रहे हैं। इसी को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में इवेंट्स और ऑपरेशंस के

एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर जोएल मॉरिसन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में दिन-रात का प्रारुप इसलिए सफल रहा क्योंकि गर्मियों में मौसम बहुत अच्छा होता है। वहीं विश्व स्तर के स्टेडियम और सुविधाएं यहां हैं। फ्लड लाइटिंग भी बहुत अच्छी होती है। इसके अलावा इस प्रारुप की सफलता के लिए कई अन्य उपाय भी किये गये हैं जिससे गुलाबी गेंद के मुकाबले हालात के अनुरुप हों। पिछले कुछ सालों में यह बात सामने आयी है कि दिन-रात मैच के लिए आदर्श स्थल तैयार करना आसान नहीं होता है। इसके लिए आपको कुछ खास तरह के बदलावों की जरुरत होती है। इनमें ओस का कम असर, ऐसी पिच जो गुलाबी गेंद को लंबे समय तक सहायता करें बनानी होती है। ओस को देखते हुए पिच कुछ सख्त बनायी जाती है पर ऐसी भी नहीं कि हालात खेलने लायक न रहें। वहीं इंग्लैंड में मौसम की समस्या है, जबकि भारत में ओस से परेशानी है। दक्षिण अफ्रीका में एक गुलाबी गेंद से मैच खेला गया था पर वहां लाइट्स की समस्या होती है। श्रीलंका में फ्लडलाइट्स नहीं हैं जबकि पाकिस्तान में अभी तक इसका आयोजन नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज भी सही स्थल नहीं साबित हुए हैं। हालांकि इस प्रारुप की शुरुआत धमाकेदार रही थी। एक दशक पहले 27 नवंबर 2015 को मार्टिन गप्टिल ने एडिलेड में मिचेल स्टार्क की पहली गेंद का सामना किया था। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया, ये मैच काफी मनोरंजक तो था पर इसमें कुछ विवाद भी हुए, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से जीता। बहुत सारे दर्शक मैच देखने के लिए आए। टीवी रेटिंग्स भी दमदार थी पर इसके बाद भी ये प्रारुप अधिक विकास नहीं कर पाया और ऑस्ट्रेलिया का ही होकर रह गया है।

विराट कोहली घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार वापसी के लिए तैयार, ऋषभ पंत भी दिल्ली के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दोनों ने आगामी विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में खेलने की पुष्टि कर दी है। यह फैसला न केवल घरेलू क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि दिल्ली की टीम को भी बड़ा फायदा देगा। पंत लगभग सात साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे, जबकि कोहली 14 साल बाद फिर से दिल्ली की ओर से लिस्ट-ए मुकाबले खेलते नजर आएंगे। दोनों के खेलने से दिल्ली का बल्लेबाजी क्रम पहले से कहीं अधिक मजबूत होगा।

ऋषभ पंत की धमाकेदार वापसी तय

सूत्रों के अनुसार, ऋषभ पंत ने DDCA को अपनी उपलब्धता की औपचारिक पुष्टि कर दी है। 2018 के बाद पहली बार पंत विजय हजारे ट्रॉफी में दिखाई देंगे। पंत ने 2015 से अब तक दिल्ली के लिए 19 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 531 रन बनाए। उनकी पारी में एक शतक, दो अर्धशतक और 109.48 का बेहतरीन स्ट्राइक रेट शामिल है। पंत की वापसी खास इसलिए भी है क्योंकि उनकी आक्रामक बैटिंग शैली दिल्ली के लिए मैच-विनिंग साबित हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने 31 ODI मुकाबलों में 871 रन बनाए हैं, जिसमें एक शानदार सेंचुरी और पांच फिफ्टी शामिल हैं। उनकी फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए दिल्ली के लिए यह एक बड़ा प्लस पॉइंट है।

विराट कोहली भी विजय हजारे ट्रॉफी में उतरने को तैयार

35 वर्षीय भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने भी DDCA को टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता का भरोसा दिला दिया है। कोहली अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और ODI फार्मेट में विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। 2010 के बाद यह पहला मौका होगा जब कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की जर्सी पहनकर उतरेंगे। 2010 में खेले गए पांच मैचों में कोहली ने 45.80 की औसत से 229 रन बनाए थे और दो अर्धशतक भी लगाए थे। उनकी मौजूदा फॉर्म शानदार है और वह घरेलू गेंदबाजों पर हावी होते नजर आ सकते हैं। कोहली कर्नाटक के मैदानों पर दिल्ली के मुकाबलों में हिस्सा लेंगे, क्योंकि इस बार दिल्ली के कोटे में कोई होम ग्रुप मैच नहीं है।

दिल्ली के अभियान को मिलेगा बड़ा फायदा

पंत और कोहली के आने से दिल्ली का लाइन-अप बेहद प्रभावशाली हो जाएगा। दोनों खिलाड़ी बड़े मैचों में टीम का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं। उनकी मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक होगी और टीम संयोजन को भी संतुलित बनाएगी। विजय हजारे ट्रॉफी के सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले 8 जनवरी तक खत्म हो जाएंगे, जिससे पंत और कोहली दोनों के पास अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल से पहले पर्याप्त गेम टाइम मिलेगा। 11 जनवरी से भारत-न्यूज़ीलैंड की ODI सीरीज शुरू होगी, जहां कोहली को फिर एक्शन में देखा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

यीशु पर बनी रूबेन्स की दुर्लभ पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

पेरिस, एजेंसी। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई पेंटिंग वर्सलीज में नीलामी के दौरान 27 लाख डॉलर में बिकी। ईसा मसीह (यीशु) को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य बताने वाली यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी। विशेषज्ञ निल्स ब्यूट्नर ने कहा, यह एकमात्र ऐसी पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के पार्श्व–घाव से रक्त और पानी बहते दिखाया है। रूबेन्स ने इसे एक बार में बनाया था।

कराची : तेज रफ्तार स्पीडबोट की टक्कर में यात्री नाव डूबी, 2 मरे

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के मनोरा के पास समुद्र में रविवार शाम एक निजी स्पीडबोट की टक्कर एक यात्री नाव से हो गई। इस हादसे में एक महिला और एक किशोरी की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हुए हैं। डीआईजी सैयद असद रजा ने बताया कि शाम 6 :30 बजे जब यह टक्कर हुई तब नाव मनोरा बीच से जेटी नंबर 1 की ओर जा रही थी। टक्कर से नाव पूरी तरह से नष्ट हो गई। इसमें चार परिवारों के कुल 22 लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान नौसेना और कराची पोर्ट ट्रस्ट ने उन्हें बचाया। रजा ने कहा कि दो घायल लड़कियों की हालत नाजुक बनी हुई है।

तस्करी के शक में ईरान में दो द. कोरियाई नागरिक गिरफ्तार

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि ईरान में तस्करी के शक में दो दक्षिण कोरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान में उनका राजनयिक मिशन ईरानी अधिकारियों के साथ संपर्क में है। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों को जरूरी कांसुलर सहायता दी जाएगी। हालांकि, मंत्रालय ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पेशा या आरोपों की सटीक प्रकृति के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया।

चीनी जल विद्युत प्रोजेक्ट में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप

बीजिंग, एजेंसी। चीन के फुजियान प्रांत में बन रहा एक प्रमुख हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट योंगआन पावर स्टेशन गंभीर सुरक्षा उल्लंघन के आरोपों के कारण जांच के घेरे में है। चीन की आधिकारिक मीडिया ने बताया कि 7.5 अरब युआन (1.06 अरब अमेरिकी डॉलर) की इस परियोजना में घटिया सामग्री और लापरवाही से निर्माण करने का आरोप है। जांच में पाया गया कि इसके निचले जलाशय (लोअर रिजर्वायर) में गंभीर गुणवत्ता दोष हैं। यह लोअर रिजर्वायर बिजली उत्पादन का मुख्य केंद्र है।

बलूचिस्तान : अर्धसैनिक बल मुख्यालय पर हमले में 3 मौतें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम बताते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल का दावा है कि चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर (एफसी) मुख्यालय पर आत्मघाती हमले के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया। इस पर त्वरित जवाबी कार्रवाई की गई। प्रवक्ता ने बताया कि कम से कम छह हमलावरों ने जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। इस बीच मुख्यालय में घुसने में कामयाब रहे तीन आतंकियों को मार गिराया गया। सूत्रों के अनुसार, बीएलए चरमपंथियों ने पंजगुर के गुरमाकन क्षेत्र में एक अन्य एफसी चौकी को भी निशाना बनाया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। माना जा रहा है इस घटना में कई हमलावर मारे गए लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जिसके कारण कई सशस्त्र हमलावर शिविर में घुस गए। कई घंटे तक झड़पें जारी रहीं।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई: रैली-जुलूस निकालने पर रोक

प्रदर्शन की धमकी के बाद फैसला, इमरान से मिलने की मांग कर रही पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है।

आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है।

दावा- संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में : आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे : पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है।

न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी : इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, 'पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं।

सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था : इमरान खान का समर्थन करने रावलपिंडी की अडियाला जेल पहुंचे खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) राज्य के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को पुलिस ने 27 नवंबर को सड़क पर गिराकर पीटा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीएम सोहेल अफरीदी पर हमले की कार्रवाई सेना के आदेश पर की गई। अफरीदी गुरुवार को जिस समय जेल पहुंचे थे वहां भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। उनके पहुंचने से हालात और बिगड़ गए। पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। पीटीआई ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है। अफरीदी ने बड़े विरोध-प्रदर्शन की धमकी दी थी अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे।

अमेरिका, ब्रिटेन समेत 15 देशों का चीन पर मानवाधिकार हनन का आरोप रिपोर्ट पर जताई गहरी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। 15 देशों के गठबंधन ने 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के दौरान चीन पर गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार हनन का आरोप लगाया है। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे राष्ट्रों ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर गहरी चिंता जताई।

फयूल की एक रिपोर्ट के अनुसार इन्होंने अपने बयान में चीन सरकार पर मनमानी हिरासत, जबरन श्रम, अवैध सामूहिक निगरानी, और धार्मिक/ सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर महत्वपूर्ण अंकुश लगाने की निंदा की। उइगरों, तिब्बतियों, ईसाइयों और फालुन गोंग अभ्यासी समेत अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार दुर्व्यवहार की विश्वसनीय रिपोर्टों पर जोर दिया गया। बच्चों को उनके परिवारों से अलग करने और राज्य-संचालित आवासीय स्कूलों में भेजने और सांस्कृतिक/ धार्मिक स्थलों को नष्ट करने जैसी प्रथाओं का भी उल्लेख किया गया।

हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के क्षरण पर भी चिंता : गठबंधन ने हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के गंभीर रूप से क्षरण पर भी चिंता जताई। 15 देशों ने बीजिंग से तत्काल और बिना शर्त उन सभी व्यक्तियों को रिहा करने की मांग की, जिन्हें केवल उनके मानवाधिकारों का प्रयोग करने के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने चीन से अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों का पूरी तरह से पालन करने का आग्रह भी किया। पहले भी चीन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप लगते रहे हैं।

यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल हुआ कनाडा, अमेरिका से बढ़ रही दूरी

ओटावा, एजेंसी। यूरोपीय संघ रक्षा फंड में कनाडा भी शामिल हो गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कनाडा के इस कदम को सैन्य खर्च के लिए अमेरिका पर निर्भरता से दूर जाने के तौर पर देखा जा रहा है। यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल होने के बाद कनाडा को 150 अरब यूरो का रक्षा कर्ज आसानी से मिल सकेगा। यूरोपीय संघ के इस रक्षा फंड को यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई (एसएएफई) के नाम से जाना जाता है। इस समूह में शामिल होने के बाद कनाडा की कंपनियों को विभिन्न रक्षा उपकरण खरीदने के लिए यूरोपीय संघ का सस्ता लोन मिल सकेगा।

क्या है एसएएफई : यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई यूरोपीय संघ का एक वित्तीय साधन है जिसका उद्देश्य सदस्य देशों को साझा रक्षा खरीद के लिए 150 अरब यूरो तक की वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह यूरोपीय संघ के उधार के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा और इसका लक्ष्य यूरोपीय रक्षा और औद्योगिक

आधार को मजबूत करना, महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देना और यूरोपीय रक्षा को मजबूत करना है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक बयान में कहा, एसएएफई में कनाडा की भागीदारी से सैन्य क्षमता की कमियों को दूर किया जाएगा, इससे कनाडाई निर्यातकों के लिए मार्केट का विस्तार होगा, और कनाडा में यूरोपियन रक्षा निवेश को बढ़ावा मिलेगा।' गौरतलब है कि कनाडा पहला गैर-यूरोपीय देश है जिसे रक्षा फंड में शामिल किया गया है। मार्क कार्नी ने कहा कि इससे कनाडा और यूरोपीय देशों के रिश्तों में भी मजबूती आएगी।

मादुरो को ट्रंप की चेतावनी, फोन कर कहा- देश छोड़ दें, अमेरिका-वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव एक बार फिर खतरे की रेखा पार करता दिख रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से फोन पर बात की और उन्हें तीखा अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि वह तुरंत देश नहीं छोड़ते, तो हालात और गंभीर हो जाएंगे। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब कैरेबियन क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ चुकी है और दोनों देशों के रिश्ते पहले से ही बेहद तनावपूर्ण हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने मादुरो से साफ कहा, 'आप खुद को और अपने करीबियों को बचा सकते हैं, लेकिन आपको अभी देश छोड़ना होगा।' अमेरिका ने मादुरो, उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस और उनके बेटे को सुरक्षित रास्ता देने का प्रस्ताव रखा था। यह प्रस्ताव मादुरो के कई शीर्ष सहयोगियों तक भी बढ़ाया गया था। लेकिन मादुरो ने इसे ठुकरा दिया। वेनेजुएला की तरफ से दो मुख्य मांगें रखी गईं। पहली, मादुरो और उनके करीबी सर्कल के लिए वैश्विक माफी और दूसरी, वेनेजुएला की सेना पर पूरा नियंत्रण बनाए रखने का अधिकार। अमेरिका ने इन दोनों मांगों को मंजूर करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद बातचीत पूरी तरह टूट गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति का सीधा संकेत : ट्रंप ने रविवार को स्वीकार किया कि उन्होंने हाल ही में मादुरो से बात की है, लेकिन उन्होंने बातचीत की प्रकृति पर कोई जानकारी देने से मना कर दिया। इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने दुनिया को चेतावनी दी कि वेनेजुएला का एयरस्पेस पूरी तरह बंद माना जाए। उनकी इस घोषणा के तुरंत बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों ने वेनेजुएला के ऊपर से उड़ान भरना बंद कर दिया। फ्लाइटराडार24 के मुताबिक, देश के ऊपर एक भी विदेशी विमान नहीं देखा गया। कुछ एयरलाइंस ने वैकल्पिक रास्ते अपनाए, जबकि कई ने सेवाएं रोक दीं।

शर्तों की वजह से अटका समाधान : रिपोर्ट के अनुसार, कॉल 16 नवंबर को हुई थी। इसमें मादुरो ने दो बड़े आश्वासन मांगे पहला, कि उन्हें और उनकी टीम को किसी भी मौजूदा आरोपों से वैश्विक स्तर पर पूरी तरह माफी मिले। दूसरा, वेनेजुएला की सेना पर उनका नियंत्रण बना रहे, भले ही भविष्य में देश में स्वतंत्र चुनाव हों। अमेरिका ने इन दोनों शर्तों को सख्ती से खारिज कर दिया और कहा कि मादुरो को पद तुरंत छोड़ना होगा। बताया गया कि मादुरो सरकार ने अमेरिकी प्रशासन से दोबारा बातचीत की कोशिश की लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति मादुरो और उनकी शासन व्यवस्था पर अब तक का सबसे बड़ा दबाव बना रही है।

बातचीत टूटने के बाद अमेरिका ने अपने शब्दों के साथ-साथ अपनी कार्रवाई भी तेज कर दी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अमेरिकी सैन्य अभियान जल्द ही जमीन पर शुरू हो सकते हैं। इसके बाद अमेरिकी जहाज और लड़ाकू विमान कैरेबियन में सक्रिय दिखाई दिए। अमेरिका ने दावा किया है कि वेनेजुएला की जमीन से ड्रग तस्करी बढ़ रही है, जिससे अमेरिका में 100000 लोगों की मौत हुई।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र विजय कुमार की की चाकू मारकर हत्या, परिवार ने दी श्रद्धांजलि, पुलिस की जांच तेज

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में पढ़ाई कर रहे 30 वर्षीय भारतीय छात्र विजय कुमार श्योराण की हत्या से उनके परिवार और समुदाय में गहरी शोक की लहर है। वेस्ट मर्सिया पुलिस ने सोमवार को औपचारिक रूप से उनकी पहचान जारी करते हुए परिवार की भावुक श्रद्धांजलि साझा की और मामले से जुड़े किसी भी तरह की जानकारी देने की अपील दोहराई।

पुलिस के मुताबिक, पिछले मंगलवार को वॉर्सेस्टर के बारबॉर्न रोड पर विजय गंभीर हालत में मिले थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। हत्या के शक में गिरफ्तार किए गए पांच लोग फिलहाल जमानत पर हैं, जबकि जांच अभी जारी है।

परिवार ने कहा- विजय ऊर्जा, खुशी और हंसी का दूसरा नाम था

हरियाणा के चरखी दादरी जिले के जग्रामबास गांव के रहने वाले विजय को परिवार ने एक ऐसे इंसान के रूप में याद किया, जिसकी मौजूदगी से हर कमरे में रोशनी फैल जाती थी। परिवार द्वारा जारी बयान में कहा विजय हमारे जीवन में ऊर्जा, खुशी और हंसी लेकर आया। वह जहां भी जाता, माहौल को खुशनुमा बना देता। कठिन परिस्थितियों में भी उसका मनोबल अटूट रहता था। वह दिल से जीने वाला इंसान था। परिवार ने आगे कहा उसका हर छोटा कदम, उसकी हर मुस्कान, उसकी हर दया हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेगी। उसकी असमय मौत ने हमारे जीवन में एक ऐसा खालीपन छोड़ दिया है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता।

पुलिस की अपील- किसी के पास भी जानकारी हो तो सामने आए : वेस्ट मर्सिया पुलिस के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर ली होलहाउस ने कहा कि उनकी टीम घटना के हर पहलू की जांच कर रही है। उन्होंने कहा पिछले कुछ दिनों में हमने कई अहम सुराग जुटाए हैं। लेकिन हमें और जानकारी की जरूरत है। जो भी व्यक्ति घटना के बारे में कुछ जानता हो, वह तुरंत पुलिस से संपर्क करे। होलहाउस ने यह भी बताया कि पुलिस की टीम सप्ताहांत में भी बारबॉर्न रोड पर मौजूद रही और समुदाय को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

विधायक ने केंद्र सरकार से की मदद की अपील : चरखी दादरी के विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने सोशल मीडिया पर विजय की मौत पर दुख जताया और भारत सरकार से परिवार की हर संभव मदद करने की अपील की। उन्होंने लिखा हम मांग करते हैं कि मृतक के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था की जाए और जांच पारदर्शी और समयबद्ध हो ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।

बांग्लादेश लौटने की तैयारी में बेटा तारिक रहमान, 15 साल से लंदन में हैं निर्वासित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष 80 वर्षीय बेगम खालिदा जिया की तबीयत गंभीर बनी हुई है। ताजा अपडेट के अनुसार उन्हें ढाका के एवरकेयर अस्पताल में वेंटिलेशन पर रखा गया है। उनकी सुरक्षा को देखते हुए अस्पताल में पुलिस और विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) की तैनाती की गई है। दूसरी ओर अब खालिदा जिया की ज्यादा गंभीर होती तबीयत को देखते 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे उनके बेटे और बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान अब बांग्लादेश लौटने की तैयारी में हैं। इस बात की जानकारी बीएनपी के वरिष्ठ नेता ने दी। बीएनपी के वरिष्ठ नेता सलाहुद्दीन अहमद ने बताया कि खालिदा जिया के बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान, जो पिछले 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं, जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे। तारीक नए बांग्लादेशी पासपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। कारण है कि रहमान अस्थायी सरकार द्वारा दिए गए एक बार यात्रा पास का इस्तेमाल नहीं करना चाहते।

चुनाव को लेकर भी पार्टी में हलचल : बता दें कि अगले साल फरवरी में होने वाले बांग्लादेशी आम चुनाव को लेकर भी देशभर में हलचल तेज है। ऐसे में बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया का स्वास्थ्य खराब होना, पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। ऐसे में बीएनपी की शीर्ष बैठक में पार्टी ने चुनावी रणनीति और वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की। बीएनपी, अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद बदलते राजनीतिक परिदृश्य में फिर से मुख्य राजनीतिक ताकत के रूप में उभर रही है। बढ़ाई गई अस्पताल की सुरक्षा उधर, खालिदा जिया की बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए अस्पताल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंगलवार सुबह 2 बजे के करीब अस्पताल के मुख्य गेट पर बैरिकेड लगाई गई और दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। मध्यरात्रि से विशेष सुरक्षा बल के चार सदस्य अस्पताल में पहुंचे और लगभग तीन घंटे तक सुरक्षा निरीक्षण किया।

सिडनी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण रैकेट का भंडाफोड़

सिडनी, एजेंसी। सिडनी में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय बाल यौन शोषण रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन चारों पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े वीडियो ऑनलाइन फैलाने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क एक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण घिरोह से जुड़ा था, जिसके वीडियो में खतरनाक रस्मों और शैतानी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इस कार्रवाई को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने ऑनलाइन एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर चल रही संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क की पहचान की। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट जेन डोहर्टी ने बताया कि यह सामान्य अपराध नहीं था, बल्कि इसमें ऐसे वीडियो शामिल थे जिनमें बच्चों को शैतानी अनुष्ठानों से जुड़े प्रतीकों और रिवाजों का इस्तेमाल करते हुए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सामग्री 'अत्यंत भयावह' है और बातचीत में भी ऐसे संकेत मिले जिससे पता चलता है कि आरोपी इसी तरह की क्रूर सामग्री साझा करते थे।

कैसे पकड़े गए आरोपी : पिछले गुरुवार को सिडनी में कई स्थानों पर छापे मारे गए और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके ठिकानों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जिनमें हजारों वीडियो संग्रहित थे। यह सामग्री ऐसे बच्चों की थी जिनकी उम्र कुछ महीनों से लेकर 12 साल तक बताई गई है। पुलिस का कहना है कि यह सबूत दिखाते हैं कि आरोपी एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा थे, जो ऑनलाइन बच्चों पर अत्याचार से जुड़े वीडियो साझा करता था।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की कड़ी : पुलिस ने बताया कि यह नेटवर्क अलग-

अलग देशों में फैले लोगों के बीच सामग्री साझा करता था। जांच में यह संकेत मिला है कि आरोपी शैतानी और ओकल्ट प्रतीकों के साथ वीडियो साझा करते थे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में जो वीडियो मिले हैं, वे आरोपियों ने खुद नहीं बनाए, लेकिन उन्होंने इन्हें साझा किया और इन पर चर्चाएं कीं। अधिकारियों ने कहा कि वे वैश्विक एजेंसियों के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पीड़ित बच्चे कौन थे, उन्हें कहां प्रताड़ित किया गया और अपराध के पीछे कौन लोग हैं।

आरोपियों के नाम और आरोप : गिरफ्तार आरोपियों में 26 वर्षीय लैंडन जर्मनोटा-मिल्स को इस नेटवर्क का मुख्य संचालक बताया गया है। अन्य तीन आरोपी स्टुअर्ट वुड्स रिचेस (39), मार्क एंड्रयू सेनडेक्की (42) और बेनजामिन रेमंड ड्राइस्डेल (46) हैं। चारों पर ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री फैलाने के आरोप लगे हैं। जर्मनोटा-मिल्स पर बेस्टियालिटी सामग्री फैलाने और अपने पास रखने का अतिरिक्त आरोप भी लगाया गया है। अदालत ने चारों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है और वे अब जनवरी के अंत में अगली सुनवाई के लिए पेश होंगे।

पीड़ितों की पहचान में जुटी पुलिस : पुलिस ने कहा कि अभी तक किसी भी पीड़ित की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से जांच तेजी से जारी है। अधिकारी जेन डोहर्टी का कहना है कि यह मामला बेहद संवेदनशील है और पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि यह अपराध संगठित तरीके से चलाया जा रहा था और सामग्री को एन्क्रिप्टेड माध्यमों के जरिए साझा किया जाता था, ताकि पहचान छुपी रहे। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ते ही कई और खुलासे हो सकते हैं।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विधायक निधि से तीन योजनाओं का किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेता तिर्की ने बुधवार को चान्हो प्रखंड में तीन विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इन योजनाओं में सोंस बाजार टांड़ में जतरा खूंटा निर्माण एवं सरना स्थल का सौंदर्यीकरण, मसमानो में पीसीसी सड़क निर्माण तथा कोको बुढ़िया पूजा स्थल में शेड और शौचालय निर्माण शामिल है।

शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री तिर्की ने कहा कि उनके लिए मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। वे धर्म आधारित राजनीति नहीं करतीं, बल्कि समाज के हर वर्ग और समुदाय को साथ लेकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मंत्री ने कहा कि सोंस बाजार टांड़ में कभी लगने वाला जतरा और मुड़मा मेला क्षेत्र की पहचान हुआ करता था, लेकिन समय के साथ इसकी चमक फीकी पड़ गई। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में बाजार टांड़ के जर्जर शेड को भी बदला जाएगा। कोको बुढ़िया पूजा स्थल का उल्लेख करते हुए तिर्की ने कहा कि इस स्थल के प्रति उनकी गहरी आस्था है। श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाने और इस स्थल की पहचान को मजबूत बनाने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि मांडर की जनता ने विश्वास जताया है और वह अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभा रही हैं।

शिलान्यास कार्यक्रम में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद इश्तियाक, निधिया उरांव, शिव उरांव, महादेव उरांव, जॉनी उरांव, मुजीबुल्ला, अजीत सिंह, मंगलेश्वर उरांव, नूरजहां बेगम, निशत परवीन, जावेद अख्तर, हफीजुल अंसारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

विधानसभा में 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करे सरकार : नायक

रांची। आदिवासी-मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने पांच दिसंबर से शुरू होनेवाला झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र में वर्षों से लंबित झारखंडी हितों से जुड़े महत्वपूर्ण 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति और नियोजन नीति विधेयक को पारित करने की मांग की है। उन्होंने इससे संबंधित पत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेजा है। इसकी जनकारी नायक ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों से लंबित 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति-नियोजन नीति का मुद्दे पर अब और प्रतीक्षा झारखंडी जनता के अधिकारों पर प्रहार है। उन्होंने 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति-नियोजन नीति को झारखंडी युवाओं की पहचान, रोजगार और सामाजिक न्याय से जुड़ा सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए कहा कि इसे पुनः विधानसभा से पारित कर केंद्र के समक्ष मजबूत रूप में रखा जाना जरूरी है।

बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले भर में की अलाव की व्यवस्था

बिभा संवाददाता

रांची : राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में बढ़ती शीत लहर और रात के तापमान में निरंतर गिरावट को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, राँची श्री मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार पूरे राँची जिले में आमजन, विशेषकर जरूरतमंद, बेघर, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालक, फुटपाथ पर सोने वाले तथा रात में ड्यूटी करने वाले व्यक्तियों के लिए अलाव की व्यापक व्यवस्था की गई है।

जिले के सभी 18 प्रखंडों के प्रखंड मुख्यालयों, पंचायत भवनों, प्रमुख हाट-बाजारों, प्रमुख चौक-चौराहों तथा जरूरतमंद आबादी वाले स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक प्रखंड में कई जगहों में अलाव जलाए जा रहे हैं।

उपायुक्त ने इस संबंध में जिले के सभी अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों को पूर्व में ही स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए थे कि अलाव की व्यवस्था प्रारंभ कर दी जाए तथा लकड़ी, केरोसिन आदि की कोई कमी न हो।

उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि ठंड से किसी भी नागरिक को परेशानी न हो। हमने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अलाव नियमित रूप से जलें और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त अलाव की व्यवस्था तुरंत की जाए।

देवघर-बासुकीनाथ फोरलेन निर्माण कार्यों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

देवघर। उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने बुधवार को देवघरझबासुकीनाथ फोरलेन निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर बुधवार को विभिन्न चरणों में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने तपोवन से हिण्डोलावरण तक फोरलेन कार्य, आरओबी निर्माण, वाहन अंडरपास निर्माण और ग्रीन कॉरिडोर के कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए संबंधित एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

उपायुक्त ने विशेष रूप से वाहन अंडरपास निर्माण पर ध्यान देने को कहा, ताकि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को समाप्त कर सड़क के दोनों ओर सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने भू-अर्जन, भू-हस्तांतरण और मुआवजा वितरण से जुड़े लंबित मामलों को जल्द निपटाने का निर्देश दिया, ताकि शेष कार्यों में देरी न हो।

उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि फोरलेन परियोजना देवघर और आसपास के क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी मार्ग है, इसलिए निर्माण की गुणवत्ता और गति दोनों पर विशेष ध्यान रखें।

निरीक्षण के दौरान जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमर कुमार, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, मोहनपुर के बीडीओ और सीओ, डीएमएफटी टीम, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी सहित संबंधित विभाग और एजेंसी के अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे का बड़ा फैसला, तत्काल में विंडो टिकट लेने पर भी ओटीपी होगा जरूरी

नई दिल्ली : सामान्य यात्रियों के लिए तत्काल टिकट सुविधा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से यह ओटीपी आधारित तत्काल आरक्षण प्रणाली प्रस्तावित की गई थी। सबसे पहले, रेलवे ने जुलाई 2025 में ऑनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार आधारित प्रमाणीकरण शुरू किया। इसके बाद, अक्टूबर 2025 में सभी सामान्य आरक्षणों की प्रथम दिन की बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली लागू की गई। इन दोनों पहलुओं को आम यात्रियों ने सफलतापूर्वक अपनाया, जिससे आरक्षण प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित हुई। रेलवे ने 17 नवंबर 2025 से आरक्षण काउंटरों पर बुक होने वाले तत्काल टिकटों के लिए ओटीपी आधारित आरक्षण प्रणाली का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया। फिलहाल यह प्रणाली कुल 52 ट्रेनों तक विस्तारित कर दी गई है। इस व्यवस्था के तहत, काउंटर पर तत्काल टिकट बुक कराते समय यात्री को आरक्षण फॉर्म में दर्ज मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाता है। ओटीपी सत्यापन सफल होने के बाद ही टिकट की पुष्टि की जाती है। अब अगले कुछ दिनों में शेष सभी ट्रेनों में भी काउंटरों पर ओटीपी आधारित तत्काल आरक्षण प्रणाली लागू कर दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य तत्काल सुविधा के दुरुपयोग को रोकना और वास्तविक यात्रियों को अधिक मांग वाले टिकटों तक बेहतर पहुंच प्रदान करना है। यह रेलवे टिकटिंग में पारदर्शिता, यात्री सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आसनसोल मंडल में डीआरयूसीसी की बैठक आयोजित

आसनसोल: आसनसोल मंडल की मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के चाणक्य सभाकक्ष में अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रवीण कुमार प्रेम की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक की शुरूआत में आसनसोल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक और रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) के सचिव, श्री मार्शल ए. सिल्वा ने सदस्यों का स्वागत किया और मंडल की उपलब्धियों का एक ओवरव्यू दिया, जिसमें पैसेंजर सुविधाओं में बढ़ोतरी, स्टेशन पर बेहतर रोशनी, नए फुट ओवर ब्रिज का चालू होना, प्लेटफॉर्म अपग्रेड और मौजूदा वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए बड़े ट्रैक नवीनीकरण के काम शामिल हैं। उक्त बैठक को संबोधित करते हुए श्री प्रवीण कुमार प्रेम ने कहा कि रेलवे और रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) पैसेंजर सेवाओं को बेहतर बनाने और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साझा उद्देश्य के साथ मिलकर काम करते हैं। उन्होंने सदस्यों से मिले कीमती सुझाव के लिए धन्यवाद दिया और दोहराया कि रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) यात्रियों और रेलवे प्रशासन के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी का काम करता है। उक्त बैठक में समिति के सात सदस्य बिश्वदेव भट्टाचार्य, श्री जॉन मिल्टन, श्री हर्षवर्धन खेतान, श्री राधाबल्लव चटर्जी, श्री प्रिंस सिंघल, श्री आशुतोष मुखर्जी और श्री अविनाबा मुखर्जी उपस्थित थे। इस बैठक के समिति सदस्यों ने चर्चा में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और आसनसोल मंडल की पहल पर संतुष्टि जताई। ट्रेन सेवा, समय की पाबंदी, ठहराव, स्टेशन की साफ-सफाई, सकुर्लेटिंग एरिया में सुधार, टिकटिंग सुविधाओं, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था पर सुझाव मिले। इन्हें आगे की जांच और कार्रवाई के लिए ठीक से नोट किया गया। मांग आधारित रूट पर नई ट्रेन सेवा के प्रस्तावों पर भी व्यवहार्यता आकलन के लिए विचार-विमर्श किया गया और उन्हें क्षेत्रीय मुख्यालय और रेलवे बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जहाँ भी लागू हो। प्लेटफॉर्म शेल्टर, पीने के पानी की व्यवस्था, एस्केलेटर और यात्री-प्रतिक्षालय के अनुरक्षण, और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी से जुड़े सवालों का अपर मंडल रेल प्रबंधक और संबंधित शाखा अधिकारियों ने जवाब दिया। यह बैठक श्री प्रवीण कुमार प्रेम के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुई, जिसमें उन्होंने सभी रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) सदस्यों के सकारात्मक प्रतिक्रिया और सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

पुलिस-व्यवसायी समन्वय समिति की बैठक में जाम की समस्या पर जताई गई चिंता, प्रशासन से वार्ता करेगा चेंबर

बिभा संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा पुलिसझव्यवसायी समन्वय समिति की बैठक बुधवार को डेली मार्केट थाने में हुई।

बैठक में थाना प्रभारी रवि कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर (यातायात) पवन कुमार सहित थाना क्षेत्र के बड़ी संख्या में व्यवसायी उपस्थित थे।

बैठक का उद्देश्य पुलिस और व्यवसायी वर्ग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और क्षेत्र की विधि-व्यवस्था से संबंधित समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तृत चर्चा करना था।

बैठक में मेन रोड की विभिन्न गलियों जैसे ओसीसी कंपाउंड, एसएन गांगुली रोड, श्री विष्णु गली और लालजी हिरजी रोड में ठेले-खोमचे एवं ई-रिक्शा के कारण उत्पन्न जाम की समस्या पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि नगर निगम और यातायात पुलिस की ओर से मेन रोड में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान ठेले-खोमचे गलियों में शिफ्ट हो जाते हैं इससे इन क्षेत्रों के मुहानों पर लगातार जाम की स्थिति बनती है। व्यापारियों ने दुकानों के गेट पर वेंडर्स की भीड़ से व्यापार प्रभावित होने और रात के समय नशेड़ियों के जमावड़े से उत्पन्न कठिनाइयों से भी अवगत कराया।

चर्चा के क्रम में यह महसूस किया गया कि नगर निगम और पुलिस के बीच समन्वय के अभाव में समस्या और अधिक बढ़ी है।

बैठक में चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने सड़कों पर व्यापारिक गतिविधियों के कारण शहर की छवि पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इस विषय पर नगर प्रशासक से शीघ्र वार्ता की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य है कि रांची सहित प्रदेश के सभी जिलों के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों को सुरक्षित, व्यवस्थित और व्यापार-अनुकूल बनाया जाए, ताकि शहर और जिलों की सकारात्मक छवि और मजबूत हो। वहीं थाना प्रभारी ने आवश्यक संसाधनों की कमी का मुद्दा भी रखा, जिसपर चेंबर अध्यक्ष ने डीजीपी से चर्चा करने की बात कही।

चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि शहर के बीच स्थित इस थाने में टाइगर मोबाइल, महिला बल और एक पीसीआर वैन की उपलब्धता अनिवार्य है। दुकानों के बाहर नशेड़ियों के जमावड़े पर कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन भी थाना प्रभारी की ओर से दिया गया। उन्होंने वेंडरों के साथ अलग से बैठक करने की बात भी कही। डेली मार्केट दुकानदार संघ के व्यापारियों ने वहां कट बंद होने से होनेवाली असुविधाओं के बारे में बताया। महासचिव रोहित अग्रवाल ने ई-रिक्शा चालकों को जागरूक करने और उनकी काउंसिलिंग करने का सुझाव दिया। सह सचिव नवजोत अलंग ने गुरुद्वारा के पास रविवार को लगने वाले मार्केट से उत्पन्न जाम की समस्या से अवगत कराया। बैठक में चेंबर के कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, सदस्य मुकेश पांडेय, शशांक भरद्वाज, राजीव चौधरी, लक्ष्मण कुमार, नितेश गुप्ता, चंद्र प्रकाश जैन, राकेश बुधिया, राजेंद्र प्रसाद, एसपीसिंह, इस्लाम साजिद सहित काफी संख्या में चेंबर के सदस्य उपस्थित थे।

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर गिरिडीह के लाल शिबू को राष्ट्रीय दिव्यांग रत्न मेरठ सम्मान से हुए सम्मानित

बिभा संवाददाता

गिरिडीह: झारखंड के गिरिडीह जिले के लाल शिबू कुमार रजक को दिव्यांगजन सेवा, सामाजिक नेतृत्व और अधिकारों की रक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय दिव्यांग रत्न मेरठ 2025 से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पं. सुनील भराला, राज्य मंत्री, श्रम कल्याण परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार, द्वारा शिबू को प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सम्मान प्राप्त करने के बाद शिबू ने कहा कि यह पुरस्कार दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा एवं उनके लिए सुविधाओं के विस्तार हेतु उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने इसे गिरिडीह और पूरे झारखंड का सम्मान बताया।

स्थानीय समाज और विभिन्न संगठनों ने शिबू को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

उपायुक्त के निर्देश पर चले वाहन जांच में 61 हजार की वसूली

देवघर। उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देश पर बुधवार को एक स्कूल बस, 21 कार और नौ टू व्हीलर सहित कुल 30 वाहनों की जांच की गई। इसमें प्रेशर हॉर्न, फिटनेस, अल्ट्रेशन, फर्स्ट ऐड किट की अनुपलब्धता, इमरजेंसी गेट का नहीं रहना, लाईट का नहीं जलने जैसे मामलों में कमी पाए जाने पर 30 वाहनों से जुमार्ना के रूप में 61,000 रुपये वसूला गया। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी देवघर शैलेश कुमार प्रियदर्शी की ओर से वाहन सम्बन्धी सभी पेपर को अपडेट करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी शैलेश कुमार प्रियदर्शी, मोटर यान निरीक्षक, सड़क सुरक्षा प्रबंधक सहित अन्य कार्यालय कर्मी मौजूद थे।

न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन में लाएं तेजी : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर। उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय स्थिति सभागार में विधि शाखा से संबंधित विभिन्न विभागों से जुड़े कार्यों की समीक्षात्मक बैठक की गई।

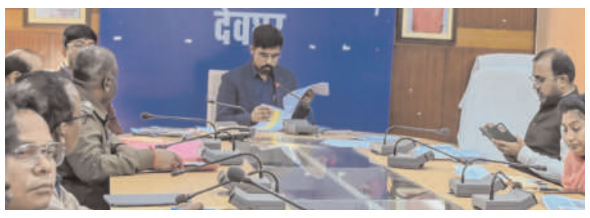

बैठक में उपायुक्त ने उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय से सम्बंधित वादों में प्रति शपथ पत्र दायर किये जाने की विभागवार समीक्षा की। इसके अलावे उन्होंने विभागवार लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन में हर हाल में तेजी लाएं। जितने भी मामलों में कोर्ट में शपथ पत्र दाखिल किया जाना है, वैसे सभी लंबित मामलों में संबंधित पदाधिकारियों को समय पर प्रति शपथ पत्र दायर करें। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विधिक प्रक्रियाओं में शिथिलता न हो और सभी संबंधित अधिकारी अपने स्तर से उत्तरदायित्व का समुचित निर्वहन करते हुए वादों के निष्पादन पर गंभीरता दिखाएं। मौके पर डीडीसी पीयूष सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, एसडीओ देवघर रवि कुमार शैलश कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमर कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

झामुमो महानगर के सात वार्डों में चुनाव संपन्न, वार्ड समिति गठित

बिभा संवाददाता

रांची। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची महानगर ने बुधवार को धुर्वा गोलचक्कर स्थित मैदान में चुनाव सात वार्डों के पदाधिकारियों की नियुक्ति चुनाव के माध्यम से की गई। चुनाव के बाद सर्वसम्मति से वार्ड नम्बर 4,37,38 39,40,41 और 42 समिति का गठन किया गया।

वहीं चुनाव के बाद पार्टी के महानगर इकाई की बैठक की पार्टी के केन्द्रीय सदस्य सह रांची महानगर संयोजक अन्तु तिर्की, केन्द्रीय सदस्य, जिला और महानगर के संयोजक डॉ हेमलाल कुमार मेहता और केन्द्रीय सदस्य, जिला के संयोजक अश्विनी शर्मा ने संयुक्त रूप से की।

इस दौरान गठित वार्ड चार के समिति में राजेश मुंडा को समिति अध्यक्ष, कृष्णा मुंडा, साजिद अंसारी, सोनू कुमार सिंह, अर्जुन मिर्धा को उपाध्यक्ष, वार्ड 37 का अध्यक्ष बाकुन महली को, उपाध्यक्ष फलदेवन बड़ाईक बनाया गया। इसी तरह वार्ड नम्बर 38 में धनन्जय कुमार यादव उर्फ डीके यादव को अध्यक्ष, अमन कुमार, रोहित कुमार को उपाध्यक्ष, आलोक राज को सचिव, इसी क्रम में वार्ड नम्बर 40 में वार्ड अध्यक्ष राहुल कुमार को, उपाध्यक्ष शशी कुमार को मनोनित किया गया।

वहीं वार्ड नम्बर 41 के अध्यक्ष लालु राज यादव, उपाध्यक्ष कृष्णा आदित्य सिंह, सोना लाल, राम राज को, सचिव, वार्ड नम्बर 42 का अध्यक्ष अविनाश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष उज्जवल कुमार को बनाया गया।

चुनाव में जिला और महानगर संयोजक बीरू तिर्की, महानगर संयोजक अफरोज अन्सारी, रोशन सिंह, मनिन्दर सिंह, प्रदीप मिर्धा, अनुप कुमार, विश्जीत गोप सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

औषधि दुकानों का औचक निरीक्षण, नशा करने वाली दवाओं की बिक्री जांची

बिभा संवाददाता

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देश के आलोक में बुधवार को सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोपनो और सदर चाईबासा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी ने औषधि निरीक्षक-चाईबासा के साथ मिलकर शहर की लाइफ मेडिकल, सूर्या मेडिकल और विकास मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया।

जांच टीम ने कोडीन युक्त कफ सिरप, ट्रामाडोल टैबलेट और स्पास्मो प्रॉक्सीवों प्लस जैसी नशे की दवाओं की बिक्री की जांच की। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि तीनों दुकानों में कोडीन युक्त कफ सिरप नहीं पाया गया। वहीं, ट्रामाडोल और स्पास्मो प्रॉक्सीवों प्लस टैबलेट के क्रय-विक्रय अभिलेख और उपलब्ध स्टॉक का मिलान किया गया, जो सही पाया गया।

सदर अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग ने बताया कि ये दवाएं केवल डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन पर ही बेची जा सकती हैं और कहा कि इस प्रकार की जांच क्षेत्र में लगातार जारी रहेगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com